हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

19 मार्च 1981

खंड 1, अंक 9

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 19 मार्च, 1981

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एव उतर	(9)1
वाक आउट	(9)2
तारांकित प्र न एवं उतर (पुनरारम्भ)	(9)4
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(9)19
आरांकित प्र न एवं उतर	(9)26
वैयक्तिक स्पश्टीकरणः—	
(1) स्थानीय भाासन मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) द्वारा	(9)28
(2) डा0 मंगल सैन द्वारा	(9)29
(3) श्री रघुनाथ गोयल द्वारा	(9)29
(4) चौधरी वीरेन्द्र सिंह द्वारा	(9)30
वि ोशाधिकार प्र नः—	
प्रैस में गल्त रिपोर्टिंग संबंधी	(9)30

किसानों द्वारा चलाए जा रहे आन्दोलन संबंधी मामला अठाना	(9)31
कमेटी आन गवर्नमैंट अ योरेसिज की 12वी रिर्पोट पे ा करना	(9)33
कमेटी आन दि वैलफेयर आफ ि ाड्यूल्ड कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज की छठी रिर्पोट पे ा करना	(9)34
वर्श 1981–82 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)34
औचित्य प्र न	
निगम/बोर्ड के सभापति या सरकार के अन्य कार्यकर्ताओं के विरूद्व पदनाम से लगाए गए आरोपों की कार्यवाही से निकालने संबधीं	(9)50
वर्श 1981–82 के बजट पर सामान्य चौधरी उदय सिंह दलाल द्वारा चर्चा (पुनराम्भ)	(9)51
नेमिंग आफ मैम्बर्ज	(9)69
बैठक का स्भगन	(9)73

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 19 मार्च, 1981

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ. में प्रातः 9,30 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अधयक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Hon. Members, Questions Hour.

Appointment of Clerks through S.S.S. Board

***2048. Sh. Bhale Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of clerks appointed so far through the Subordinate Services Selection Board during the period from 1-11-1980 to date; and

(b) the number of persons belonging to Scheduled Castes and Back-ward Classes out of those referred to in part (a) above together –with the percentage thereof?

Mr. Speaker: The Hon. Chief Minister has asked for some time to reply this questions and, therefore, *extension

has been granted. The communications received in this connection is as under.

अ0स0पत्र 34/11/80—बी0एल—1

" भजन लाल

मुख्य मन्त्री हरियाणा

चंडीगढ.

मार्च16, 1981

विशयः— तारांकित प्र न कमांक 2048 — अधीनस्थ सेवाएं प्रवरण मण्डल, हरियाणा द्वारा लिपिकों की नियुक्ति बारें।

प्रिय कर्नल साहब

मैं आप का ध्यान उपरोक्त विशय की और आकर्शित करते हुए कहना चाहुंगा कि तारांकित प्र न कमांक 2048 विधान सभा में दिनांक 19—3—1981 को उतर हेतु नि चत हुआ है। इस प्र न द्वारा मांगी गई सूचना राज्य के सभी विभागों से एकत्रित कि जा रही है जिसमें कुछ समय लगने की सम्भावना है। इसलिए

मैं अनुरोध करुंगा कि इस प्र न का उतर देने हेतु 10 दिन का समय बढा दिया जाए।

आपका

हः—

(भजन लाल)

कर्नल राव राम सिंह,

अध्यक्ष,

हरियाणा विधान सभा,

चंडीगढ़

वाक आउट

श्री भले रामः स्पीकर साहब, पिछली बार भी मैंने चही सवाल अन—स्टार्ड सवाल मे तौर पर दिया था। गवर्नमैंट ने उस समय भी एक्सटैन् ान मांगी थी और आज भी एक्टैंन् ान मांगी गयी है। (व्यवधान व भाोर) एक महकमे से ही तो पूछना हैं, अगर गवर्नमैंट चाहे तो यह इन्फर्मे ान एक घंटे के अनदन आ सकती हैं। मै बता देता हूं कि दो हजार सात क्लर्क्स लिये गयें हैं।

मुख्य मन्त्री (चौ0 भजन लाल): स्पीकर साहब, 72 महकमो को हमने चिटिठ्यां लिखी है। स्पीकर साहब, यह इनर्फे ान आने और उसको कम्पाईल करने में कुछ जो समय लगेगां ही, इसलिये हमने कुछ समय मांगा है।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, यह कवै चन इन टाईम टेबल किया गया था और your honour had admitted it. जब ये सवाल का जवाब पूछ रहे हैं तो इनको टाल क्यों रहे है।

चौधरी भजन लाल: टाल कर हमें क्या फायदा है?(ाोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: क्वै चन एडमिट करने का तरीका यह है कि जो क्वै चन आता है, उस को मैरिट पर और रुल्ल के अनुसार एग्जामिन करके मैं एडमिट कर लेता हूं, फिर उसको गवर्नमैंट के पास भेजता हू ताकि वह इन्फर्मे ान समय पर आ जाए तो मन्त्री जी जवाब दे देते हैं और अगर समय पर न आ पाए तो रुल्ज के अनेसार मन्त्री जी और टाईम मांग सकते हैं और वह टाईम आम तोर पर दे दिया जाता है।

चौधरी संत कबीर: सर, मै बता दूगा अगर ये चाहेंगे मगर यह जवाब नही देना चाहते।

चौधरी भजन लाल: ऐसी काई बात नही है कि हम जवाब नही देना चाहते।

Mr. Speaker: Nothing will be recorded on this quesions.

श्री भले रामः तो हम प्रोटैस्ट के तौर पर वाक आउट करते है।

श्री हीरा नन्द आर्यः ——————————————————

चौधरी गंगा रामः ——————————————————

फिर मैं भी एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करता हूं

(At this stage Sh. Bhalle Ram followed by S/Sh. Bhag Mal, Sant Kanwar, Jai Narain and Ganga Ram staged a walk out)

एक आवाजः यह इन्फर्मेशन तो केवल एस0 एस0 एस0 बोर्ड से आ सकती थी, इसके लिए आपने कितने दिन की एक्सटैन ान दी है?

Mr. Speakar: I have granted 10 days extension. (Interruptions).

Sh. Virender Singh: I have to make one request. (Interruptions) आपने 10 दिन का जो सरकार को टाईम दिया है, इसको आप घटा कर 7 दिन का कर दें ता असका जवाब इसी सै ान में आ जाऐगा।

खाद्य तथा पूर्ति मन्त्री (श्री लक्ष्मण सिंह): वह तो आलरेडी 10 दिन का टाईम दे चुके है।

Sh. Virender Singh: He can reconsider it for which i have made a request.

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: You can Sir, very well reconsider it, and give a direction which will be under the rules. So, I would request you honour to give a direction to the Government in this behalf.

Mr. Speaker: I would request the Government to send the answer within 7 days. If the answer is not complete by then तो जितना आन्सर आ जाए, उतना दे दें।

तारांकित प्र न एवं उतर (पुनराम्भ)

Loss in Haryana Roadways Depots

***1948. Sh. Surender Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether it is a fact that some of the Haryana Roadways depots are running in loss in the State; if so, the names of such depots together with the reasons therefor; and

(b) the steps, if any, taken or proposed to be taken to prevent the loss?

परिवहन मन्त्री (श्री जगन नाथ):

(क) जी हां। इस समय पांच डिपोनामतः जीन्द, सोनीपत, कैथल, भिवानी और सिरसा घाटे में चल रहे है। वि ोशतया पुख्य कारण यह है कि इन डिपुओं का परिचालन लम्बे मार्गो पर कम है।

(ख) इनकी कार्यकु ालता में सुधार करने के लिए मार्ब के ढांचों में अनुपात्न किया जा रहा है ताकि जहां तक सम्भव हो लम्बी दूरी के मार्गो की बांट मे एक रुपता लाई जा सकें।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने प्र न के भाग (क) के जवाब में यह कहा है कि इस समय पांच डिपो, जींद, सोनीपत, कैथल भिवानी और सिरसा घाटे में चल रहें हैं और आप भाग (ख) के उतर में इन्होने यह कहा है कि इनकी कार्यकु ालता में सुधार करने के लिये मार्ग के ढांचों में अनुपात्न किया जा रहा है, क्या मन्त्री महोदय जरा अनुपात्न की वयाख्या करेंगे?

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महादय, सारे डिपो बराबर नही हैं। ****

Mr. Speaker: This is no answer and should be expunged. If the Hon. Minister wants to give the answer to the question, he may please do so.

श्री जगन नाथ: जहां तक प्र न का सम्बन्ध है, अस बारें में यह है कि सारे डिपुओं की स्थिति एक जैसी नही है, कुछ डिपो मेन रोड पर है, यानी जी0टी0 रोड पर हैं या सैंट्रल जगहों पर हैं और कुछेक कौरनर पर पड़ते हैं। ये पांचों डिपो कौरनर पर पड़ते हैं। आवागमन के हिसाब से ये ठीक ठीक नही बैठते इस लिये दन मे घाटा चल रहा है।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः क्या मन्त्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि यह जो 5 डिपुओ में घाटा चल रहा है, इसलिये तो नही हैं कि मन्त्री जी के पास इनकी रिर्पोट मंगवाने और उसे देखने के लिये समय ही नही हैं?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, ऐसी बात नही है। स्पीकर साहब, मै मलिक साहब को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं मेरे साथ हिसार जेल मे रहे थे। * * * *

श्री अध्यक्षः यह सब एक्सपंज कर दिया जायें।

चोधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, आप इनको चैक करिये नही तो फिर हम भी इसी तरह के जवाब देंगे। He is in the habit of making such remarks. (व्यवधान व भाोर)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): यह तो मजाक की बात है। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः गवर्नमैंट के जो भी यहां पर स्पाक्समैन हैं मैं उनसे रिक्वैस्ट करुगां कि वे अपना जवाब सिर्फ सवाल तक ही सीमित रखें और जो आपस की दोस्ताना बातें हैं, वे हाउस से बाहर करें।(व्यवधान व भाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः यह कोई दोस्ताना बात थोड़े ही है। * *

श्री अधयक्षः जो इररैलेवेन्ट रिमार्क्स आये है, वे एकसपंज कर दिये जायें I must request the Hon. Minister to confine his reply to the question asked by the Hon. Member and the Government should see that only relevant reply is given.

श्री जगन नाथः अधयक्ष महोदय, इन डिपुओं में घाटा हो रहा है, वह इस प्रकार से हैं।

	1978–79	1979–80	1980–81
जीन्द	(–)30.57 लाख	(–)11.52 लाख	(–)21.89 लाख
कैथल	(–)15.29 लाख	2.77 लाख	(–)17.44 लाख
भिवानी	(–)13.97 लाख	(–) 0.83 लाख	(–) 24.11 लाख
सिरसा	2.57 लाख	7.17 लाख	(–) 9.26 लाख

घाटे का मेन कारण यह है कि इस एक साल के अन्दर 5 बार पैट्रोल, डीजल और स्पेयर पार्ट्स तथा दूसरी चीजों की कीमतें बढी हैं। पिछली बार हालात को देखते हुए, 25% किराया बढाया गया थां किसी अपाजी ान के मैम्बर ने न तो इस सै ान में और न ही पिछले सै ान में इस किराये को बढाने के बारे में एक भाब्द कहा।

Dr. Mangal Sein: Speaker, sir, he must prove it. It is worng.

श्री जगन नाथः उसके बाद अप्रैल के अन्दर फिर 37 पैसे पर लिटर डीजल और पैट्रोल के भाव और बढें जिसके कारण एक दिन मे 61 हजार रुपये का लौस हुआ हैं। फिर भी कुल मिलाकर हमारा महकमा प्राफिट में है।

श्री रिजक रामः स्पीकर साहब, यह देखा गया है कि जहां पर रोडवेज का रेलवेज के साथ कम्पीटी ान है, वे डिपो आमतौर पर घाटे में ही रहते हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जहां पर हरियाणा रोडवेज का रेलवेज से कम्पीटी ान हैं, वहां पर 25 परसैन्ट किराया बढाने से उन डिपोज का घाटा और बढा हैं या नहीं?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, ऐसी काई बात नही है। घाटा डीजल, पैट्रोल और स्पेयर पार्टस की कीमतें बढने तथा लिकेज आफ रैवैनयू के कारण हो रहा है। हर चीज की कीमत दस–पन्द्रह दिन या महीने के अन्दर बढती जाती है।

श्री अध्यक्षः चौधरी रिजक राम का क्वै चन चह था कि रेलवे फेयर में और बस फेयर में फर्क होन के कारण तो घाटा नही बढा है?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, ऐसी काई बात नही हैं। पहले जितनी सवारियां आती थी उतनी ही अब आ रही है।

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने बताया है कि डीजल, स्पेयर पार्टस तथा अन्य कुछ चीजो की कीमतें बढने के कारण घाटा हो रहा है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन चीजो की कीमत तो सारे ही डिपुओं में बढी है फिर केवल इन पांचो डिपुओं मे ही लौस का क्या कारण है?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, मैने पहले भी बताया है कि ये डिपो कौरनर मै पड़ते हैं। कुछ डिपो ऐसे हैं जिनके पास 250 किलोमीटर से ज्यादा के रुटस है। जैसे चण्डीगढ डिपो के पास आने जाने के 38 और 46 लम्बे रुटस है, गुड़गांव डिपो के पास 23,37 बडे रुटस हैं और अम्बाला डिपो के पास 12,36 बडे रुटस है। कैथल और जींद में 5,5 बड़े रुटस है और भिवानी में 13,14 बड़े रुटस है सोनीपत में एक भी बड़ा रुट नही है।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने जौस का कारण लिकेज बतान की कृपा करेंगे कि सरकार ने कोई प्लाइंग सुकैड या कोई और ऐजेन्सी बनाई है ताकि लिकेज आफ रैवेन्यू और डीजल तथा स्पेयर पार्टस की चारी को रोका जा सके?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, कुछ गड़बड़ तो हो ही जाती है वरना वहां पर जी0एम0 होता है और फलाइंग सुकैड भी होती है। चोरी रोकने के लिए विजिलैंस की भी मदद ली जाती

है। स्पीकर साहब, चोरी रोकने के लिए सरकार पमरी कोि ा ा कर रही है।

श्री देवी दासः मन्त्री महोदय ने अभी बताया कि सोनीपत डिपो मे घाटा इसलिए है कि वहां से कोई भी बस लम्बे रुट पर बाहर नही जाती है। इस घाटे को कम करने के लिए सरकार क्या पग उठा रही है?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, सोनीपत जी0टी0 रोड पर पडता है और वहां से अम्बाला, युमनानगर और करनाल डिपुओं की सभी बसे गुजरती है। इसलिए वि ोश आव यता नही है कि वहां से लम्बे रुटस पर बसें चलाई जाएं। फिर भी यदि आव यकता हुई तो कोि ा ा करेंगे कि बडें रुटस की बसे चलाई जाएं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने बताया है कि इन पांच डिपुओं से लम्बे रुटस की पर कोई गाडी नही जाती है इसलिए इन डिपुओं मे घाटा है। स्पीकर साहब, जीन्द, सोनीपत, कैथल, भिवानी और सिरसा जब से डिपो बने हैं तभी से इनमें छोटे रुटस हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन डिपुओं में भ्रुरु से ही घाटा है या फायदे में भी रहे है?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले ही बताया है कि ये डिपो 1978–79 से घाटे मे चल रहे है और इसका कारण यह है कि इनके मास काई बडे रुटस नही हैं। स्पीकर साहब, जैसे

रोहतक से एक बस हरिद्वार को जाती है अगर उसको भिवानी से कर दिया जाए, तो रोहतक का डिपो घाटे मे हो जाऐगा। इस तरह बात वहीं की वही रहती है।

Opening of Polytechnic Schools

***1944 Sh. Hira Nand Arya:** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal to open three polytechnic school at Loharu ; if so, the progress made so far in this connection?

ि ाक्षा राज्य मन्त्री (श्रीमति भाान्ति देवी): जी हां। प्र न नही उठता।

श्री हीरा नन्द आर्य: क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेगी कि यह बात ठीक है कि जिस वक्त चौधरी देवी लाल की सरकार थी उस लोहारु मे पौलिटैक्निक स्कूल मन्जूर हुआ था और जब चौधरी भजन लाल की सरकार आई तो उसके लिए इनकार कर दिया गया?

श्रीमती भाान्ति देवी: स्पीकर साहब, 29—11—1978 को राज्य सरकार द्वारा इस बारे में भारत सरकार को एक पत्र भेजा गया था जो 17—11—1980 को भारत सरकार से रद्द हो गया।

डा0 मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि जुलाई, 1979 से लेकर अब तक हरियाणा में कोई पौलिटैक्निक स्कूल खोला गया हैं?

श्रीमती भान्ति देवीः स्पीकर साहब, कही नही खोला गया है।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मन्त्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी की सरकार आने के बाद, हरियाणा मे पौलिटैक्निक स्कूल खोलने के लिये भरत सरकार से काई पत्र–व्यवहार किया गया है या नही, क्योकि ये स्कूल भारत सरकार की मन्जूरी के साथ खोले जा सकते है।

श्रीमती भान्ति देवीः स्पीकर साहब, मै आनरेबल मैम्बर को दूं कि इस बारे में काई पत्र–व्यवहार नही हुआ।

चौधरी हर स्वरुप बूराः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मन्त्री महोदया से यह पुछना चाहता हूं कि जैसा करनाल के अन्दर चौ0 भजन लाल जी ने यह कहा था कि हम एजुके ान जो जौब औरिएनटिड बनाना चाहते हैं। इस बात को देखते हुए क्या सैन्ट्रल गवर्नमैंट से पत्र–व्यवहार यिा जाएगा ताकि काई पौलिटैक्निक स्कूल खोला जा सके?

श्रीमती भान्ति देवीः स्पीकर साहब, अखिल भारतीय परिशद इस बात का डिसीजन करती है। वैसे हम आई0टी0आईज0

से ज्यादा से ज्यादा खोलने का प्रयास करेंगे। वैसे एक पौलिटैक्निक स्कूल खोलने क उपर कम से कम 2 करोड़ की रा ि ा खर्च होती है जो कि आजकल से समय मे सम्भव नही है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी डाक्टर मंगल सैन जी के सावल के जवाब में बहिन जी ने फरमाया है कि जुलाई, 1979 से लेकर इब तक काई नया पौलिटैक्निक स्कूल हरियाणा प्रदे ा मे नही खोला गया हैं। मै उन से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस बात की कमी महसूस नही करती कि हरियाणा प्रदे ा में और पौलिटैक्निक स्कूल खोलने की आव यकता है?

श्रीमती भाान्ति देवीः अध्यक्ष महोदय, इस प्र न का जवाब पहले दिया जा चुका है।

श्री अध्यक्षः मन्त्री महोदया, ने कह दिया है कि एक पौलिटैक्निक स्कूल खोलने पर 2 करोड़ रुपये लगते है।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इस साल की जरुरत हमने पहले महसूस की थी। जैसाकि अभी यहां पर बताया गया है कि पौलिटैक्निक स्कूल खोलने के लिए भारत सरकार की स्वीकृति लेनी अव यक होती है। भारत सरकार से हमारा केस रिजेक्ट होकर आ गया है। उसके बाद हमने यह फैसला किया कि हरियाणा में आई0टी0आईज0 और ज्यादा खाली जाएं क्याकि इन मै ट्रेनिंग देने से कुछ हद तक बेरोजगारी को दूर किया जा सकेगा। पिछले साल हमने तीन नये आई0टी0आईज0

खाले थे और अगले साज हम दो–तीन और खोलने का विचार रखते है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी मन्त्री महोदया ने यहबताया कि एक पौलिटेक्निक स्कूल खोलने पर 2 करोड़ रुपया लगता है। रोहतक के अन्दर एक छोटू राम पौलिटेक्निक स्कूल है, उसको टेक ओवर करने का मामला सरकार के विचाराधीन था। तो मै मन्त्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि दस बारे मे सरकार ने अब तक क्या किया है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं आनरेबल मैम्बर को यह बताना चाहता हूं कि प्राईवेट संस्थानों को टेक ओवर करने के लिये सरकार के कुछ नार्मज होते है। पहले उस संस्था की मैनतमैंट बाडी की तरफ से सरकार के पास प्रस्ताव आता है। जब तक वह प्रस्ताव सरकार के पास नही आता, तब तक सरकार के पास एक प्रस्ताव आता है। जब तक वह प्रस्ताव सरकार के पास नही आता, तब तक सरकार उस संस्था को टेक ओवर नही कर सकती। अगर आनरेबल मैम्बर इस तरह का प्रस्ताव वहां से हमें भिजवा दें तो उस पर हम सहानुभूति से विचार कर सकते है।

श्रीमती डा0 कमला वर्माः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदया से यह पूछना चाहती हूं कि अगर काई प्राईवेट संस्था, जैसा कि यमुना नगर में एम0एल0एन0 कालिज खुला हुआ है, इस तरह का पौलिटेक्निक स्कूल खोलना चाहे तो

सरकार ऐसी संस्थाओं को कोई फायनैंि ायल एड देने का विचार रखती है?

श्रीमती भाान्ति देवी: स्पीकर साहब, मेरी बहिन इसके लिये अलग से नोटिस दें तो बताया जा सकता है।

श्रीमती डा0 कमला वर्मा: स्पीकर साहब, मेरे प्र न का जवाब नही आया मैने यह पूछा था कि अगर कोई प्राईवेट संस्था पौलिटैक्निक स्कूल खोलना चाहे या खोला है तो उसके लिऐ सरकार की ग्रान्ट वगैरह देने की क्या निति है?

श्री अध्यक्ष: इस का जवाब मन्त्री महादया ने दे दिया है कि आनरेबल मैमब्र साहिबा इसके लिये अलग से नोटिस दे तो बता दिया जाएगा।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, अगर किसी सस्ंथा की हालत खस्ता है और वह संस्था सरकार को लिखती है कि हमारी हालत खस्ता है, हमें ग्रान्ट दी जाऐ तो सरकार द्वारा विचार किया जा सकता है।

श्री मूल चन्द मंगला: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मन्त्री महोदया से यह पूछना चाहता हूं जैसाकि उन्होन अभी बताया है कि एक पौलिटेक्निस स्कूल खोलने पर दो करोड़ रुपये का खर्चा आता है। अगर एम0एल0एज0 और मिनिस्टरों पर सरकार इतना खर्चा कर सकती है तो क्या गरीब लोगों को रोजगार देने के लिए 2 करोड़ की लागत से एक टैक्नीकल कालेज या स्कूल

नही खोला जा सकता जिससे कि लाखों लोगों को रोजगार मिल सकेगा? क्या सरकार इस पर दोबारा विचार करेगीं?

(इस प्र न का उतर नही दिया गया)

चौधरी हुकम सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मन्त्री महोदया ने अपने जवाब में कहा है कि लौहारु में भारत सरकार ने टेकनीकल स्कूल खोलने की इजाजत नही दी है जबकि दूसरे प्रान्तों में खोलने की इजाजत दे दी है। क्या भारत सरकार के इस बारे मे कोई नार्मज़ या भार्तें हैं, जिनके आधार पर इजाजत दी जाती है? मैं पूछना चाहता हूं कि इनका केस किन रीजन्ज़ पर रिजैक्त हुआ है।

(इस प्र न का उतर नही दिया गया)

श्री अध्यक्षः चौधरी हुकम सिंह जी का प्र न है कि भरत स्रकार ने हरियाणा का केस किन रीजन्ज पर रिजैक्ट किया है और दूसरे प्रान्तों में पौलिटेक्निकस खोलने की इजाजत किन भार्तो पर दी गयी हैं, इस बारे अगर सरकार जवाब देना चाहे तो दे सकती है।

श्रीमति भाान्ति देवीः स्पीकर साहब, इस प्रकार की जानकारी अगर हमारे आनरेबल विधायक जानना चाहते है जो

इसके लिये हमें अलग से नोटिस दें, तब दूसरे प्रान्तों का बता देंगें।

सिचाई तथा बिजली मन्त्री (सरदार तारा सिंह): स्पीकर साहब, अगर आप की इजाजत हो जो मैं इसका जवाब दे दूं क्योकि यह विभाग पहले मेरे पास हुआ करता था। हम बहुत इच्छुक थे कि हरियाणा में और पोलिटैक्निक सेंन्टर खोले जाएं लेकिन यह भारत सरकार का पालिसी मैटर है कि आबादी के लिहाज से पहले ही पोलिटैक्निक स्कुल ज्यादा हैं। इसी बिलाह पर हमारी जो एप्लीकेान थी, वह भारत सरकार द्वारा खारिज कर दी गयी।

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मन्त्री महोदया ने बताया कि भारत सरकार द्वारा लोहारु मे पोलिटैक्निक स्कूल खोलने की बात रिजैक्ट कर दी गयी है। जैसाकि अभी मुख्यमत्री महोदय ने बताया है कि हम ज्यादा से ज्यादा आई0टी0आईज0 हरियाणा में खोलने की कोि ा ा करेंगे क्या सरकार इस पर सहानुभूति से विचार करेगी कि वहां पर एक आई0टी0आई खोला जाए?

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदया से यह पूछना चाहता हूं कि अगर कोई प्राईवेट संस्था अपनी तरफ से पोलिटैक्निक स्कूल खोलना चाहे

जो उसकों सरकार कोई ग्रान्ट देगी और क्या इस बारे मे भी भारत सरकार से पूछना पड़ेगा।

श्रीमती भाान्ति देवीः इस काम के लिए भारत सरकार की मन्जूरी लेना तो जरुरी है ही। जहां तक ग्रान्ट का संबंध है अगर प्राईवेट संस्थाए सरकार का लिखेगी, तो विचार किया जा सकता है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार के नाटिस में यह बात है कि प्राइवेट इंस्टीच्यू ांज लड़को से दाखिले के नाम पर ऐड लेते है? क्या सरकार इस बात की तरफ ध्यान देगी ताकि आगे से ऐसा न हाने पायें?

श्रीमती भाान्ति देवीः स्पीकर साहब, पहले ऐसी कुछ ि ाकायतें सरकार के नोटिस में आई थी और पिछले साल हमनें इस बात की इंक्वायरी करवायीं थी। आपको मै आ वासन दिनाती हूं कि अब कीं पर एक पैसे की भी ऐसी कोई बात नहीं हो रही है और सारा काम–काज सुचारु रुप से चल रहा है।

10.00 बजें

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता कि लोहारु के पोलिटैक्निक के संबंध में भारत से आखिरी पत्र व्यवहार कब हुआ और उसको रिजैक्ट करने के क्या कारण थे? क्या सरकार उस पर पुनर्विचार करने के लिए भारत

सरकार को लिखेगी और अगर फिर भी न खुल सका तो वहां पर आई0टी0आई0 खोलेगें।

श्री अधयक्षः इस सवाल का जवाब तो पहले ही आ चुका है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर वहां पर आई0टी0आई0 खोलने की जरुरत हुई तो विचार कर लेंगे।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, जैसे मैने पहले बताया कि हमने इस बारे में बार–बार स्ट्रेस किया। मैं खुद दो–तीन जगहों पर खोलने के लिये इन्ट्रेस्टिड था। भारत सरकार ने कहा कि यह जौब औरिएंटिड स्कीम है और सारे हिन्दुस्तान में आबादी के हिसाब से ये खोलें जातें हैं। दूसरी बात यह है कि इसके लिये सैन्ट्रल गवर्नमैन्ट ग्रांट भी देती हैं।

Mr. Speaker: Is it 100 % finaced by the Central government or 50%?

Sardar Tara Singh: These are almost finaced by the Central Government.

श्री अध्यक्षः मैं अपनी तरफ से एक अपील करना चाहता हूं। हाउस मे दोनों साइड से सीनीयर मैम्बर्ज ज्यादा टाईम ले रहें हैं। कृपा करके थोड़ा बैक बैन्चर्ज भी स्प्लीमैंटरी पूछने का टाईम दें। दोनों साइड से अगर सीनियर मैम्बर्ज खड़े हो जाते हैं ता

मुझे बड़ा आकवर्ड लगता है कि मैं उनको काल अपौन करु। इसलिये थोड़ा से टाइम बैंक बैन्चर्ज को भी देना चाहिए।

Construction of Wwater tanks for drinking water in village Makroki Kanlan

***2057. Chaudhari Hari Chand Hooda:** Will the Minister5 for Food and Supplies be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construction water tanks for drinking purpose in village Makroli Kalan in district Rohtak; if so, the time by which these are likely to be completed?

Food and Supplies Minister (Sh. Lachhman Singh): Yes, In addition to village makroli Kalan in District Rohtak, we have sanctioned the scheme for another 4 village, namely, Ladhot, Barhamanwas, Bastpur and Dharmar.

मकरौली कलां की स्कीम अभी मन्जूर हुई है और एक लाख रुपया इसके लिये दे दिया गया है। पंचायत ज्यों ही जमीन दे देगी, काम भाुरु कर दिया जाएगा। अब हुड्डा साहब पर मुनस्सर करता है कि वे कितनी जल्दी जमीन दिलवाते है।

चौधरी हरि चन्द हुड्डाः स्पीकर साहब, जो जवाब हमारे सामने आया हैं उसमें लिखा है कि "..... No definite time can be given, asit depends upon the time to be taken for according administrative approval and allocation of funds by State

Sanitary board." अध्यक्ष महोदय, क्या सरदार लछमन सिंह जी बताएंगे * * * * * *

श्री अध्यक्षः जो बात हुड्डा साहब ने मिनिस्टर साहब के बारे में कही है, वह रिकार्ड न की जाए। मैं मैम्बर साहेबान से रिकवैस्ट करुगां कि मेन क्वै चन से संबंधित ही सम्लीमैंटरी पूछी जाए। The Hon Minister has given the latest information that is available with him.

चौधरी गंगा रामः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी के टाईम मे जिस गांव में कोई वाटर सप्लाई स्कीम बनाई जाती थी तो उस गांव से बैनिफिि ायरी भोयर नही लिया जाता था। लेकिन अब जिस भी गांव में कोई स्कीम बनाई जाती है तो यह सरकार गांव वालों से बैनिफिि ायरी भोयर लेती है जोकि 5–7 लाख रु0 होता हैं, जिसे गांव वाले दे नही सकतें। तो क्या सरकार का कोई विचार है कि पहले की तरह कोई भोयर न लिया जाए?

श्री लछमन सिंहः चौधरी देवी लाल के जमाने में तो थोड़ी सख्ती थी कि भोयर जरुर लिया जाए लेकिन अब जो किसी से भी नही लेते। मै हुड्डा साहब को बताना चाहता हूं कि हमने चार गांव और भी ऐड कर दिये हैं जिनमें ये इन्ट्रैस्टिड नही थें।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, जो जवाब हमारी टेबल पर आया है इसमे लिखा है कि कोई डैफिनिट टाइम नही

बताया जा सकता लेकिन दूसरी तरफ मन्त्री जी कह रहे हैं कि जब पंचायत वाले जमीन दे देंगे जो उस पर काम भ्रुरु करवा दिया जाएगा। तो मै जानना चाहता हूं कि दोनों जवाबों में से कौन सा जवाब सही है?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, यह जवाब पहले का आया हुआ हैं। इसी महीने की 10 तारीख को सैनेटरी बोर्ड की मीटिंग हुई थी उसमें यह स्कीम सैंक ान हो चुकी हैं। फंडज भी दियें जातें हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जहां पर पहले से वाटर सप्लाई स्कीम है, वहां पर पांच गैलन पानी प्रति दिन के हिसाब से मिलता हैं। उसकों दस गैलन करने के लिए पिछले तीन चार साल से सरकार जवाब दे रही है कि यह विचाराधीन है। जैसे बापोड़ा की स्कीम है, सरकार इसको कब जक दस गैलन कर देगी?

श्री अध्यक्षः भिवानी तो फार्वर्ड इलाका हैं, वहां पर तो पांच गैलन ही काफी है।

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, अब जो स्कीम बनाते हैं वह दस गैलन की ही बनातें हैं। जहां पर पहले पांच गैलन की स्कीम चल रही हैं, उसको दस गैलन की करना जो फंडज पर डिपैंड करता है। दूसरी बात यह है कि जहां बहुत बुरी हालत हो उन गांवो का हम पानी देने के लिये प्रायरिटी देते हैं। जैसे हुड्डा साहब के हल्के में चार गांव है उनकों हमने ले लिया है। इसी

तरह स्टेट में दूसरे गांव हैं जहां सलाइन वाटर है, हम उनको भी ले रहे है।

चौधरी जय नारायणः स्पीकर साहब, 1978–79 में रोहतक जिले के खदकु कलंगा और लालडी गांवो में वाटर स्पलाई की स्कीमें मन्जूर हुई थी लेकिन आज तक उन स्कीमों पर काम चालू नही हुआ, क्या बतायेगी कि इन स्कीमों पर कब तक काम चालू हो जायेगां?

(इस प्र न का उतर नही दिया गया)

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, इतफाक से चौधरी भजन लाल जी ने मेरे हल्के में वाटर सप्लाई स्कीमें चालू करने के लिए पत्थर रख दिये थें लेकिन इन पर अभी तक काम भ्रुरु नही हुआ है। बाई चांस एक ऐसा आदमी बीच में आ गया था जिसने कागज नही पढे और काम चालू नही किया। उसके आने से डिपार्टमैंट का सिस्टम बिगड़ गया जिसकी वहज से काम चालू नही किया। और भी कई किस्म की कमियां डिपार्टमैन्ट में आ गई है। क्या मन्त्री महोदय जी डिपार्टमैंट के सिस्टम को ठीक करने की कोि ा ा करेंगे और इन स्कीमों पर चालू करेंगें?

श्री लछमन सिंहः डिपार्टमैंट पहले भी ठीक था और अब भी ठीक है, इसके सिस्टम में कोई खराबी नही आई है।

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): स्पीकर साहब, यही (दलाल साहब) हैं जिन्होनें काम नही करने

दिया। (व्यवधान) यही हैं जिन्होनें लोगों को लास पहुंचाया है, सारी जिम्मेवारी इन्ही पर हैं।(व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय मकरौली कलां गांव मे और बेरी कांस्टीच्यूएंसी के आस पासके गांवों में दोरे पर गये थे और इनके साथ मैं भी था। हमने देखा कि दूर दूर से ओरतें सिर पर घड़े रख कर पानी ला रही थी। यह सब देखने के बाद इन्होने आ वासन दिया था कि इन जगहों पर वाटर सप्लाई की स्कीमें जल्दी से जल्दी चालू की जायेगीं। मन्त्री साहब ने यह भी देखा कि इन गावों मे खारा पानी है, पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। जहां जहां मन्त्री महोदय गये, क्या वहां वाटर सप्लाई की स्कीमें चालू करने का विचार है क्योकि सदियों से ओरतें सिर पर घड़े रख कर पानी ला रही है, जिससें लोगों को बहुत दिक्कत हैं।

श्री अध्यक्षः आपने कहा कि सदियों से घड़ें सिर पर रख कर औरतें पानी ला रही हैं। क्या आप समझते हैं कि 15 दिन के अन्दर मन्त्री साहब समस्या हल कर देंगें? बिल्कुल नही कर सकतें।

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, यह बिल्कुल ठीक है कि रोहतक डिस्ट्रिक्ट में पीने के पानी की बडी़ किल्लत है। जब जनता पार्टी की सरकार थी तो उस डेढ़ साल के अर्से में पानी स्कीमों के बारें में कुछ नही हुआ और न किसी स्कीम का पता

चला। अब हम इस कोि ा ा में लगे हैं कि जहां भी पानी की किल्लत हैं, उसको जल्दी से जल्दी दूर किया जाएगा। यह महकमा पहले श्री वीरेन्द्र सिंह के पास था, इन्होने स्कीमों का किसी कों पता नही लगने दिया।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, रोहतक जिले का सत्याना ा तो राठी साहब ने किया है।

चौधरी मेहर सिंह राठीः ना ा तो तुमने किया हैं, मैने तो डेढ साल में 15 गांवों में वाटर सप्लाई की स्कीमें भ्ाुरु की है।

चौधरी जय नारायणः ये स्कीमें तो रोहतक जिले के बहादुरगढ़ एरिये के अन्दर भ्ाुरु हुई हैं, इनके इलावा किसी दूसरी जगह भ्ाुरु नही हुई है।

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज आर्डर।

श्री गुलजार सिंहः क्या मन्त्री जी के नोटिस में यह बात है कि जा स्कीमें पहले कम्पलीट हो गई हैं, उनमें पानी की सप्लाई बहुत कमती है, जहां 5 गैलन पाली की जरूरत है वहां 1 गेलन पानी सप्लाई कम है, क्या सरकार उनकी केपैस्टी बढाने के लिए विचार करेगी? कई कस्बे ऐसे है जिनकी आबादी 15 से ज्यादा है लेकिन पानी एक गैलन सप्लाई होता है। ऐसी हालात में क्या सरकार पानी ही केपैस्टी बढायेगी?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, मैं पहले ही अर्ज कर चुका हूं कि वाटर सप्लाई का काम अवेलेबिलिटी आफ फण्डज पर डिपैंड करता है। हिसार, रोहतक और अम्बाला कई ऐसी जगहें है जहां पानी की किल्ल्त है। वाटर सप्लाई स्कीमज़ का आगमेंटे ान तो हम कर दें लेकिन हमारे पास पर्याप्त फण्डज़ नही हैं। पिछले साल इन स्कीमों के लिए 225 करोड़ रूपया रखा था लेकिन इस बजट में 300 करोड़ रूपये हो जाऐगा और जब हमारे पास पैसा आ जायेगां, तब काम कर लेंगें।

Mr. Speaker: I have to make one observation about the public health schemes. पिछले दिनों मैने कुछ देहात और भाहरो का टूर किया था। जहां जहां वाटर सप्लाई स्कीमज़ हैं, मैने किसी जगह पर भी सैटिस्फैक्टरी सप्लाई नही देखी। टूटियां खराब है और पानी की वेस्टेज होती हैं whichis a criminal waste, तो मैं मन्त्री महोदय से कहूगां कि टूटियां अच्छी क्वालिटी की लगाएं ताकि पानी की वेस्टेज़ न हो सके।

श्री लछमन सिंहः अगर हम हाथ से प्रैस करने की टूटियां लगायें जो लोग कहते है कि दबाते समय हाथ थक जाते है और अगर दूसरी किस्म की टूंटियां लगा दी जायें तो गांव के लोग तोड़ देतें हैं। स्पीकर साहब, आप देखें, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंट इन टूटियां की निगरानी कैसे कर सकता हैं? आप इन भाईयों को भी समझायें कि वे टूटियों को न तोडा़ करें।

श्री अध्यक्षः मुझे ऐसा मालूम हो रहा है कि चौधरी लाल सिंह जी कुछ कहना चाहतें हैं।

श्रम उप मन्त्री(चौधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, आपकी मेहरबानी, आपने मुझे टाईम दिया। पानी का ऐसा मसला हैं जिसके बगैर इन्सान जिन्दा नही रह सकता। जो लोग हरियाणा में बसतें हैं, उनको सरकार पानी देना चाहती है और हर एक गांव का सर्वे किया जा रहा है। स्पीकर साहब, हरियाणा में दो किस्म के गांव हैं– प्रोब्लम विलेजिज और नानप्रोब्लम विलेजिज हैं, जो प्रोब्लम विलेजिज है, उनको सरकार जल्दी पानी देने की कोि ा ा कर रही है। अब रहा टूटियों का सवाल। स्पीकर साहब, टूटियां डिपार्टमैंट लगाता है लेकिन गांव के कुछ लोग या तो टूटियां तोड़ देते है या उतार लेते हैं। इस प्रोब्लम को दूर करने के लिए हमने स्कीम बनाई है कि गांवो में जो डिपार्टमैंट के कर्मचारी टूटियां लगाने के लिए जाते है, वे टूंटि लगाकर, पानी चालू करवा कर गांव के सरपंच या किसी जिम्मेदार आदमी के दस्तखत करवा लेतें है ताकि वह टूंटि की देखभाल कर सके। हमने गांव वालों को हिदायत जारी कर दी है कि अगर कोई टूंटि खराब हो जाए तो वें उस खराब टूंटि को स्टोर में जमा करवा दें और नई लगवा लें। टूटियों के मसले का पूरा इन्तजाम हो रहा हैं।

श्री अध्यक्षः जब चौधरी लाल सिंह जी की तरफ से इतनी डिटेल में जवाब आ गया हैं तो और सप्लीमैंटरींज की कोई गुंजाई ा नही है।

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मै सप्लीमैंटरी नही पूछना चाहती मैं तो एक और बात कहना चाहती हूं। चौधरी लाल सिंह जी कल से प्रोब्लम और नानप्रोब्लम की बात कर रहें है। मैं मुख्य मन्त्री जी से यह पूछना चाहती हूं कि लाल सिंह जी स्वयं प्रोब्लम कें आतें है या नौनप्रोब्लम मे आतें है।

चौधरी लाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं सुशमा जी के बारे में कुछ कहना नही चाहता था क्योकिं मै इनकी इज्जत करता हूं लेकिन अब चूंकि इन्होने स्वयं बात भाुरू की है इसलिए मैं हाअस को बताना चाहता हूं कि जिस कांस्टीच्यूएंसी से ये चुन कर यहां आई है जब भी मै वहां जाता हूं, यें वहां कभी नही मिलती।

Metalled Roads in Barwala And Adampur Constituencies.

***2068. Shri Jai Narain Verma:** Will the Minister for Public Works be pleased to state-

(a) the metalled roads in kilometers constructed in Barwala and adampur constituencies of district Hisar during the period from August, 1979 to date ; and

(b) whether a link road from village Banbhori to Kapro in Barwala area has been sanctioned; if so, the time by

which the construction work on the said road is likely to be started and completed?

लोक निर्माण मन्त्री (कंवर राम पाल सिंह)

(क)	(i) बरवाला	9.5 किलोमीटर (फरवरी,1981 तक)
	(ii) आदमपुर	66.47 किलोमीटर (फरवरी, 1981 तक)

Shri Verender Singh: Sir, the total money of the State has been spent in adampur Constituency.

कंवर राम पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि ये सवाल का जवाब सुनने मे इंट्रैस्टिड नही हैं। इनको चाहिए कि ये सवाल का पूरा जवाब मुझे देने दें उसके बाद जिस प्वायंट को ये क्लेरिफाई करवाना चाहते हो उसे सप्लीमैटरीज के द्वारा क्लेरिफाई कर लें।

श्री अध्यक्षः आप पूरा जवाब सुन लीजिए।

कंवर राम पाल सिंहः स्पीकर साहब, पार्ट (बी) का जवाब इस प्रकार है – हां इस स्टेज पर यह बताना कठिन है कि किस समय तक यह सड़क मुकम्मल हो जाएगीं।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह था कि अगस्त, 1979 से लेकर अब तक बरवाला हल्के मे कितनी

सड़के बनी और आदमपुर हल्के में कितनी सड़के बनी। इन्होने जवाब दिया है कि–

श्री अध्यक्ष : जवाब सबने सुन लिया है। आप प्र न पूछें।

श्री जय नारायण वर्मा: अध्यक्ष महोदय, इन्हाने बताया है कि बरवाला हल्के में 9.5 किलामीटर सडकें बनी है लेकिन मुझे संदेह है कि ये आकडें गलत है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि वहां कौन सी सड़के बनाई गई हैं? इसके अलावा अध्यक्ष महादय, पार्ट (बी) के जवाब मे इन्होने बताया कि बनभोरी से कापडू सडक मंजूर तो हो चुकी है परन्तु इसको बनाने का टाईम बताना कठिन है। क्या मन्त्री महोदय बताएगे कि यह सड़क कब मंजूर हुई थी और उसकी मंजूरी होने के बाद से लेकर आज तक यह कितनी बनाई गई है?

श्री अध्यक्ष: ये साढे नौ किलामीटर सड़को का ब्योरा मांगते हैं।

कंवर राम पाल सिंह: स्पीकर साहब, डिटेल जो इस वक्त मेरे पास नही है। अगर मैम्बर साहब चाहेंगे तो बाद में दे दी जाएगी। इन्होने तो सवाल मे यही पूछा था कि बरवाला और आदमपुर हल्कों में कितनी लैंथ की सड़के बनी है, वह मैने बता दिया हैं।

श्री अध्यक्षः इसका ब्यौरा आप मैम्बर साहब को कृप्या दस दिन के अन्दर अन्दर भिजवा दें।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, ये सड़के बनी ही नही है।

श्री अध्यक्षः मैने उन्हे कह दिया है कि यें साढे नौ किलोमीटर सड़के कहां बनी हैं, इसकी डिटेल डिपार्टमैंट दस दिन के अन्दर आपको प्रोवाईड कर दें।

श्री जय नारायण वर्माः धन्यवाद। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मेरे प्र न के पार्ट (बी) का जवाब भी इन्होने नही दिया हैं।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, कंवर राम पाल जी जब जवाब पढ ही रहे थे तो कुछ माननीय सदस्यों ने आपति उठाई कि आदमपुर मे तो 66ण्47 किलोमीटर सड़के बन गई लेकिन बरवाला में कमवल 9.5 किलामीटर सड़के बनी हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने फैसला किया है कि 31 मार्च, 1981 तक हरियाणा प्रान्त के हर गांव को पक्की सड़क से मिला दिया जाएगाा। जिस हल्के में पहले कम सड़के बनी थीं उसमें कुदरती तौर पर ज्यादा सड़के बननी थी। बरवाला हल्के के तकरीबन सारे गांव सड़कों से मिलें हुए हैं इसलिए वहां कम सड़के बनीं और आदमपुर में ज्यादा सड़के बनीं क्योंकि वहां पहले गांव छुटें हुए थें। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कालका हल्के में एक साल में 60

किलोमीटर सड़के बनी हैं। ऐसा नही है कि आदमपुर में जानबुझ कर सड़के ज्यादा बनाई गई हों और किसी दुसरे हल्के के साथ भेदभाव की नीति बरती गई हों। दूसरीं बात अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह कही कि ये सड़के कोन से गांव में बनी हैं और बाकी की सड़कें कब तक बन जाऐगीं। इसके बारे में अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले कहा कि आज से पूरे बारह दिन के बाद दे ा में हरियाणा प्रान्त पहला प्रान्त होगाा जिसमें कोई गांव ऐसा नही होगा जो पक्की सड़क से नही मिला हुआ नही होगा। (ट्रैजरी बैंचिग से प्र ांसा) इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, इनकों मैं यह भी बता देना चाहता हूं कि श्री भागी राम जी लोक दल के एम0एल0ए0 हैं और इनके हल्के मे 59.97 किलोमीटर सड़कें बनी है।

कामरेड भांकर लाल : स्पीकर साहब, रसूलपुर खेड़ी सड़क को मन्जूर हुए जकरीबन बारह महीने हो गए हैं। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उस पर आज तक काम क्यों भूरू नही हुआ?

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया कि 31 मार्च, 1981 तक क्योकि हर गांव को सड़क से जोड़ना जरूरी था इसलिए आदमपुर के हल्के मे 66.47 किलोमीटर सडके बनी और दूसरी जगह कम सड़कें बनी। लेकिन क्या वे बताएंगे कि इनमें डबल लिंक रोड़ज कितनी हैं और सिंगल लिंक रोड़ज कितनी हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अभी सदन को बताया कि श्री भागी राम जी के हल्के में भी लगभग 60 किलोमीटर सड़के बनी हैं। अध्यक्ष महोदय, हो सकता है कि कहीं डबल लिंक भी बना हो क्योंकि कई जगह मिसिंग लिंक्स थें। उदाहरण के तौर पर मैं आपको बताऊं कि बालसमंद से आदमपुर आने के लिए 45 मील का सफर तय करना पड़ता था लेकिन अब नई सड़क बनने से 20 किलोमीटर का फासला ही रह गया है। इसी तरह से बालसमंद और भी ावाल की सड़क बनने से 20 किलोमीटर का फासला कम हो गया है जबकि पहले रोड़ से यह फासला ज्यादा थ। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हो सकता है ऐसी डबल लिंक सड़के भी बनी हों वरना ज्यादातर सिंगल लिंक सड़के ही बनी हैं।

Shri Baldev Tayal: Speaker Sahib, my question remains unreplied. My question was, as to how many kilometers of single and double roads have been constructed in Adampur constituency? If the Chief Minister dares to give reply.....

Mr. Speaker: Reply has already been given by the Chief Minister.

Shri Baldev Tayal: Speaker Sir. my submission is that 90 percent of the roads are double link roads.

Mr. Speaker: Details are not with him.

श्री रघुनाथ गोयलः स्पीकर साहब, कैथल हल्कें में गियूंग नाम की एक सड़क हैं। वह मजूंर है और चौधरी देवी लाल जी के वक्त में अस पर मिट्टी भी पडी थी लेकिन अब वह मिट्टी बह गई है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि वह कब तक बनेगीं?

Kanwar Ram Pal singh: Separate notice is required.

Mr. Speaker: Hon. Members, Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज़ पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Bus Depot at Jhajjar

***1974. Chaudhri Ude Singh Dalal:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to convert the Jhajjar Sub-Depot of the Haryana Roadways into a full-fledged Bus-Depot?

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ): जी नही।

'Mrit Sanjivni Sura'

***2015. Chaudhari Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) the total number of licences issued/renewed by the Excise and Taxation Department for the munufacturing/sale of 'Mrit Sanjivni Sura' after 12th July, 1980 to-date, togetherwith the names and addresses of the licensees, separately;

(b) the total number of licences of 'Mirt Sanjivni Sura' cancelled and refused renewal after 12th July, 1980 togetherwith the names and addresses of applicants/licensees, sep9arately and

(C) whether there is any proposal under consideration of the Governement to impose total ban on the nanufacturing/sale of 'Mirt Sanjivni Sura' in the State; if not, the reason therefor?

आबकारी तथा काराधान मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) ''मृत संजीवनी सुरा'' बनाने/बेचने का कोई नया लाईसैंस 12 जुलाई, 1981 के बाद नही दिया गया है। इस तिथी के बाद नवीनकरण किए गए पुराने लाईसैंसों के बारे में विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

(ख) कोई नही।

(ग) जी नही। इस वित्त वर्श के आरम्भ में दो लाईसैंस को ''मृत संजीवनी सुरा'' बनाने से रोका गया था। उनमें से एक ने कथित आदे ा को सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दी और उस आदे ा के विरूद्व ''स्टे'' प्राप्त कर लिया। यह मामला अभी तक सुप्रीम

कोर्ट में लम्बित हैं। मामले के ''सब–जुडिस'' होने की स्थिति में सरकार ''मृत संजीवनी सुरा'' के उत्पादन या बिक्री को बन्द करने के लिए किसी कार्यवाही पर विचार नही कर रही हैं।

विवरण

12 जुलाई, 1980 के बाद ''मृत संजीवनी सुरा'' बनाने/बेचने के लिए नवीनकरण किए गए पुराने लाईसैंसों के बारे में:–

क्रमांक	लाईसेंसी का नाम तथा पता
1.	मैसर्ज दिल्ली फार्मेसी, करनाल।
2.	मैसर्ज अत्रैय फर्मास्यूटिकल, चमन बाग, करनाल।
3.	मैसर्ज संजीवनी रिसर्च लैबोरेटरीज, गोहाना।
4.	मैसर्ज विसको फर्मा, सब्जी मण्डी रोड, सोनीपत।
5.	मैसर्ज वी. के. आयुर्वैदिक फार्मेसी, माडल कालोनी, यमुनानगर।
6.	मैसर्ज भाक्ति फार्मेसी, गांव व डाक फरल (कुरूक्षेत्र)।
7.	मैसर्ज अ ाोका आयुर्वेदिक फार्मेसी, निसिंग (करनाल)

8.	मैसर्ज डाबर (डा. एस.के.वर्मन) प्राईवेट लि0 फरीदाबाद।
9.	वैद्य सत्य प्रका ा मै0 कामधान आयुर्वेदिक फार्मैसी, सोनीपत।
10.	श्री खजान सिंह महता मै0 गेवर्ट कैमीकल रिसर्च लैबोरेटरिज़, करनाल
11.	प्रोप्राईटर चावला फार्मेसी, करनाल।
12.	मैसर्ज आन्नद फार्मेसी, गन्नौर।

Construction of Bridge

***1993. Chaudhri Jagdish Kumar Baniwal:** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state whether the construction of bridge at Sahuwal-II on the Ban Mandori Minor Near RD 47,000 or 48,000 in district Sirsa has been started ; if not, the reasons therfor?

Irrigation & Power Minsiter (Sardar Tara Singh): The work has not yet started.

Thetenders for this work were called but the constractor did not take upe the work. Tenders have been recalled. The work is likely to be completed by 6/81.

Marketing Mandis in the State

***1997. Swami Adityavesh:** Will theMinister for Agriculture be pleased to state the constituency wise number of Agricultureal Produce Marketing Mandis constructed in the State during the years 1979-80 and 1980-81 todate, separately?

कृशि मंत्री (श्री भाम ोर सिंह): वर्श 1979–80 तथा 1980–81 में जहां पर मण्डियों का निर्माण कार्य चलाया गया हैं, के सम्बन्ध विवरण निर्वाचन क्षैत्रवार सदन के पटल पर रखे जातें हैं।

विवरण – 1

निर्वाचन मण्डियां जहा वर्श 1979–80 में निर्माण कार्य चलाया गया हैं।

नई मण्डियां

कमांक	जिला	निर्वाचन क्षैत्र	मण्डियों की संख्या
1	2	3	4
1	अम्बाला	कालका	1
2	अम्बाला	नारायणगढ	1
3	अम्बाला	छछरौली	1

4	करनाल	इन्द्री	1
5	करनाल	असन्ध	1
6	करनाल	असन्ध	1
7	सोनीपत	राई	1
8	रोहतक	रोहतक	1
9	रोहतक	कलानौर	1
10	हिसार	बरवाला	1
11	हिसार	नारनोंद	1
12	सिरसा	ऐलनाबाद	1
13	फरीदाबाद	हसनपुर	1
		जोड़	13

वर्तमान मण्डियां

क्रमांक	जिला	निर्वाचन क्षैत्र	मण्डियों की संख्या
1	अम्बाला	छछरौली	1

		रादौर	1
2	भिवानी	तो ाम	1
		चरखी दादरी	1
3	फरीदाबाद	पलवल	1
		हसनपुर	1
		बल्लबगढ़	1
4	गुड़गांवा	गुड़गांवा	1
		पटौदी	1
		सोहना	1
5	हिसार	हिसार	1
		आदमपुर	1
		टोहाना	1
		रतिया	1
		टोहाना	1
6	जीन्द	जुलाना	1

		सफीदों	1
7	करनाल	पानीपत	1
		समालखा	1
		नोलथा	1
8	कुरूक्षैत्र	पेहवा	1
		कैथल	1
		पुण्डरी	1
		गुहला	1
		पुण्डरी	1
9	सोनीपत	सोनीपत	1
		गन्नोर	1
10	सिरसा	दरबाकलां	1
		सिरसा	1
		डबवाली	1
		जोड़	30

		कुल जोड़	43

विवरण – 2

निर्वाचन मण्डियां जहां वर्श 1980–81 में निर्माण कार्य चलाया गया है

नई मण्डियां

क्रमांक	जिला	निर्वाचन क्षैत्र	मण्डियों की संख्या
1	2	3	4
1	अम्बाला	मुलाना	1
2	करनाल	घरौडां	1
3	कुरूक्षैत्र	भााहबाद	1
4	सिरसा	दरबाकलां	1
5	फरीदाबाद	बल्लभगढ	1
		जोड़	5

वर्तमान मण्डियां

क्रमांक	जिला	निर्वाचन क्षैत्र	मण्डियों की संख्या
1	अम्बाला	अम्बाला भाहर	1
2	फरीदाबाद	बल्लभगढ	1
		पलवल	1
		हसनपुर	1
3	गुड़गांवा	गुड़गांवा	1
		पटोदी	1
		सोहना	1
4	हिसार	जाखल	1
		टोहाना	1
		हिसार	1
		आदमपुर	1
		फतेहाबाद	1
		रतिया	1
5	जीन्द	कलायत	1

6	करनाल	पानीपत	1
		नौलथा	1
		समालखा	1
		जुडंला	1
7	कुरूक्षैत्र	पेहवा	1
		कैथल	1
		पुन्डरी	1
		गुलहा	1
8	सिरसा	डबवाली	1
		रोडी	1
		सिरसा	1
9	महेन्द्रगढ	रिवाड़ी	1
		जोड़	26
		कुल जोड़	31

Complaints of irregularity in the allotment of plots of HUDA at Faridabad.

***2006. Shri Mool Chand Mangla:** Will the Minister for Finance be pleased to state-

(a) whether any complaints have recently been received by the Government regarding the irregularity committed in the allotement of plots belonging to HUDA AT Faridabad; and

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative the names and addresses of the persons who have given the representation togetherwith action so far taken thereon?

वित मन्त्री (चौधरी खुर ीद अहमद):

(क) नही।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

iring and Lathi charge in the State

***2086. Smt. Dr. Kamla Verma:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the number of places where the police resorted to firing and made lathi charge from January, 1980 to Januar, 1981 in the State; and

(b) the district-wise number of persons who died and were injured by the said firing and lathi charge, separatly?

गृह मन्त्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल):

(क)	(1) गोली चलाई	––	12 स्थानों पर
	(2) लाठी चलाई	––	2 स्थानों पर

(ख) 12 स्थानों पर जहां पुलिस ने गोली चलाई, 4 व्यक्ति मारे गये तथा 32 घायल हुए। उन 2 स्थानों पर जहां पुलिस ने लाठी चलाई, कोई आदमी नही मारा गया और 27 व्यक्ति घायल हुए। जिलानुसार ब्यौरा निचे दिया जाता हैं:–

जिला	जितने स्थानों पर गोली चलाई गई	जितने आदमी मारे गये	जख्मी हुये	जितने स्थानों पर लाठी चलाई गई	जितने आदमी मारे गये	जख्मी हुये
कुरूक्षैत्र	1	1	–	1	–	8
करनाल	3	1	–	–	–	–
सिरसा	3	1	24	–	–	–

हिसार	—	—	—	1	—	19
गुड़गांवा	2	—	7	—	—	—
फरीदाबाद	1	1	1	—	—	—
सोनीपत	2	—	—	—	—	—
जोड़	12	4	32	2	—	27

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

T.A. drawn by the officers in Election Department

464. Sh. Mool chand Jain: Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state the total amount of travelling expenses (T.A.) charged by various officers in Election Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 (up-to date)?

विकास मन्त्री (राव दलीप सिंह): वाछित सूचना निम्नप्रकार हैं:—

1979—80	1981—81
8729—15 रूपये	7162—50 रूपये

T.A. Drawn by officers in Rehabilitation Department

465. Sh. Mool Chand Jain: Will the Minister for Revenue be pleased to state the total amount of travelling expenses (T.A.) charged by various officers in Consolidation and Rehabilitation Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 (upto-date)?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह): चकबन्दी एवं पुनर्वास विभाग के विभिन्न अधिकारियों द्वारा सरकारी दौरे पर वर्श 1979–80 तथा 1980–81 (अब तक) के दौरान यात्रा भत्ता (टी.ए.) के रूप में चार्ज की गई कुल रा ि ा निम्नलिखित हैं:–

	1979–80	1980–81
	रूपये	रूपये
चकबन्दी विभाग	32,744	56,260
पुनर्वास विभाग	19,352	22,275

T.A. drawn by the officers in Architecture Department

466. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Public Works be pleased to state the total amount of travelling expenses (T.A.) charged by various officers in Architecture Department on account of official tour during the year 1979-80 and 1980-81 (upto date)?

लोक निर्माण मन्त्री (कंवर राम पाल सिंह): वास्तुकलां विभाग के विभिन्न अधिकारीयों द्वारा वर्श 1979–80 तथा 1980–81 मे सरकारी दौरे के लिये यात्रा भता की कुल रा ि ा निम्नप्रकार है:–

वर्श	रूपयें
1979–80	15,256.60
1980–81 (28–2–81 तक)	11,364.30

T.A. drawn by the officers in Jails Department

467. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Jails and Dairy Development be pleased to state the total amount of travenlling expenses (T.A.) charged b various officers in Jails Department on account of official tours during the year 1979-80 and 1980-81 (upto date)?

जेल तथा डेरी विकास मन्त्री (चौधरी ि ाव राम वर्मा): वर्श 1979–80 में 24,218 रूपये तथा वर्श 1980–81 में 30,970 रूपये 60 पैसें।

House Rent Allowance drawn by the Chairman of Haryana Agro Industries Corporation.

473. Dr. Mangal Sein: Will the Minister for Agricultrue be pleased to state-

(a) whether the present Chairman of Haryana Agro Industries Corporation is Drawing House Rent allowance every month;

(b) if the reply to part (a) above be in affirmative the amount of said allowance being drawn per month together with the date since when it is being drawn; and

(c) the residential address of the Chairman referred to above together with the date since when he is residing there?

कृशि मन्त्री (श्री भाम ोर सिंह):

(क) तथा (ख) हरियाणा एग्रो इन्डस्ट्रीज कार्पोरे ान के चेयरमैन ने मकान किराया नही लिया है लेकिन दिनांक 12—9—79 जब से उन्होनें निगम के अध्यक्ष का कार्यभार सम्भाला है तब से 500 रूपये प्रतिमास की दर से रिहाय ी भता जो कि उन्हे देय है, जे रहे हैं।

(ग) निगम के अध्यक्ष, जब भी चण्डीगढ में होते हैं तो वे विधायक आवास में निवास करते हैं।

श्री अध्यक्ष: अब श्री हीरा नन्द आर्य अ योरेन्सिज़ कमेटी की रिर्पोट पे ा करेंगें।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, चण्डीगढ में। * * * * * *

श्री अध्यक्षः भांकर लाल जी जो कुछ बोल रहे है, वह रिकार्ड न किया जायें।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(i) स्थानीय भाासन मन्त्री (श्री मागें राम गुप्ता) द्वारा स्थानीय भाासन मन्त्री (श्री मागें राम गुप्ता): स्पीकर साहब, मैं कुछ अरज करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप किस विश्य पर बोलना चाहते हैं?

श्री मांगे राम गुप्ताः मै पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। मैं थोड़ा सा टाईम लूंगां कल हाउस मे जीन्दके बारे में एक बात कही गई और उसमें मेरा भी जिक हुआ। मेरी कोस्टीच्यूएंसी जीन्द है। स्पीकर साहब, हरियाणा में एक कहावत हैं कि किसी तेली ने जाट को कहा कि जाट रे जाट तेरे सिर पर खाट। जब जाट ने यह बात सुनी तो उसने भी तेली रे तेली सिर पर कोहलू। तेली कहने लगा भाई यह बात तो फिट नही बैठीं जाट ने कहा अगर फिट नही बैठी तो बोझ से तो मरेगां। यहां भी ऐसा ही हाल हो रहा हैं। यहां हाउस मे खड़े होकर कुछ भी कह दिया जाता हैं। आदरणीय मंगल सैन जी ने एक बात कही कि

जीन्द की फर्म का फार्वर्ड ट्रेनिंग कस बिजनैस करती ळें। जहां तक जीन्द की फर्म का संबंध है, वह रजिस्ट्रर्ड फर्म हैं, उसके पास लाईसैंस हैं। इसी प्रकार से राजकोट में, दिल्ली में, पंजाब में अमृतसर,धुरी, लुधियाणा और राजस्थान में हनुमानगढ़ में यह काम चलता हैं। हरियाणा में हिसार, जीन्द और रोहतक में चलता हैं। जहां से मंगल सैन जी चुन कर आये हैं, वहां भी चलता हैं। उचाना और कैथल में भी चलता था लेकिल अब बंद हो गया हैं।

स्पीकर साहब, मैं विरोधी पक्ष के नेता श्री मूलचन्द जैन जी और जनता पार्टी के नेता श्री बलदेव तायल जी को अपनी तरफ से अधिकार देता हूं कि वे बे ाक इन्कवायरी करायें। अगर यह बात साबित हो जाये कि इस फर्म ने एक कार और तीन लाख रूपया किसी मन्त्री को भेंट किया हैं तो मैं मन्त्रीमंडल से ही नही बल्कि मैम्बरि ाप से भी अस्तीफा दे दूंगा। इन भाईयों को तकलीफ यह हैं कि जब से मैं रूलिग पार्टी में आया हूं तब से इनकी आमदनी बन्द हो गई। 25 साल से वह कम्पनी रन कर रही है। लेकिन एक साल से जब से मैं रूलिंग पार्टी में आया हूं जब से पहले चौधरी देवी लाल के आदमी और फिर डा0 मंगल सैन के आदमी इस फर्म पर नाजायज दबाव डाल कर पैसे लेते रहे। मेरे रूलिंग पार्टी में आने के प चात उन लोगों को पैसा मिलना बंद हो गया। इसी कारण से झूठे एलीगे ान लगाये जा रहे हैं।

(ii) डा0 मंगल सैन द्वारा

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब मैं भी पर्सनल एक ाप्लेने ान देना चाहता हूं। इन्होने सदन मे कहा कि जहां से मैं आया हूं वहां पर भी सट्टा चलता हैं। रोहतक में चलता हो या किसी और जगह चलता हो तो वह गलत हैं। वह जुर्म है, वह कानूनन बन्द होना चाहिए। सरकार उसके बारें में एक ान क्यों नहीं लेती? एक ान लेना चाहिए रोहतक और जीन्द में भी बंद होना चाहिए। कहीं भी चलता हैं, वह बन्द होना चाहिए। इन्होने कल कहा कि हमने चिट्ठी लिखी हुई है, उसका जवाब आयेगा तो फिर देखेंगे। मेरा कहना यह हैं कि जो हमारे पर इल्जा जगा है, वह सरासर गलत हैं।

(iii) श्री रघुनाथ गोयल द्वारा

श्री रघुनाथ गोयलः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं कि मेरे हल्के कैथल में सट्टा नही चलता बल्कि कैथल के लिए मांगे राम जी ने कहलवा कर भेजा था कि सट्टा चालू कर दो।

(iv) चौधरी बीरेन्द्र सिंह द्वारा

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चूंकि यहां पर उचाना का नाम लिया गया हैं। इसलिए मैं भी पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। हमारे एक साथी ने तीन–चार

जगहोंका नाम लिया हैं कि वहां सट्टा चलता हैं। उचाना का भी उन्होने नाम लिया। अगर वहां चलता है तो बन्द होना चहिए। मैं दावे से कहता हूं कि जीन्द के बारे में यह कहना कि वह रजिस्टर्ड फर्म है गलत हैं। वह नाजायज हैं, इल्लीगल हैं।

गृह मन्त्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल): मैं हाउस को वि वास दिलाना चाहता हूं कि जहां पर भ इल्लीगल सट्टा होगा वहां हम रेड करायेंगें। जो भी इल्लीगल काम करेगा, उसको चैक करेंगे और गिरफंतार करेंगें।

वि ोशाधिकार प्र न–

प्रैस में गल्त रिर्पोटिंग संबंधी

डा0 मंगल सैन: मैने आज एक प्रिविलिज मो ान दिया हैं और यह मामला बड़ा सीरियस हैं। प्रैस ने हाउस के बिजनैस की ट्रांजैक ान के ऊपर रिफलैक ान किया हैं। कल मैने जो उशा भार्मा के बारे में प्रिविलिज मो ान दी थी कि उसने मुझे टैलीफोन किया है।

Mr. Speaker: I have received your second privilege motion and i will take immediate action on it.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैने अपनी दूसरी प्रिविलिज मो ान में प्रैस के खिलाफ लिखा है कि प्रैस ने रिर्पोटिंग गलत की हैं।

Mr. Speaker: I will take immediate action on your motion.

श्री कंवल सिंहः मांगे राम गुप्ता जी ने अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान में कहा है कि जा आरोप डा0 मंगल सैन जी ने लगाये हैं उसकी इन्कवायरी बाबू मूलचन्द जैन और बलदेव तायल जी की कमेटी को रैफर कर दिया जाना चहिए।

Mr. Speaker: Please do not refer to any allegations and counter allegations madce in the House.

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, इन्होनें औफर किया हैं।

Mr. Speaker: No allegations and counter-allegations can be levelled against anybody in the House. Unless anything is given to me in writing, I will not take any action.

किसानों द्वारा चलाए जा रहे आन्दोलन सम्बन्धी मामला उठाना

कामरेड भांकर लालः अध्यक्ष महोदय, आज 200 के करीब गरीब किसान बाहर खड़े है।

श्री अध्यक्षः आप किस विशय पर बोलना चाहते हैं।

कामरेड भांकर लालः अध्यक्ष महोदय, आज लगभग 200 किसान चण्डीगढ़ में आए हुए है और वे अपना आन्दोलन कर रहे है। ये किसान 2 महिने से अपना भाान्तिपर्ण आन्दोलन चला रहे हैं लेकिन सरकार उनकी मांगो की तरफ ध्यान नही दे रही हैं। इस प्रकार के आन्दोलन लोहारू और दूसरी जगहों पर भी चल रहे हैं। मैं आपके द्वारा मुख्यमन्त्री जी से कहना चाहता हूं कि व उनसे बात करें और जायज मांगे मानें।

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं कि मुख्यमन्त्री जी उनसे जरूर मिलेंगे और उनकी बात सुनेगें।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): यदि उनका भाान्तिपर्ण आन्दोलन है तो हम उनकी बात जरूर सुनेंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं भी कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप किस विशय पर बोलना चाहते हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से चण्डीगढ़ मे किसानों का एजीटे ान चल रहा है उसी प्रकार से भाान्तिपूर्वक एजीटे ान लोहारू के अन्दर भी दो महिने से चल रहा हैं। वहां के किसानों की मांगें है कि उन्हे 12 घण्टे बिजली दी जाये। वहां पर इस आन्दोलन के कारण महावीर नाम का एक किसान गोली से मारा गया हैं। लेकिन सरकार अक तक चुप बैठी हैं काई कार्यवाही नही कर रही। मैं आपके माध्यम से सरकार को

कहना चाहता हूं कि उस मरने वाले किसान को कुछ मुआवजा दिया जाए। मेरी सरकार से यह भी प्रार्थना है कि उन किसानों के साथ बातचीत की जाए और उस एजिटे ान का काई हल निकाला जाए।

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं कि अगर कोई डैपुट ान आएगा तो मुख्यमन्त्री जी उनसे जरूर मिलेंगे।

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, मै सिर्फ आपका एक ही मिनट लेना चाहता हूं। मै श्री मांगे राम गुप्ता जी, जो मन्त्री हैं उनके साहस के लिए उन्हे बधाई देता हूं मैं उन्हे मुबारिकबाद देता हूं कि उन्होने यहां खड़े होकर कहा है कि अपोजि ान के मैम्बर मेरे बारें में इन्कवायरी कर लें। अध्यक्ष महोदय, मै उन्हे बधाई देता हूं कि यहां पर जितने मंत्री हैं उनमे से कम से कम एक मन्त्री की जो यह बात कहने की हिम्मत हुई है। मैं चाहूंगा कि जिस प्रकार से मांगे राम गुप्ता जी ने सदन में कहा है कि अगर उनके खिलाफ आरोप साबित हो जाऐंगे तो वे मन्त्री पद से ही नही बल्कि एम0एल0ए0 ि ाप से भी अस्तीफा दे देंगे। अध्यक्ष महोदय, मै चाहूंगा कि इसी प्रकार का आचरण दूसरें मैम्बरों को भी करना चाहिए। मैं उनका इस बात के लिए दोबारा धन्यवाद करता हूं। मै समझता हूं कि कमेटी बैठाने की काई आव यता नही हैं।

श्री मूल चन्द जैनः अध्यक्ष महोदय, मैने पंजाब प्रिएम्प ान (हरियाणा रिपीलिंग) बिल का नोटिस दिया था, उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः बाबू जी वह एडमिट कर लिया हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, यहां चण्डीगढ़ के अन्दर पिछली 16 तारीख से किसान एजिटे ान कर रहे है। 64 आदमीयों को परसो गिरफ्तार किया गया हैं। स्पीकर साहब, उनकी मांग है कि एम0आई0टी0सी0 जो पक्के खाल बनाती हैं उसका पैसा उनसे न लिया जाए। ये सारी रात को सर्दी में मरते रहें हैं। मुख्यमंत्री जी को और सरकार को किसानों की मांगों को सुनना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि उनकी जो जायज मांगे हैं, वह मान लें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी वीरेन्द्र सिंह जी ने और दूसरे कुछेक साथियों ने कहा है कि करीब दो महीने से किसान एजिटे ान कर रहे हैं और कुछ किसान चण्डीगढ़ में भी अपनी मागों के लिए एजिटे ान कर रहे हैं। इनका कहना है कि मुख्यमंत्री को और सरकार को उनकी मागों को मानना चाहिए और उनसे बात करनी चाहिए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से मैं एक बात पूछना चाहता हूं कि वे भी मंत्री थे और इनके पास 2 साल और 6 दिन इरिगे ान एंड पावर डिपार्टमैन्ट रहा। आज ये कहते हैं कि एम0आई0टी0सी0 जो पक्के खाल

बनाती है, उसका खर्चा माफ होना चाहिए। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जब वे मंत्री थे तो क्या इन्होने कभी इस खर्च को माफ किया था? अध्यक्ष महोदय, हमने जिन किसानों के पास अढाई एकड़ से कम जमीन है उसका खर्चा बिल्कूल माफ कर दिया है और जिन किसानों के पास अढाई एकड़ से जमीन से ज्यादा है, उनसे आधा पैसा लेते हैं यानी आधा उनका भी माफ किया हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंहः आप गलत ब्यानी कर रहे हैं। हमने प्रत्येक किसान का 33% खर्चा माफ कर दिया था।

चौधरी भजन लालः आपने अपने समय में एक पैसा भी किसानों के खर्चे का माफ नही किया था। आज आप किसानों को आन्दोलन करने के लिए भड़का रहे हैं। लेकिन आज किसान इतना जागरूक हो चुका है कि वह आपके बहकावे में आ कर एजीटे ान नही करेंगा। आज का किसान समझने लग गया हैं कि ये लोग अपने स्वार्थ के लिए हमें भड़का रहे हैं। मैं फिर चही कहता हूं कि आज का किसान इतना भोला नहीं है कि वह आपके चक्र में आ कर कुछ गलत काम करें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः यह बिल्कुल गलत ब्यानी कर रहे है।

चौधरी भजन लालः मैं आप लोगों को बताना चाहता हूं कि आज की सरकार ने किसानों के लिए किया हैं उतना आज से पहले किसी भी सरकार ने नही कियां हम किसानों की बात सुनने के लिए सुबह 6 बजे से लेकर रात के 12 बजे तक तैयार हैं।

उनके साथ बातचीत करने के लिए 24 घन्टे सरकार के द्वार खुले हुऐ है। उनकी समस्या का समाधान आपके पास नही, सरकार के पास हैं।

Mr. Speaker: Now zero hour is over.

चौधरी संत कंवरः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर, स्पीकर साहब,. . . ..

श्री अध्यक्षः आप किस की इजाजत से बोल रहे है?

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से बोल रहा हूं।

श्री अध्यक्षः श्री संत कंवर जी आप कृपया बैठ जाईए, otherwise, I will name you.

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मै कहना चाहता हूं * * * * * *

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाये।

कमेटी आन गवर्नमैंट अ योरैंसिज़ की 12वी रिपोर्ट पे ा करना

श्री अध्यक्षः अब श्री हीरा नन्द आर्य, कमेटी आन गवर्नमैंट अ योरैंसिज की 12वी रिपोर्ट पे ा करेंगे।

श्री हीरा नन्द आर्य (चेयरमैन, कमेटी आन गवर्नमैंट अ योरैंसिज): मैं कमेटी आन गवर्नमैंट अ योरैंसिज की वर्श 1980–91 की 12वी रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूं।

कमेटी आन दि वैलफेयर आफ ि ाड्यूल्ड कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज की छठी रिपोर्ट पे ा करना

श्री अध्यक्ष: अब कैप्टन मांगे राम कमेटी आन दि वैलफेयर आफ ि ाड्यूल्ड कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज की छठी रिपोर्ट पे ा करेंगें।

कैप्टन मांगे राम (चैयरमैन, कमेटी आन दि वैलफेयर आफ ि ाड्यूल्ड कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज): मैं कमेटी आन दि वैलफेयर आफ ि ाड्यूल्ड कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज की वर्श 1980–91 की छठी रिपोर्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूं।

वर्श 1981–82 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: अब वर्श 1981–82 के बजट पर चर्चा रित्यूम होगी। कल जब हाउस एडजर्न हुा था ता श्री रण सिंह मान बोल रहें थे वे अब अपनी स्पीच जारी कर सकते हैं।

श्री रण सिंह मान(बाढड़ा): स्पीकर साहब, कल जब हाउस एडजर्न हुआ, उस समय मैं यह अर्ज कर रहा था कि सरकार की नीयत अगर वाकई गरीब लोगों की इमदाद करने की होती तो (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी हरस्वरूप बूरा पदासीन हुए) किसान की, गरीब खेतीहर मजदूर की और कारीगर की माली हालत इस कदर कमजोर न होती कि वह कर्जा चुकान के अपने आपको असमर्थ महसूस करता। हमारे वित्त मंत्री जी ने इस हाउस में अपना जो बजट पे ा किया हैं, उसमें इस मद के लिए कुछ भी पैसे का प्रोवीजन नहीं किया गया हैं जोकि इनको करना चाहिये ाि। चेयरमैन साहब, सरकार अपने मुलाजिमों को उनकी रिटायरमैंट के बाद पैन ान की सुविधा देती है ताकि उनकी जिन्दगी के आखिरी दिन सुखमय बीत सकें। अब तो यहां तक भी हो गया है कि विधायकों को भी पेन् ान के दायरे में ले लिया गया हैं लेकिन यह एक बडी ही अजीब बात हैं कि खेत के अन्दर काम करने वाले किसान, खेतीहार मज़दूर और कारीगर को जिन्होने इस दे ा और समाज के लिये काम किया हैं, समाज की खु ाहाली के लिए कमर तोड़ मेहनत की है, उनको उनकी जिन्दगी के आखिरी दिनों मे सुविधा देने के लिए सरकार ने कुछ नही किया हैं। आजकल यह तो सब को पता हैं कि रोजगार सीमित है और मैं समझता हूं कि एक सामान्य आदमी के बच्चों के लिए नोकरी पाना आज के जमाने में बड़ा ही मु ि कल हैं। मेरा कहना यह है कि युवकों को जब तक रोजगार नही मिलता उनका बेरोजगारी भत्ता देने का इन्तजाम करना चाहिए

था। अभी पक्के रोजगार नही मिलता उनको बेरोजगारी भत्ता देने का इन्तजाम करना चाहिए था। अभी पक्के खालेां के खर्चकी बात यहां आयी और सवाल उठाया गया। यह सवाल अब ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया हैं क्योंकि उनकी रिकवरी अब भाुरू हो रही हैं। इसलिए सरकार को मैं यह निवेदन करने जा रहा हूं कि आज किसान आन्दोलित हैं, वे अपनी मांगो को लेकर बड़े एजिटेटिड फील कर रहें हैं, मैं वित मंत्री जी से यह निवेदन करूगां कि राजनैतिक विरोध से थोड़ा दुर हट कर किसानों की जो समस्याएं हैं, उनके उपर वे सहानुभूतिपूर्वक गौर करें। चेयरमैन साहब, देहाती क्षैत्र में जो खेतीहार मजदूर और गरीब लोग हैं, उनके लिए रोजगार के अवसर बढाने के लिए पिछली सरकार ने एक स्कीम भाुरू की थी जिसका नाम काम के बदले अनाज रखा गया था। अब इस सरकार ने उसका नाम बदल कर राश्ट्रीय देहात रोजगार कार्यक्रम रखा हैं और उसे चालू रखने का निर्णय किया हैं। मैं इस बारे में एक अर्ज करना चाहता हूं। चेयरमैन साहब, आज कुछ इलाकों में वि ोशकर सार्वजनिक निर्माण के जो कार्य हैं, जो सरकार द्वारा करवाये जाते हैं, वे एक तरह से बिल्कुल बन्द पडें हैं लगातार सूखा की स्थिती भी वहां पर बनी हुई हैं। वि ोशकर भिवानी और उसके आस पास के इलाकों में खेतीहर मज़दूरों, किसानों और गरीब लोगों के पास न तो खेतों में करने के लिए कोई काम है और न ही वहां पर कोई सार्वजनिक निर्माण के कार्य हो रहें हैं जिससे कि वे अपनी रोजी–रोटी कमा सकें यह जो राश्ट्रीय देहात रोजगार कार्यक्रम बनाया गया हैं, मै चाहता हूं कि

उसका दायरा बढाकर उसमे बड़ी–बड़ी योजनओं को भी भाामिल किया जाना चहिए और हर गांव में एक कमेटी बनाई जाये। उस कमेटी में उन लोगों को भी भाामिल किया जाना चहिए जिन लोगों ने वहां पर काम करना है। इस कार्यक्रम में जिन लोगों को रोजगार मिलना हैं, उनको भी गांव की जो कमेटी इस बारे मे बननी है, उसमे भाामिल किया जाना चाहिए। पहले जो गावों में इस तरह के काम हो रहे थें, वे अब बन्द हो गयें हैं।

चौधरी राम लाल वधवाः चेयरमैन साहब, मेरा व्यवस्था का प्र न हैं। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि श्री आर्य जी ने जो अभी गवर्नमैंट अ योरेन्स कमेटी की रिपोर्ट हाउस में पे ा की है, उसकी कापी हमें नही पहुंची है। मेरा ख्याल यह है कि उसकी कापी अभी तक किसी भी मैम्बर को नही हैं जो कि प्रैजेन्ट हो चुकी है।

श्री सभापतिः रामलाल जी, वह रिपोर्ट अभी प्रिन्ट होनी बाकी है। उन्होने तो सिर्फ टाईप्ड कापी दी है।

चौधरी राम लाल वधवाः चेयरमैन साहब, इस बारे मे रूल्ज़ तो क्लियर हैं कि जो भी कागज़ हाउस की टेबल पर रखे जाते है, उनको सभी सदस्यों मे डिस्ट्रीब्यूट किया जाना चाहिए।

श्री सभापतिः वह आपको बहुत जल्द ही मिल जाऐगी।

चौधरी राम लाल वधवाः इस बारे मे तो मुझे पूरा वि वास हैं कि जब वह प्रिन्ट हो जायेगी तो मिल ही जायेगी

लेकिन मेरा तो प्वायंट आफ आर्डर यह था कि जब वह रिपोर्ट अभी प्रिन्ट नही हुई, तो हाउस में कैसे पे ा कर दी गई?

श्री सभापतिः आपका प्वायंट आफ आर्डर, तो मैने सुन लिया हैं। टाईप्ड कापी हाउस की टेबल पर रखी जा सकती है। जैसे ही वह प्रिन्ट हो जाऐगी, आप के पास उसकी कापी आ जाऐगी।

11.00 बजे

श्री रणसिंह मानः सरकार को यह चाहिए था कि इस राश्ट्रीय देहात रोजगार कार्यक्रम को जा कि काम के बदले अनाज कार्यक्रम की जगह भाुरू किया गया हैं, बढाकर बडे–बडे कामों को भी हाथ में लेती ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मुहैया हो सकता। मेरा विचार यह है कि इस बारे में इस दस्तावेज में कुछ भी नही हैं। मैं वित्त मन्त्री जी से निवेदन करूंगा कि जैसे आपने मेवात विकास बोर्ड की स्थापना की हैं उसी तरह से वि ोशकर भिवानी जैसे इलाकों का विकास करने के लिए डैजर्ट डिवैल्पमैन्ट बोर्ड की स्थापना भी की जानी चाहिए। यह जो वर्तमान स्कीम है, यह लोगों को किसी भी तरह से रोजगार नही दे पायेगी। केवल दस सैन्स में कि थोड़ासे कर्जा मिल जाने से लोगों रोजगार देने का ताल्लुक है, उसको पुरा करने के लिए इस राश्ट्रीय देहात रोजगार कार्यक्रम को बढाया जाना चाहिए था। मेरा कहना यह भी है कि यह जो काम के बदले अनाज कार्यक्रम की

बजाय आपने राश्ट्रीय देहात रोजगार कार्यक्रम भ्रारू किया है, इस कार्यक्रम के अधीन काम ऐसे इलाकों में भ्रारू किया जाना चाहिए जहां पर खेती का काम बिल्कुल ही नही बचा है ताकि वहो के लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। चेयरमैन साहब, इसी तरह से पिछड़े हुए इलाको का भी जिक्र किया गया है। राज्य के विकास के असन्तुलन को दूर करके संतुलित विकास करनें के लिए कुछ कदम सरकार उठाने की बात करती हैं। सरकार यह भी दावा करती है कि यह जनहित की सरकार है लेकिन इसने पिछड़े हुए क्षैत्रो को ध्यान मे नही रखा, इसने तो राजनैतिक आधार को ज्यादा ध्यान में रखा हैं। मैं उदाहरण के तौर पर बता सकता हूं, चोधरी खुर ीद अहमद भी इस बात से सहमत होगें जैसे भिवानी का इलाका हैं, इस इलाके के सर्वे की जितनी रिपोर्टस हैं, उनमे उस इलाके की जमीन की पैदावारए उसकी किस्म, वहां पर पानी की मात्रा और उसकी भौगोलिक स्थिती वगैरह यह बताती है कि भिवानी का इलाका भी महेन्द्रगढ़ जिला के समान पिछड़ा हुआ है। बिजली बोर्ड ने एक फैसला किया था। उस फैसले से हमें कोई तकलीफ नही है कि उसने कुछ इलाकों को राहत दी हैं। यह फैसला अखबार में भी आया था जो हमने पढा था। हमे खु ी इस बात को जानकर हुई थी कि बिजली बोर्ड के इस फैसले से पिछड़े हुए इलाको के कुछ लोग तो लाभान्वित होगें लेकिन मुझे बड़े खेद के साथ कहना पड़ता है कि भिवानी जिले की और राजनैतिक द्वेश के कारण काई ध्यान नही दिया गया है। मैं आ ाा करता हूं कि सरकार का ध्यान इस ओर दिलाने के बाद वह इस

बात पर पुनर्विचार कर लेगीं। चेयरमैन साहब, इसी सन्दर्भ में एक बात की और सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं, जब चौधरी देवी लाल की सरकार थी उस समय भिवानी में ट्यूबवैल्ज की गहराई के हिसाब से टैरिफ रिलीफ दी गई थी। उस समय भी हमने यह मांग की थी कि गहराई का हिसाब न रखकर सभी तरह के कुओं पर टेरिफ रिलीफ लागू होनी चाहिए। गहराई की पाबन्दी हटनी चाहिए। चेयरमेन साहब, उस समय यह किया गया था कि अगर कोई कुआं पचास फुट गहरा है तो उसको इतना पैसा देना पडेगां और जो अस्सी फुट गहरे है उनका भाायद 120 रूपया प्रतिमाह देना पड़ेगा लेकिल इस बार बिजली बोर्ड ने बिना ख्याल किए कि कुओ की गहराई कितनी है, महेन्द्रगढ़ में तो कन्सै ान दे दिया है लेकिन भिवानी को इग्नोर कर दिया हैं जबकि ये दोनों इलाके साथ साथ लगते है। चेयरमैन साहब, यदि हम कम्पेयर करें तो महेन्द्रगढ़ की जमीन भिवानी से बेहतर है और महेन्द्रगढ़ मे पैदावार भी भिवानीके लिहाल से ज्यादा होती हैं। मैं समझता हूं कि सरकार इस बारै में पुनर्विचार करेगीं।

चेयरमैन साहब, अब मै मैचिंग ग्रान्ट के बारे मे कहना चाहता हूं। चेयरमैन साहब, लोकतान्त्रिक व्यवस्था में राजनैतिक विरोध को जन विरोध में नही बदलना चाहिए। लोगों ने अढाई साल पहले अपने खून पसीने की कमाई, मैचिंग ग्रांट लेने के लिए सरकार के पास जमा करवाई थी, लेकिन चेयरमैन साहब, आज तक सरकार की से मैचिंग ग्रान्ट नही दी गई है।

श्री सभापतिः क्या पैसा जमा करवा रखा है?

श्री रण सिंह मानः जी हां। चिड़िया गांव मे लड़कियों का स्कूल बनना था और उसके लिए गांव वालो ने 1.28 लाख रूपया जमा करवाया था। मैचिंग ग्रांट को भामिल करके 2.56 लाख रूपया बन जाता है लेकिन आज तक उस स्कूल की कंस्ट्रक ान का कोई काम भुरू नही किया गया हैं। चेयरमैन साहब, लोगो ने बडी मुि कल से पैसा इक्ट्ठा करके मुख्य मंत्री तथा दूसरे मंत्रीयों को दिया था। मेरी प्रर्थना है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे और लोगो की निरा ाा को दूर करें। बस मैं थोडी ही देर में खत्म कर दूगां। चेयरमैन साहब, जैसा कि मैने कहा है कि बेरोजगार लोगों को रोजगार दिया जाए और जिस समय तक उनको रोजगार नही दिया जाता तब तक उनका बेरोजगारी भता दिया जाना चाहिए। इसी तरह से बुढापे की पेन ान भी दी जानी चाहिए। जहां पर सूखा है वहां तकावी और सहकारी कर्जे माफ किए जाए और जो भेद–भाव राजनैतिक आधार पर किया जाता है वह बन्द किया जाए। जनता की बिजली की जो मांग है वह पूरी की जाए। एम0आई0टी0सी0 खाले पक्का करने का खर्चा खुद वहन करें। इन मागों को लेकर भिवानी में किसान अन्दोलन कर रहे हैं। चेयरमैन साहब, इस आन्दोलन ने बहुत ज्यादा सीरियस और नाजुक मोड़ तब लिया जब लोहारू का वाका हुआ। चेयरमैन साहब, पिछले साल से बिजली की सप्लाई बहुत कम हो गई हैं जब दस होर्स पावर की मोटर जल जाए तो उसकी रिपेयर पर

बहुत ज्यादा खर्चा आता हैं इस बात से किसान बहुत ज्यादा बेचेन थे। चेयरमैन साहब, इस वर्श अचानक 15 फरवरी को लोवोल्टेज इतनी हो गई कि एक ही पावर हाउस के निचे सौ से अधिक मोटरें जल गई और लोगों का ऐजीटे ान सामूहिक धरने के रूप मे बदल गया। चेयरमैन साहब, 19 फरवरी को जो वाका हुआ जिसमें एक मौत हो गई थी, उसके बारे मे मैं सरकार से तीन सवाल पूछना चाहता हूं पहली बात तो चह है कि जिस दिन यह वाका हुआ उस दिन के बारे में मै सरकार का कहना है कि रोड़ ब्लाक कर दी गई थीं वहा पावर हाउस के सामने एक खम्बा पड़ा हुआ था जिसकों किसी आदमी ने खिसका कर सड़क के सामने डाल दिया था। मैं सरकार से पुछना चाहता हूं कि उस वक्त वहां पर कितने आदमी थे। दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि उस वक्त वहां पर कितने वाहन खड़े हुए थे जो रोड़ ब्लाक होने के कारण रूक गए थे और कितने वाहनो को नुक्सान हुआ? तीसरी बात मै यह पुछना चाहता हूं कि अश्रु गैस छाडनें से लेकर गोली चलाने के ऐक ान तक क्या किसी कोई चेतावनी लोगो को दी गई थी? तीन सवाल हमारे दिमाग में हैं जिसके बारे में सरकार स्पश्टीकरण दे। चेयरमैन साहब, किसान मजदूर संघर्श समिती, न्यायिक जांच की मांग कर रही हैं। मैजिस्ट्रेट की जांच से काई बात बनने वाली नही हैं चेयरमैन साहब, जिस आदमी की मौजूदगी में गोली चली हो और उसी स्तर का मैजिस्ट्रेट उस घटना की जांच करे यह न्याय व्यवस्था पर एक कलंक है इसलिए किसान मजदूर संघर्श समिति यह मांग करती है कि मैजिस्ट्रेट की जांच

के स्थान पर न्यायिक जांच होनी चाहिए और मुझे आ ाा है कि सरकार मैजिस्ट्रेट की जांच के स्थान पर न्यायिक जांच कराएगी।

चेयरमैन साहब, मै एक बात और कहना चाहता हूं। वैसे तो सरकार ने डी0ए0 की एक कि त सरकारी कर्मचारियों को दे दी है ओर इनकी भलाई के लिए सरकार ने अपने कुछ और इरादे जाहिर किए हैं। चेयरमैन साहब, व्यवहार में यह बात नही है बल्कि इसके उल्ट है। सरकार कर्मचारियों की विभिन्न यूनियन्ज़ में भेदभाव पैदा कर करके आपस मे लडवा रही हैं और अपना मतलब साध रही हैं। विभिन्न यूनियन्ज़ मे फुट डालकर कुछ को अपने पक्ष मे कर लेती हैं, सरकार को ऐसा नही करना चाहिए। यूनियन के जो सच्चे प्रतिनिधी है, उनको स्वीकार करना चाहिए और उनमें किसी तरह का का भेदभाव नही बरतना चाहिए। लोकतान्त्रिक तरीके से उनको बुलाकर जो भी समस्याएं है, उनको निपटाना चाहिए। किसी भी राज्य के विकास के लिए कर्मचारीयों का सहयोग बहुत जरूरी है। चेयरमैन साहब, मैं इतना ही कहकर समाप्त करता हुं।

चौधरी रिजक राम(राई): चेयरमैन साहब, वित मन्त्री महोदय ने 1981–82 का बजट पे ा किया हैं इसके अन्दर उन्होने लोगों की भलाई के लिए कुछ तजवीजें रखी हैं मैं उनके लिए वित मंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं . . . . . .

श्री सभापतिः चौधरी साहब, आप माइक का इस्तेमाल करें क्योकि कुछ सुनाई नही दे रहा हैं ओर रिपोर्टर्ज को भी सुनने में दिक्कत आ रही है।

चौधरी रिजक रामः बहुत अच्छा जी। चेयरमैन साहब, इन्होने ट्रैक्टरों के लिए बजट में रूपया रखा हैं। मै यह महसूस करता हूं कि आज हरियाणा मे जितने भी ट्रेक्टर इस्तेमाल हो रहे हैं, उनको चलाने वाले और उन के जो मालिक है, वे उन ट्रेक्टर्ज के बिगाड़ और सुधार से वाकिफ नही हैं। पर अन्दाजा लगाया जा सकता है कि हरियाणा में और दूसरी जगहो पर एक ट्रेक्टर लगभग 12 साल तक चलता है। सब से ज्यादा रूपया किसान को उनकी रिपेयर पर खर्च करना पडता हैं। आत तीन साल पहले इस प्र न का निरिक्षण किया गया था और अन्दाजा लगाया गया था कि एक ट्रेक्टर की मुरम्मत पर कम से कम 5 हजार रूपये सालाना खर्च आता है तो 12 सालों मे आप खुद ही देख लिजिए कि कम से कम 60 हजार रूपया खर्च होगा।

चेयरमैन साहब, इससे आगे मै बताना चाहता हूं कि इस बजट मे एम.आई.टी.सी. के लिए भी प्रावधान किया गया है। पक्के खालो पर सरकार जो खर्च कर रही है, उस पर भी रियायत दी गई है। ये ऐसी बातें हैं, जिससे किसानों को काफी लाभ पहुंचेगां। इसके लिए वाकई वित्त मंत्र, चौधरी खुर ीद अहमद बधाई के पात्र है। इसके साथ साथ चेयरमैन साहब, सरकार ने जो प्राईवेट कालेजो के लिए 95 परसैन्ट ग्रान्ट का प्रावधान रखा है,

उससे कालेजो को काफी सहायता मिलेगी। यह कदम जो सरकार ने उठाया है, यह सचमुच मे ही सराहनीय हैं। लेकिन एक बात मै उनको यह कहना चाहता हूं कि 1977 के आम चुनाव के बाद यह चौथा बजट हैं जा इस विधान सभा में प्रस्तुत किया गया हैं और चौथे ही वित्त मंत्री हैं पहले सतबीर सिंह मलिक आये, उसके बाद बाबू मूल चन्द जी जैन आए और फिर तायल साहब और अब श्री खुर ाीद जी वित्त मंत्री है। बाबू जी ने बहुत ही जल्दी जल्दी काम किया और चार पांच महीने मे ही चले गये। अब मुझे इस बात का भी खद ाा है कि कही भाई खुर ाीद भी उसी रिवायात का ि ाकार न हो जाएं। कहीं यह बात न हो जाए कि अगला बजट कोई दूसरा वित मंत्री पे ा करें। भाई खुर ाीद जी इस रिवायत को तोड़ सकें तो अच्छा है। इन्होने यह रिवायात जारी रखने की कोि ा ा तो बडी की थी क्योकि जिस दिन यह बजट पे ा होना था, उस दिन चे लेट हो गऐ थे। जब मुख्य मंत्री बजट पढने के लिए खड़े हुए तो देवेन्द्र भार्मा और दुसरे साथी इनको पकड़ कर लाये। जहां तक मुख्य मंत्री जी का ताल्लुक है, चाहे कोई नाराज हो या खु ा हो, इनको तो 15–20 सालों तक इस पद पर रखना ही पडेंगा इन्होने जो इतने लम्बे चौड़े लोगों के साथ वायदे कर रखे हैं, व 15–20 सालो तक ही पूरे हो सकेगें। चेयरमैन साहब, चौधरी भजन लाल से पहले चौधरी देवी लाल जी इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री थे। वे बड़े ही कार्यकु ाल थे और जिस धुन मे लग जाते उसमें ही जुटे रहते थे लेकिन थे बहुत भोले। उनके समय की एक बात मुझे याद आ गयी, बाबू मूल चन्द जैन

भी मेर समर्थन करेंगे। कुरूक्षैत्र जिले मे चौधरी ई वर सिंह जी के गांव का मुखराल सरपंच चौधरी ई वर सिंह के पास आया और कहने लगा कि मेरे को चौधरी देवी लाल जी से मिला दो। चौधरी ई वर सिंह ने कहा कि वे सुबह के समय एम.एल.एज. होस्टल में आते है आप वहा पर मिल लेनां वह बड़ा खु ा हुआ और बड़े चाव के साथ सुथरे कपड़े पहन कर सुबह होस्टल में मिलने के लिए गया। वह पांच सात मिनट मे ही वापिस आ गया। चौधरी ई वर सिंह ने पूछा कि मिल आये भाई? कहने लगा कि उनके अपने गांव के सरपंच उनकी तरह ही बड़े लम्बे चौड़े कद के है, वे भी वहां पर बैठे थे वह कहने लगे कि आपने चौधरी देवी लाल जी को मुख्य मंत्री छांट कर अच्छा नही किया क्योंकि वे सभी लम्बे कद के थे और मैं छोटे कद का था। मैं पिछे खडा रह गया। वे मुझे देख नही पाए इसलिए मिल नही सका। (हंसी एवं भाोर) चेयरमैन साहब, इस के बाद जहां तक एम0एल0एज0 होस्टल का ताल्लूक है, वहां पर बहुत कम जगह हैं। वहां पर एम0एल0एज0 से मिलने वाले लोगो का तातां लगा रहता हैं। आपको भी इस बात का तजर्बा है इसलिए मेरी आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना है कि एम0एल0एज0 होस्टल के साथ एक धर्म ाला बना दी जाए। इसके लिए बजट के अन्दर पैसा तो रखा नही गया हैं लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी के पास पैसा बहुत हैं, पैसे की कमी नही है। खुर ीद अहमद साहब हज करके आए हैं और खुदा की इबादत हासिल करके आये हैं। (हंसी व भाोर) मुख्यमंत्री जी के पास पैसा बड़ा है, उनका भाग्य बड़ा बलवान हैं।

चाहे कहीं पर बैठे हो, जिस प्रकार लोग महन्तों को पुजते है, चढावा चढातें है उसी तरह से उन्हे भी चढावा चढता है। इसलिए रूपय की कमी नही है।

चेयरमैन साहब, इससे आगे मैं बजट की अगली बातों पर आता हूं। चौधरी खुर ाीद अहमद जी ने बजट स्पीच देते हुए इस बात का जिक्र किया कि 49 करोड़ रूपय का सरकार को घाटा हैं। लेकिन उन्होने बचत की जो प्रस्तावित बातें हैं, उन पर अमल करके घाटे को पूरा करने की बात कहीं हैं कि इस तरह से घाटा पूरा किया जाएगा। चेयरमैन साहब, भावना तो उनकी अच्छी है और हमें आ ाा भी रखनी चाहिए कि जो उन्होने बात कही भााायद ठीक हो। कुछ और भी मद ऐसी हैं, जिनसे बचत खासी हो जाएगी। अगर रावी व्यास के पानी को फैसला न हुआ तो उस के लिए जो खर्चा रखा गया है, वह बच जाएगा। पक्के खालो के लिए जो रूपया हैं, उसमे से भी कुछ रूपया लोगों से वसूल होना हैं। यह रूपया जो सरकार पहले खर्च करेगी और बाद में कुछ वसूल होगा। इसलिए कुछ बचत तो स्वाभाविक तौर पर हो जाएगी। लेकिन मैं यह समझ नही पाया कि यह 49 करोड़ रूपए का घाटा जो है, वह किस तरह से पूरा किया जाएगा? इसलिए चेयरमैन साहब, पिछले बजट में सरकान ने नान–प्लान के तहत 291 करोड़ रूपये की रा ि ा निर्धारित की थी लेकिन अब नान–प्लान एकसपेन्डीचर की फिगर्ज़ 331.41 करोड़ रूपये से भी ज्यादा है यानि लगभग 40 करोड़ रूपया सरकार ने ज्यादा खर्च किया हैं।

इस ज्यादा खर्च का वित्त मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कारण यह बताया है कि एक ता सरकारी कर्मचारियों के मंहगाई भते के कारण खर्चा बढा है और दूसरे जो नेचुरल कलैमिटीज के कारण नुकसान हुआ हैं, उसके कारण खर्च बढा है मैं उन्हे एक बात कहना चाहता हूं कि अगर भाई खुर ाीद ने अपने काम को ठीक ढंग से चलाना हैं, तो जो पहले रिवायत चली हुई है, उसको बन्द करना होगा। मुख्य मंत्री महोदय जहो भी जाते हैं, वे किसी भी विभाग के अफसर से नहीं पूछते, वित मंत्री जी से भी नहीं पूछतें कहीं 50 लाख रूपये की ग्रांट मन्जूर कर आये, कहीं पर हस्पतालों के लिए मन्जूरी दे आये और कहीं पर नई सब तहसील बनाने की घोशना कर आये। चेयरमैन साहब, इस काम के लिए एक सब कमेटी बैठी थी। उसने जिस जिस जगह पर तहसील या सब तहसील बनाने के लिए सिफारि ा की थी, इन्होनें उससे 8–10 फालतु ही बना दीं। जहां पर जरूरत थी वहां जो बनाई नही, दूसरी जगहो पर बना दी। चेयरमैन साहब, खरखोदा के लिए कमेटी की रिकमेन्डे ान थी, लेकिन वहो पर तहसील न बनाकर किसी दूसरी जगह पर बना दी गयी रोज हम अखबारों मे पढते हैं कि मुख्यमंत्री जी वहां वहां गए और यह मंजूर कर आए। कैथल के बारे में भी जिला बनाने के लिए भाोर था। (ाोर) चेयरमैन साहब, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री स जी ने जो अब तक वायदे किये हैं अगर उनकों पूरा किया जाए तो 350 करोड़ रूपये और खर्च करना पड़ेगा। मैने सरकारी अफसरों से पूछा है कि मुख्यमंत्री जी जो वायदे करते हैं क्या आप उनका रिकार्ड

रखते हो जो मुझे बताया गया कि अगर सभी वायदो को पूरा किया गया जो इतना खर्च होगा। इसलिये अगर सारे वायदों को पूरा किया गया तो बजट में और भी घटा होगा। अगर त्यादा घाटा नही दिखाना है तो इन वायदों को पूरा किया गया जो बजट में और भी घाटा होगा। अगर ज्यादा घाटा नही दिखाना है जो इन वायदों को पूरा यिा गया जो बजट में और भी घटा होगां। अगर ज्यादा घाटा नही दिखाना है तो इन वायदों को कम करने की कोि ा ा करें। चेयरमैन साहब, वित मंत्री जी ने एक सुझाव रखा है कि अगले साल सरकारी नौकरियां में लये कर्मचारियो को नही लगाया जाऐगा इलैक ान तो चाहे मई जून मे हो या उससे आगें हो लेकिन एक बात जरूर है कि जो भी काम इस साल किया जाएगा वह इलैक ान को ध्यान मे रख कर किया जाएगा। इसलिए उसको सामने रखते हुए मंत्रीमण्डल भी और मुख्य मन्त्री भी इस बात का ध्यान रखेंगे कि लोगों की डिमाडं ज्यादा से ज्यादा पूरी की जाएं। चेयरमैन साहब, आप हैरान होगें कि जब लो सभा के इलैक ान हुए तो बहुत से लड़को ने हमें बताया कि हम मुख्य मंत्री जी से मिले थे। उन्होने हमें कहा कि सोनीपत के हल्के में जाकर काम करो और करनाल के हल्के को जर ठीक तरीके से संभालन। आपको नोकरियां दी जाऐगी। * * * * (विघ्न) तो चुनाग नजदीक हैं और कोई भी सरका ऐसी नही हो सकती जो इस बात पर ध्यान न दें .....(विघ्न)

श्री सभापतिः ब्याह भाादी के बारे में जो बात की गई है, वह एक्सपंज कर दी जाए।

श्री बलदेव तायलः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं। एक्सपंक ान का एक रूल है। उसके अन्दर यह लिखा हुआ है कि अगर कोई भाब्द डैफेमेटरी था या डेरागेटरी हो, वह एक्सपंज हो सकता है लेकिन इसमें तो कोई ऐसी बात नही हैं और किसी मन्त्री ने इस बार में प्रोटेस्ट भी नही किया।

श्री सभापतिः चेयर अगर किसी भाब्द को डैफेमेंटरी समझें तो उसे एक्सपंज किया जा सकता हैं। रूल 116 बड़ा क्लियर है उसे मैं पढ देता हूं।

"If the Speaker is of opinion that a word or words has or have been used in debate wiich is or are defamatory or indecent or un-parliamentary of undignified, he may, in his discretion, order that such word or words be expunged from the proceedings of the Assembly."

Shri Baldev Tayal: Ihave to submit that it is all right that if, in the opinion of the Chair, a word is defamatory or indecent or indecent or un-parliamentary or undignified that word or words can be expunged. This word is neither defamatory nor derogatory. How can it be expunged?

Mr. Chairman: The rule says that if the word is defamatory or indecent or unplarliamentary or undigneified, it can be expunged. This word was indecent. Therefore, I have ordered to expunge it. Please be seated.

Shri Baldev Tayal: I do not challenge you authority.

Mr. Chairman: Please take you seat. i Have given my ruling.

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, एक तरफ तो यह सरकार कहती है कि हमन बेरोजगारी को खत्म करने के लिय पूरे प्रबन्ध कर दिये है और दुसरी तरफ स्कूल को अपग्रेड किया जा रहा हैं। कालेजों से आज ग्रेजूएटस और एम0ए0 बहुत तदाद में आ रहें हैं। इसके अलावा पौलिटैकनिक और आई0टी0आईज0 से भी बहुत से डिप्लोमा होल्डर आ रहे हैं आप देखें कि दस साल अप्रैल में अकेले जो मैट्रिक पास करके आएंगे उनकी संख्या कितनी होगी और उधर सरकार कहे कि हम तो किसी को साल भर नौकरी नही देगें तो यह बात ठीक नही। इसलिए मैं अर्ज करता हूं कि ऐसी हालत में भी अगर सरकार यह कहे कि इस साल हम नई भरती नही करेंगे जो यह कोई ठीक बात नही हैं। इनको जो बल्कि नौकरीयों के दरवाजे और खोलने चाहिएं। खर्चे को कम करने के और भी तरिके हैं जैसे जहा पर फिजूल खर्ची हो रही हो, उसकी तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए न कि इस बात पर कि नई भरती नही की जाऐगी। दूसरी बात चेयरमैन साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि आपका देहातों से पूरा संबंध है और बेरोजगारी की समस्या सब से जटिल और संकट पैदा करने वाली सम्सया हैं। आप देखे कि वित्तमंत्री जी ने अपनी बजट स्पीच में बताया कि हरियाणा में 36 प्रति ात लोग ऐसे है जो गरीबी की

रेखा से नीचे है आपको मालूम है कि गरीबी की रेखा के नीचे का क्या मतलब हैं। 1960–61 कह कीमतों के आधार पर जो लाग गरीबी की रेखा से नीचे थे उनका एक महिने का खर्चा 20 रूपय निकाला गया था तो आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि जिस आदमी को 20 रूपये महीना मिलता हो उसकी क्या हालात होगी? इसी तरह से 1960–61 की मर्दम भ्ाुमारी के वक्त हरियाणा मे 66 प्रति ात किसान ऐसे थे जिनके पास पांच एकड़ से ज्यादा जमीन नही थी लेकिल जब 1975 मे सर्वे किया गया जा 75 प्रति ात लोग ऐसे थे जा पांच एकड़ या उससे कम भूमि के मालिक थे और उसमें से 29 प्रति ात लोग ऐसे थे जिनके पास सिर्फ अढाई एकड़ या उससे कम जमीन थी। आप अनदाजा लगा सकते है कि एक एकड़ वाले भूस्वामी ही क्या हालत हो सकती है? स्माल फारमर्ज डिवैल्प एजेंसी ने भी उनको काई राहत नही दी। इसके अलावा देहात में बसने वाले जो हरिजन है, दस्तकार हैं या दूसरे लोग हैं उनकी हालत भी बहुत खराब है। आज से 30 साल महले देहात मे कुछ भाई मोची का काम करते थें, कुछ कुम्हार भई बर्तन बनाने का काम करते थे और लोहार भाई लाहे का काम करते थे लेकिन बड़ी बड़ी इंडस्ट्रीज ने उन सबके धान्धे बंद कर दियें।(घंटी) चेयरमैन साहब, अभी तो मैने भूमिका बांधी हैं, आपने घंटी बता दी। मैं अर्ज कर रहा था कि आज दे ा मे जितने दस्तकार हैं, वे बडी–बड़ी इंडस्ट्रीज के कारण बेकार हैं और दिनो–दिन गरीब होते जा रहे हैं। 85 फीसदी लोग जो देहातों मे रहते हैं, इनमें से बहुत बड़ी संख्या सर्विसिज़ में है, चाहे स्टेट

सर्विसिज में हों, चाहे सैन्ट्रल सर्विसिज में हो और चहे म्यूनिसिपल कमेटीज में काम करते हों, कहने का मतलब यह हैं कि ये लोग 85 परसेंट लोग भाहरों में ऐसे हैं जिनके कारखाने है या तजारत का काम हैं में गरीबो को दबाते हैं। जहां तक हरिजनो का सवाल है, आप महकमों मे जाकर जांच पड़ताल कर लें ि ाड्यूल्ड कास्टस की रिजर्वे ान किसी भी महकमें पे पूरी नही हैं। 85 परसैंट आबादी जो देहातों में रहती है इनमें करोड़ों की तादाद हरिजन भाईयों की हैं। इनमें बड़ी बैचेनी फैली हुई हैं और परिणाम यह हो रहा हैं कि विशय को यहीं पर समाप्त करता हूं। दूसरी बात मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि आज देहात में लाखों लागों की तादाद में पढे लिखें बेराजगार नौजवान है जिनकों मां–बांप ने बड़ी कठिनाई से पढाया हैं। कठिनाई इसलिए होती है क्योंकि 85 परसैंट आबादी के पास जायदाद बहुत कम है इसलिए पूरा खर्चा देकर अपने बच्चों को पढा नही सकते। जिन्हाने पढाया है उन्होने अपना पेट बांधकर बच्चो का तालीम दी हैं। इस ख्याल से कि बच्चे पढ़–लिख कर सहायता तो क्या करनी थी उल्टा मां–बाप पर बोझ बने हुए है। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि सरकार का इस तरफ कोई ध्यान नही है। मैं सरकार का इस तरफ ध्यान दिलाना चाहता हुं कि जो गरीब आदमी देहात में हैं, चाहे हरिजन है, चाहे किसान हैं, चाहे मजदूर हैं इनको सर्विसिज मिलनी चहिए। इन गरीब बच्चो मे काबिल से काबिल कैंडिडेट्स मोजूद हैं लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जो बड़े बड़े सरमायेदार और पूजीपति है, वे अपने असरो–रसूख

के बल पर, धन की ताकत के बल पर नौकरियां ले जाते है और देहात के गरीब कैडिडेट्स नौकरियों से महरूम रह जाते हैं। देहातों के लड़के, जिन्होने फर्स्ट क्लास मे इम्तिहान पास किया हुआ होता है और नौकरी के लिए, सरकार के दरवाजे खटखटाते फिरते हैं, वे तो सर्विसिज़ से महरूम रह जाते है और असरो–रसूख वाले अमीर आदमियों के बच्चे, जिनके पास पैसे की ताकत है, थर्ड डिविजन मे पास होने के बावजूद भी नोकरियां ले सकते है। आज लियाकज के वेसिज़ पर सर्विसिज नही दी जाती। अगर धन की ताकत की वजह से गरीबों को नोकरियों में हिस्सा नही मिलता तो जहां तक मै समझता हूं, भूमि–क्रान्ति के अलावा इस समस्या को हल करने का और काई चारा नहीं। (तालियां)

श्री सभापतिः आर्डर प्लीज आर्डर। (व्यवधान)

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, आज सर्विसिज का सिलैक ान धन के ताकत के बल पर होता है।दूसरा आईटेरिया रह जाता हैं कि सिलक ान करते समय यह देखा जाता है कि यह आदमी अमुक इलाके से ताल्लूक रखता हैं या नहीं, अमुक जाति से ताल्लूक रखता है या नही। अगर वह उस पार्टिकुलर दलाके या जाति से ताल्लूक रखता हो तो उसकी सर्विसिज़ मे प्रेफरेन्स दी जाती है। इस सिस्टम मे मुताबिक किसी की लियाकत या नालायकी का कोई अन्दाता नही लगाया जा सकता। जो कैंडीडैटस उस पाटिकुलर इलाके और जाति से बिलोंग करते हैं उनको ले लिया जाता हैं और बाकियों को नज़रअन्दाज कर दिया

जाता है, यह इन्साफ की बात नही हैं। चेयरमैन साहब, अभी–अभी सब–जजिज का सिलैक ान हुआ..... (व्यवधान)

Finance Minister (Chaudheri Khurshid Ahmed): Mr. Chairman, the case of selection of sub-judges is pending in the Court and it can not be discussed here.

Mr. Chairman: Chaudhari Rizaq Ram Ji, this matter is sub-judice I will request you not to discuss it here.

Chaudhri Rizaq Ram: All right, sir, I leave this point. चेयरमैन साहब, मैं दूसरी बात पर आता हूं सरकार ने दो हजार से ज्यादा आबादी वाले देहातों में कुन्यूमर्ज स्टोर्ज खोलने का एलान किया था जिन के लिए हाल ही में सेल्जमैन की भर्ती हुई। सरकार ने 2300 सेल्जमैन की सिलैक ान की, लेकिन चेयरमैन साहब, आप जानकर हैरान होंगें कि 2300 की सिलैक ान मे दो बिरादरियों के ही लड़के लिए गए है और दूसरी बिरादरीयों को इग्नौर कर दिया गया। ये कैंडीडैट्स हरियाणा से ही नही लिए गए बल्कि राजस्थान और यू0पी0 के भी लिए गये है। चेयरमैन साहब, जात–बिरादरी के आधार पर, इलाकाई तौर पर पक्षपात करके सैल्जमैन की भर्ती करना हमारे नौजवानो के साथ निहायत पक्षपातपूर्ण कार्यवाही हैं। यही नही, चेयरमैन साहब, 2300 सेल्जमैन में से सोनीपत जिले के सिर्फ 15 लड़के लिए गए, क्या यह इलाकाई पक्षपात नही? सोनीपत जिले से न कोई असिंस्टैंट मैनेजर लिया और न कोई सुपरवाइजरी स्टाफ लिया केवल 15 सेल्जमैन लिए और मामला साफ कर दिया। अगर इस तरहसे

हरियाणा के देहाती लड़को के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया गया तो हरियाणा का भविश्य क्या होगा, यह आप सब जानते हैं। आज लाखो लडके स्कूलों और कालेजों से पढ कर निकल रहे हैं। जब ये अपनी एजुके ान पूरी करकें आते हैं तो इनके दिल में पहले ही यह भावना होती है या डाल दी जाती है कि सरकारी अफसर जात–बिरादरी और इलाकाई–पक्षपात के आधार पर सिलैक ान करते हैं। चेयरमैन साहब, मैं पूरे वि वास के साथ कह रहा हूं कि जो सर्विसिज में भर्ती करने वाले आफिसर्ज हैं, वे पक्षपातपूर्ण भावना से काम काम लेते हैं। वे अपनी जेबों में ब्लैक अप्वायंटमैंट लटर्ज तैयार डाले रखते हैं और जब किसी ने सिफारि ा की तो फौरन उसका नाम भर देते हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, एस0एस0एस0 बोर्ड के द्वारा सर्विसिज मे भर्ती की जाती हैं। आम आदमी काम ध्यान एस0एस0एस0बोर्ड की तरफ नही जाता, लेकिन मै दो बातों की तरफ ध्यान दिलाना चाहता हूं। बोर्ड ने कुछ असामियों की भर्ती करनी थी और इस भर्ती मे ऐसे कंडीडैट्स को चुना गया जिनकी दरख्वास्तें भी एस0एस0एस0 बोर्ड में वसूल नही हुई थी और टैस्ट में भी भाामिल नही हुए थे। इस सिलसिले में मेरे पास सुचना हैं। (व्यवधान) लोगों ने कम्पलेंट्स की हुई हैं। (व्यवधान) तो डिप्टी स्पीकर साहब, मै ज्यादा न कहता हुआ, यही निवेदन करना चाहता हूं कि जहां तक बेरोजगारी का सवाल है, इसको दूर करने के उदे य से सर्विसिज में पक्षपात नही करना चहिए। आखिर में बैठने से पहले एक बात और अर्ज कर दूं कि पिछले दिनो 2

जनवरी को मुख्य मन्त्री जी राई में गए थें, चौधरी जगन नाथ जी भी साथ थे। इन्होने वहां ऐलान किया कि हरियाणा सरकार ने फैसला किया हैं कि जो भी पढे लिखे अन–एम्पलायड लड़के हैं उनमे जो एम0ए0 पास है उनको 100 रूपये महीना और जो बी0ए0 पास है। उनको 75 रूपये महीना अन–एम्पायमैंट अलाउन्स दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): मैने ऐसा कोई एलान नही किया। (विघ्न)

चौधरी रिजक राम: इन्होने ऐसा ऐलान ना भी किया हो तब भी मै सरकार से प्रार्थना करता हूं कि इन्हे अब ऐसा करना चाहिए। चौधरी खुर ाीद अहमद जी के बारे में सभी जानते है कि वे फराख दिल और रंगीन मिजाज के आदमी है इसलिए उन्हे ऐसा करने में कोई दिक्कत नही होनी चाहिए। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, अपने दे ा मे महाराश्ट्र और बंगाल आदि कई प्रान्तो ने अनएम्पलायड लोगों के लिए इस तरह का अलाउन्स मुकर्रर किया हैं। यह अलाउन्स चाहे 100 रूपये का हो, 75 रूपये का हो या भाब्दों के साथ डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपका भाुक्रिया अदा करता हूं।

चौधरी जय नारायण(कलानौर, अनुसूयित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, समय देने के लिए मैं आपका धन्यावाद करता हूं। वित मन्त्री, चौधरी खुर ाीद अहमद जी ने हाउस के सामने 49

करोड़ रूपये का बजट रखा हैं। इन्होने बड़ा खोखला और बेजान बजट पे ा किया हैं। (विघ्न) यही नही हाउस को गुमराह करने की कोि ा ा भी की गई है। इन्होने कहा हैं कि अपने खर्च मे कमी करके इस घाटे को पूरा करेंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, असल मे यह घाटा 49 करोड का नही, 70 करोड़ का हैं। यह हिसाब 34—35 पृश्ठो की हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके नाटिस मे यह बात लाना चाहता हूं कि हरिजनों के अन्दर भी 5—7 परसैंट ऐसे लोग हैं जो ज्यादा फायदा उठाते है। हरिजनो के अन्दर कम से कम 35—36 बिरादरियां हैं लेकिन बजट का या हाउस द्वारा पास किए गए पैसे का ज्यादा फायदा एम0एल0एज0, मिनीस्टरर्ज या बड़े पदाधिकारी ही उठा लेते हैं और जो गरीब हरिजन है उन जक यह पैसा नही पहुंचता। ब्याह भाादी के अन्दर पैसो की जब बौछार करते हैं तो कुछ लोग ऐसे होते है जो झोली लेकर उपर ही उन पैसो को थाम लेते हैं। इसी तरह से हरिजनों के लिए पास हुए पैसे को केवल पांच सात प्रति ात लाग ही हजम कर जाते हैं और गरीब हरिजन, जो देहात के अन्दर बसने वाला हैं, उस तक यह पैसा बिल्कुल नही जाता। डिप्टी स्पीकर साहब, पैसा चाहे मकान बनाने के लिए हो, ट्यूबवैल लगाने के लिए हो या चाहे किसी और काम के लिए हो सबमे यही बात हैं। इसलिए मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहता हूं कि वह गरीब तबके की तरफ भी ध्यान दे। हमे आजाद हुए तकरीबन 32—33 साल हो गए हैं लेकिन आप रिकार्ड निकाल कर देख ले हर डिस्ट्रिकट मे, ऐडवाइजरी कमेटी जो ग्रांट बाटंती है, उसमें एक ही वर्ग के

आदमी होते हैं। जबकि हरिजनों में बालमिकी है, धानक हैं और चमार भाई भी हैं। इन लोगो कोएक पैसा तक नही मिलता क्योकि भाई, भतीजे, चाचे और ताउ के नाम पर सारे का सारा पैसा दूसरे वर्ग में डिवाईड हो जाता हैं। इसी तरह का मामला नोकरियों में हैं डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट में किसानों के बारे में भी ज्यादा बढा चढा कर कहा गया हैं। ये कहते हैं कि पहले गन्ने का भाव 13 रूपये क्विंटल था लेकिन अब 26 रूपये क्विंटल कर दिया गया हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें कोई भाक नही कि पिछले साल गन्ने का भाव सरकार ने 13 रूपये क्विंटल निर्धारित किया था लेकिन उस वक्त चीनी का भाव भी अढाई और तीन रूपये किलो था। इस साल चीनी आठ नौ रूपये किलो बिक रही है इसलिए गन्ने का भाव कम से कम 40 रूपये क्विटंल होना चहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, किसानों के साथ बहुत ही ज्यादा खिलवाड़ यिा जा रहा हैं। बिजली के रेट को ही आप देख लें। देहात में बसने वाले गरीब लोगों और व्यापारियों आदि के उपर तो बोझ डाल दिया गया है लेकिन बडे बड़े पुजीपतियों को बड़ी रियायते दी गई हैं। इसी तरह से बेरोजगारी का मामला है। हमारे प्रदे ा के अन्दर हर साल तकरीबन एक लाख नौजवान पढ़–लिख कर तैयार हो जाते हैं लेकिन यह सरकार केवल बीस हजार आदमीयों को ही रोजगार दे पाती हैं इस तरह से इस सरकार के राज मे 80 हजार के करीब नोजवान हर साल बेराजगार हो जातें है। उनकी मदद करना सरकार का फर्ज बनता है। जिस तरीके से दूसरी स्टेटो मे बरोजगार आदमियों को भता दिया जाता है उसी

तरीके से इस सरकार को भी उन लोगों को भत्ता जरूर देना चहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, फूड एडं सप्लाईज महकमे का भी बुरा हाल है। आज किसान को चार या पांच सीमेंट के कट्टों के लिए दर दर की ठोकरे खानी पडती हैं जबकि ब्लैक मै तीस रूपये का कट्टा पचास और साठ रूपये मे खुला मिलता है। (विघ्न) एम0आई0टी0सी0 और इरीगे ान डिपार्टमैंट के बारे में तो कुछ नही कहना चाहता लेकिन यह बात ठीक नही है कि ब्लैक मे 60 रूपये के हिसाब से जितने सिमेंट के कट्टे लेना चाहो ले सकते है।

डिप्टी स्पीकर साहब, ये कहते है कि हमने हरिजनों को बहुत ज्यादा उपर उठाना हैं। लेकिन इस बात की एक और मिसाल मैं आपको बताना चाहता हूं। डिस्ट्रिक्ट सोनीपत मे रोहट एक गांव हैं। वहां हरिजनों ने 50–60 साल पहले से पक्के मकान बना रखे है। लेकिन यह सरकार उन मकानों का गिरवाना चाहती है। वे लोग प्रधान मंत्री श्रीमति इन्दिरा गांधी से भी मिलें हैं।

एक तरफ तो यह सरकार हरिजनों के लिए आंसू बहाती है और दूसरी तरफ गरीब हरिजनो के मकानों को, जिनकों बनाये हुए आज से 50–60 साल हो गयें हैं गिराने के आदे ा जारी करती हैं। इस विशय में आप बे ाक पता कर लें, सरकार ने आर्डर जारी कर रखें हैं।

ला एन्ड आर्डर की पोजि ान के बारे में जा क्या बताऊं, उसका ता दिवाला ही निकाला हुआ है। डबवाली केस की रिपोर्ट आज हाउस के सामने आयी हुई है। आपको मालूम है कि भाीला बहन के साथ किस तरह से बलातकार किया गया। उधर बैठे भाईयों के नोटिस में मै एक बात लाना चाहता हूं। जब रिवासा कान्ड हुआ और उस समय रिवासा कान्ड कमेटीके जो प्रधान बने हुए थे, आज वही कांग्रेस की सरकार में मंत्री बने बैठे है। कांग्रेस सरकार के टाईम में पीपली, रिवासा और नगीना कान्ड हुए।उन कान्डों मे जितना अत्याचार हरिजनों के साथ हुआ हैं वह किसी से छिपा नही हैं। आज यह सरकार हरिजनों के लिए आसूं बहा रही हैं। मैं तो यह कहूगां कि जितना अत्याचार हरिजनों के साथ हुआ हैं आज से पहले कभी नही हुआ था। हिन्दूस्तान मे 32 साल तक काग्रेस की सरकार रही। उस दौरान एक गरीब मजदूर को तीन और चार रूपये मजदूरी मिलती थी लेकिन अढाई साल जनता पार्टी की सरकार रही उसी के दौरान हमने निर्णय किया कि कम से कम आठ या दस रूपये डेली वेजिज पर काम करने वाले मजदूर को मिलने चाहिएं।(ाोर) आप भाान्त रहें यह जनता सरकार की देन है कांग्रेस की सरकार ने तीस इक्तीस साल मे हरिजनों के लिए कितनी चौपाल बनवाई। परन्तु जनता सरकार ने दो साल के अन्दर ही कांग्रेस सरकार से तीस गुना चौपाले ज्यादा बनाई है।

इसी प्रकार से जो हमारे स्वीपर भाई हैं व जो काम करते है उसको कोई भी दूसरा करने के लिए तैयार नही हैं। किसी आदमी को दो हजार रूपये भी दिये जाए तो भी वह उस काम को करने के लिए तैयार नही होगा। हमारी जनता पार्टी की सरकार आने के प चात उन गरीब स्वीपरो को पचास रूपये अधिक मजदूरी के दिये गए। यानि उनकी पचास रूपये महीना पे बढायी।

काम के बदले अनाज की स्कीम भी हमारी सरकार की तरफ से चालू की गई थी लेकिन आज की सरकार ने उस सारी की सारी स्कीम को बन्द कर रखा हैं। उस स्कीम से गांव के गरीब लोगों का भी भला होता था। ओर गांव का भी सुधार हो जाता था। लेकिन यह कांग्रेस सरकार जा हरिजनों के लिए ता नौ–नौ मन के आंसू बहाती है और किसानों से हमदर्दी दिखाती है, वह इन दोनो वर्गो के लिए कुछ नही कर रही है।

लोहारू के किसानो ने बिजली की मांग की लेकिन उनको उसके बदले मे लाठी और गौली मिली। इसी प्रकार से कुरूक्षैत्र वि वविधालय के विधार्थियों ने मांग की थी उनको भी यही मिला। इस सरकार के हथकंडो को हमार हरिजन भाई जो इसी सरकार मे मिनिस्टर हैं, वे भी जानते हैं लेकिन अपनी कुर्सी को कायम रखने के लिए वे कुछ नही कहना चाहते।

अब मै आपके द्वारा सरकार के नाटिस में यह भी लाना चाहता हूं कि जब से काग्रेस का राज रहा है तब से आज तक हरिजनों के लिए जो रिजर्वे ान की हुई है, वह पूरी नही हुई। हरिजनों के लिए बीस परसैन्ट कोटा मुकरर्र किया हुआ है। मुझे चार साल इस हाउस का मैम्बर बने हुए हो गये। मैने चार साल के रिकार्ड को देखा है हरिजन दस परसैन्ट भी नही है। अगर यह सरकार हरिजनो का बीस परसैन्ट कोटा पूरा दिखा दिया दे तो मै अस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। क्लास फोर को छोड़ कर किसी भी क्लास का कोटा पूरा नही है। क्लास फोर में भी इसलिए कोटा पूरा है कि जिस काम को हमारे बाल्मिकी भाई करतें है, उसको कोई दूसरा करने को तैयार नही हैं। इसलिए उसमे वह कोटा पुरा हैं वरना और किसी भी जगह रिजर्वे ान पूरी नही हैं। इस सरकार ने दमदमा बना रखा हैं कि हरिजनों का बीस परसैन्ट कोटा है। मुझे इनके कामों को देख कर रोना तो बहुत आता है परन्तु इस सरकार पर हमारी बातों का कोई असर नही होता। (विघ्न) नोटिस में लाना हमारा फर्ज बनता हैं लेकिन काम तो सरकार ने करना हैं। रोहतक में चौधरी भजन लाल गये तो उनके बारे मे चौधरी हर स्वरूप बूरा ने बडी बढा–चढा कर कर बाते कहीं। हमने भी सोचा था कि नये नये मुख्यमंत्री बने है, ईमानदारी से काम करेगें और दल नही बदलेगें। इन्होन यह भी कहा कि जनसंघी भाई बड़े डिस्पिलन के होतें हैं, वे भी हमारे साथ हैं। लेकिन जब भजन लाल जी दल बदल गये जा हमने उसी वक्त अस्तीफा दे दिया क्योकि हम तो सिद्वान्त के आदमी हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा मे भ्रश्टाचार बहुत ही ज्यादा बढता जा रहा है। एक कांग्रेसी कार्यकर्ता ने डिटेल मे हर मिनिस्टर और विधायक को पत्र लिखा है * * * * (ाोर) यह एक कांग्रेसी कार्यकर्ता ने हर विधायक को पत्र भेजा हुआ है। मै अपनी तरफ से नही कह रहा हूं बल्कि हर मैम्बर का पत्र आया हैं।

गृह मंत्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल): यह बात एक्सपंज होनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः चेयरमैन के बारे में जो कुछ कहा गया है, वह एक्सपंज कर दिया जावें।

चौधरी जय नारायणः आप चाहे तो चिट्ठी भी पे ा कर सकता हूं।

चौधरी राम लाल वधवाः डिप्टी स्पीकर साहब, सवाल यह है कि एक चीज लिख कर सभी मैम्बरों को दी जा चुकी हैं और वह किसी डिपार्टमैन्ट से कन्सर्न रखती हैं। फिर किसी चेयरमैन या किसी अफसर का भी नाम नही लिया जा रहा हैं तो वह एक्सपंज नही होनी चाहिए। उन्होने कहा है कि जो * * * * *। यह बड़ा सिरियस मैटर हैं। अगर किसी डिपार्टमैन्ट के बारे में यह भी न कहा जाये तो फिर कैसे काम चलेंगा।

श्री उपाध्यक्षः आप बैठिए। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवा: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अगर हम किसी डिपार्टमैन्ट का यहां नाम लेते हैं और वहां पर जो काई मैनेजिग डायरेक्टर या चैयरमैन लगा हुआ हैं, उसके बारे में बिना नाम लिए हुए कुछ कहते हैं तो वह बात कैसे एक्सपंज हो जाऐगी? ऐसा करने से तो यह प्रथा पड़ जाऐगी कि हम किसी डिपार्टमैन्ट के बारे मे बात भी नही कर सकेंगे।

श्री उपाध्यक्ष: उन्होने डिपार्टमैन्ट का नाम लेने के साथ–साथ पर्टिकुलरली यह भी कहा है कि वहां चेयरमैन के दामाद लगें हुए है।

चौधरी राम लाल वधवा: वह तो ठीक हैं लेमिन उन्होने उसका नाम जो नही लिया। (विघ्न)

Shri Baldev Tayal: Mr. Deputy Speaker, Sir, the whole questions is that suppose I want to level allegations against a person or an officer, haveing definite material and proof that such and such person is corrupt. What is the remedy.....

Mr. Deputy Speaker: You can give in writing.

Shri Baldev Tayal: No, Sir, there is no rule which requires that the Member should give it in writing. One alternative available is to go to the Hon. Chief Minister and bring it to his notice. But what is the other alternative we have, if we want to bring it to the notice of the House itself

that such and such man is corrupt and that such and such officer is accepting bribe?

If the allegations are vague or are of no material value, the certainly the Chair is entitled to expunge them. But if a definite allegation is levelled against a person or an officer, I think, this House is entitled to know as to who is the officer who takes bribe and is corrupt. Even in this House when allegations have been levelled against the Minister they have not been expunged. My submission to you, Sir, is only this that will be unnecessarily defending those officers or chairmen of corporations, who are corrupt, if reference3s made to them even by designation are expunged under the garb of this rule.

12 बजे

डा0 मंगल सैनः इस सदन मे माननीय सदस्य ने किसी का भ्ाुभ नाम नही लिया हैं। जिस पत्र के बारे में वे कह रहे है, वह सभी एम0एल0एज0 को दिया गया हैं। चीफ मिनिस्टर को दिया हैं ओर उसकी कापी प्राईम मिनिस्टर को भी भेजी गई हैं। वह काग्रेस का वर्कर हैं। आपके पास भी पत्र आया होगा।

श्री उपाध्यक्षः मेरे पास कोई पत्र नही आया।

डा0 मंगल सैनः आपके पास आया होगा। आप अपने कागजों को देख लें।

श्रीमति सुशमा स्वराजः यह बात जो माननीय सदस्य कह रहे थै क्या आपने उसकी एक्सपंज किया है।

श्री उपाध्यक्षः हां एक्सपंज किया हैं।

ओचित्य प्र न–

निगम/बोर्ड के सभापति या सरकार के अन्य कार्यकर्ताओं के विरूद्व पदनाम से लगाए गए आरोपों को कार्यवाही से निकालन संबंधी।

श्रीमति सुशमा स्वराजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, कई दिनों से इस सदन में यह परम्परा चली आ रही है कि जब कोई नि चत आरोप किसी के खिलाफ लगाए जाते हैं तो उस पर सताधारी पक्ष के लोग बोलने लग जातें हैं और उसे एक्सपंज करने के लिए कहा जाता हैं। चेयर द्वारा भी यह कहा जाता हैं कि इस प्रकार के आरोप नही लगाने चहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहती हूं कि यह पार्लियामैंटरी डैमोक्रेसी है। इस हाउस के अन्दर बैठने का अधिकार केवल उन्ही लागों को है जो जनता द्वारा चुन कर भेजे जाते हैं। मैं आप की एक बात कि जिन अधिकारीयों, कर्मचारियों या चेयरमैनों के खिलाफ किसी किस्म् के नि चत आरोप लगाये जाते हैं तो उस को सुनने के लिए उस विभाग से संबन्धित मंत्री यहां पर बैठता हैं। अगर इस प्रकार के आरोप नही लगाये जाऐगें तो फिर किसी

भी चेयरमैन या महकमें के बारे में चर्चा नही हो सकती क्योकि कोई भी चेयरमैन या अधिकारी हाउस मे नही बैठतां यहां पर एक किस्म से परम्परा सी चल पडी़ है कि जब इस प्रकार की बातें कही जाती हैं तो उन्हे एक्सपंज कर दिया जाता है। मैं आप को बताना चाहती हूं कि अगर किसी के खिलाफ आरोप लगाये जाते हैं तो उस विभाग से संबन्धित मंत्री अपना जवाब दे सकता हैं। इन्होने खादी बोर्ड के चेयरमैन के बारे मे कुछ बातें कही हैं। उस का नाम नही लिया हैं। खादी बोर्ड इन्डस्ट्रीज डिपार्टमैन्ट के नीचे आता है। अगर किसी प्रकार की कोई गलत बात हो तो उसका जवाब इन्डस्ट्रीज मिनिस्टर दे सकजे हैं। इसलिए मैं आप से गुजारि ा करती हूं कि एक्सपंज करने की रूलिग को आप रिकन्सिडर करें। ये भाब्द एक्सपंज नही होने चाहिएं। मैं आप को यह भी कहना चाहती हूंक कि अगर किसी पर निि चत तौर पर आरोप लगाये जाते हैं तो वे भाब्द एक्सपंज नही होने चाहिए। This is my point of order and I want your definite fuling on it.

Mr. Duputy Speaker : I reserve my ruling and I will give it later on.

वर्श 1981–82 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी जयनारायणः डिप्टी स्पीकर साहब, जब सन् 1979 में चौधरी भजन लाल मुख्यमंत्री बने थे तो इन्होन कलानौर के अन्दर 25 बैड का एक हस्पताल बनाने की घोशणा की थी उस हस्पताल को बनाये जाने के लिए पिछले साल के बजट में भी

घोशणा की गई थी। लेकिन आज तक उस हस्पताल का काम चालू नही हुआ और न ही उस हस्पताल को बनाये जाने के लिए कोई ईंट आदि रखी गई है। मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा था कि गुडाना और कलाना माईनर को भी भीघ्र बनवा दिया जाऐगा लेकिन वहां का काम भी अभी तक नही हुआ हैं। इसी प्रकार से कलानौर के अन्दर जितनी सड़के बन रही ळीं उन सब पर काम ठप्प हो गया हैं। इस दे ा के अन्दर बेरोजगारी दिन प्रति दिन बढती जा रही हैं। प्रदे ा में काफी बेरोजगारी है इसी प्रकार से एम0आई0टी0सी0 जो खालें बनाती है, उन पर किसान अपना खर्चा माफ कराने के बारे में एजीट ान कर रहे हैं। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए और यह खर्चा बिल्कूल माफ करना चहिए। मुख्यमंत्री महोदय को उनकी बातें ध्यान से सुननी चाहिएं। उपाध्यक्ष महोदय, आप ने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए आप का धन्यावाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

कैप्टन मांगे राम(झज्जर–अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, आज सदन मे वर्श 1981–82 के बजट पर चर्चा हो रही हैं। इस चर्चा पर मैं भी अपने कुछेक ख्यालात प्रकट करने के लिए खड़ा हूं। सबसे पहले तो मैं फाईनैन्स मिनिस्टर और उनके स्टाफ को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होने इस बजट को बडी़ लगन और मेहनत के साथ बनाया हैं, यह बजट बड़ा सराहनीय और बड़ा रंगीला है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट के अन्दर कर्मचारियों को भी कुछ राहत दी गई है। हमारी सरकार ने सितम्बर, 1980 की महंगाई भत्ते की देय कि त भी कर्मचारियों को दी हैं। यह रा ि ा फरवरी के मास तक तो कर्मचारीयों के जी0पी0एफ0 में जमा कर दी जाएगीं और मार्च से नकद भुगतान किया जाऐगा। यह हमारी सरकार ने बडा़ सरहानीय काम किया है।

सतबीर सिंह मलिक जी ने जो बजट अपने समय मे पे ा किया था ता उसका विरोध बाबू मूल चन्द जैन जी ने और कई अन्य सदस्यों ने किया था। उसके बाद बाबू मूल चन्द जैन जी ने जो बजट पे ा किया था। उसका विरोध सतबीर सिंह मलिक ने और संत कंवर जी न किया था।उन्होने उस बजट किसान विरोधी बजट कहा था। इनके बाद, जब से चौधरी भजन लाल जी के मुख्य मंत्री बने हैं पिछले साल लाला बलवंत राय तायल जी ने बजट का इस बार विरोधी पक्ष के सदस्यों ने विरोध प्रकट नही किया और न ही वाक आउट किया। इस से साफ प्रतीत होता ळे कि इन्होने भी इस बजट को स्वीकार किया है।

इस बजट के अन्दर 49 करोड़ रूपये के करीब घाटा है। इस घाटे को हमारी सरकार सैन्ट्रल असिस्टैंस तथा अन्य तरीकों से पुरा करने की कों ि ा ा करेगीं।

जो बजट सतबीर सिंह मलिक जी ने पे ा किया था उस के बारे जैन साहब ने तो यह कहा था कि इस बजट को

पुराने आकड़ें उठा करके रख दिया है। इसलिए मै फाईनैंस मिनिस्टर चौधरी खुर ाीद अहमद और उन के स्टाफ को दोबारा मुबारिक बाद देता हूं।

बाबू मूल चन्द जैन जी ने इस बजट का हरिजन विरोधी बताया है और सतबीर सिंह जी ने इसे किसान विरोधी बजट बताया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इस बजट का न तो किसान विरोधी मानता हूं और न ही हरिजन विरोधी मानता हूं। मैं अपने सच्चे दिल से कहता हूं कि हरियाणा के अन्दर जब से चौधरी भजन लाल मुख्यमंत्री बने है, 80 प्रति ात जातपात का जहर दूर हो गया है। यह इनकी कोि ा ा है कि हरियाणा के अन्दर जातपात बिल्कूल समाप्त हो जानी चाहिए।

श्री मूल चन्द जैनः थोडी़ देर पहले जब आपके पडो़सी रिजकराम जी बोल रहे थे उस समय आप क्यों नही बोलें।

कैप्टन मांगे रामः प्रत्येक एम0एल0ए0 को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार हैं। इस बजट के अन्दर जो घाटा दिखाया गया हैं इसे देखकर घबराना नही चाहिए। हमारी सरकार ने छठी पंच वर्शीय योजना के लिए 1800 करोड़ रूपये रखे हैं जो पहली योजना से तकरीबन तीन गुना है। इससे पहले इतना अधिक पैसा किसी भी पंचवर्शीय योजना में नही रखा गया हैं। हमारी केन्द्रीय क्षैत्र योजना 30 करोड़ 10 लाख रूपयेकी है। हमारे राज्य का 1981–82 का टैनटेटिव प्लान 290 करोड़ रूपये का है जबकि

पिछले साल यह प्लान 253 करोड़ 78 लाख रूपये का था। उससे पहले सिर्फ रसूख से सैंटर से ज्यादा पैसा लायी हैं ताकि हमारी हरियाणा स्टेट की ज्यादा तरक्की हो सके और यहां पर ज्यादा काम हो सके। हमारी स्टेट की 80 प्रति ात अबादी जो कि खेतीबाड़ी पर निर्भर करती हैं, के लिये बजट का 40 प्रति ात हिस्सा रखा गया है। मेरे इलाके के लागों की सिर्फ एक ही आवाज थी कि उनका ज्यादा बिजली दी जाये। झज्जर तहसील और सात्हावास के हल्कों में भी बिजली की कमी रही हैं पिछले दिनों बारि ा भी नही हुई, थर्मल प्लान्टस भी कुछ खराबी के कारण बन्द हो गये और इंजीनियर्ज़ की स्ट्राईक के बावजूद चौधरी भजन लाल की सरकार ने बड़ी होि ायारी से काम किया और सिचुए ान का बिगड़ने से बचाया।(व्यवधान) जो फरीदाबाद और पानीपत के थर्मल प्लान्टस खराब हो गये थें, उन्हे हरियाणा स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड के चेयरमैन ओर दूसरे स्टाफ ने बडी फूर्ती से ठीक कर दिया इसके लिये मैं चौधरी भजन लाल जी को मुबारिकबाद देता हूं। इसके अलावा मैं चौधरी भजन लाल जी से यह दरखास्त करूंगा कि एस0वाई0एल0 के पानी का मामला भी जल्दी हीं सरदार दरबारा सिंह से मिलकर सैटल कर दें ताकि बिजली और पानी की जो प्रदे ा में कमी हैं, वह दूर हो सके। झज्जर और साल्हावास को इलाका ऐसा है जो सूखा है और रेतीला हैं। इस पानी आने से इस इलाके के लागो को पानी मिलेगा तो झज्जर साल्हावास नहर द्वारा चरखी दादरी के रेतीले खेतों मे भी अनाज पैदा होगा। इसलिए मै चौधरी भजन लाल से

जी से यह रिक्वैस्ट करूंगा कि इस मामले को जल्दी से जल्दी हल करवाने की कृपा करें। एक बात और मैं अपनी सरकार से कहना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़ में जिस नहर से इलैक्ट्रिसिटी चार्जिज मे स्पे ाल कन्सै ान दिया गया हैं, उसी तरह से झज्जर साउथ जाकि उतना ही रेतीला इलाका है और फ्लड इफैटिड एरिया है, उसको भी दिया जाना चाहिये। मै चौधरी भजन लाल जी से यह रिक्वैस्ट करूगां कि जिस तरह से उन्होने यह कन्सै ान महेन्द्रगढ़ को दिया हैं, असी तरह से यह कन्सै ान झज्जर को भी दिया जाना चाहिऐ। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको यह पता है कि झज्जर फ्लड इफैक्टिड एरिया है, वहां पर पिछली दफा 10–12 गांव पानी मे डूब गये थें। जो जमीन बाढ के वक्त पानी में डूब गयी थी उसको एक्वायर करके एक भिडावास झील बनायी गयी है। जब वहां पर बाढ से तीन चार गांव तो बहुत ज्यादा अफैक्टिड हैं एक ता है चढवाना, दूसरा है खापड़वास और तीसरा मुंडाडा हैं। इस झील के बनाते वक्त विलेज चढवाना की जमीन एक्वायर की गयी हैं। चढवाना से मुडाडा गांव को जाने वाले रास्ते पर जहां नहर कैनाल और भिडावास लेक मिलती है वहां पर एक पुल बनना चाहियें। इसके अलावा खापड़वास से मातन गांव के बीच मे भी पुल बनना चहियं । इसके अलावा अहरी गांव के पास भी एक साइफन की जरूरत है। या तो वहां पर पुल बना दिये जायें या साइफन बना दिये जाये ताकि लोगों की गाड़ियां आराम से इधर उधर आ जा सकें। एक सुलोघा गांव है, वहां पर ड्रेन न0 8 के ऊपर पुल बनाना चाहिए ताकि लोगों को

आने जाने का रास्ता मिल सकें मैं इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि व जरा इस बारे मे ध्यान दें और इन्हे जल्दी से जल्दी बनवानें की कृपा करें। इससे ज्यादा मै इस बारे में कुछ नही कहना चाहता। एक बात मै और कहना चाहता हूं अभी पिछले दिनों हमारे फाईनैंस मिनिस्टर चौधरी खुर ाीद अहमद और चीफ मिनिस्टर चौधरी भजन लाल जी हमारे झज्जर मे गयें थें वहां पर जो गेदरिंग हुई थी, उसको तो उन्होने देख ही लिया था। वहो पर एक ही डिमान्ड थी कि झज्जर को इंडस्ट्रियली बैकवर्ड डिक्लयर करवाया जाये। मुझे बेहद खु ाी है कि चौधरी भजन लाल जी ने झज्जर तहसील को भी नारायणगढ़ और कालका वगैरह के साथ इंडस्ट्रियली बैकवर्ड एरिया करने के लिये भारत सरकार को रिकमैड करके केस भेजा है। मै यह जानता हूं कि जब चौधरी देवी लाल इस प्रदे ा के मुखय मंत्री होते थें और डा0 मंगल सैन जी इण्डस्ट्रीज मिनिस्टर हुआ करते थें, उस समय भी ये लोग वहां पर वायदा करके आये थें कि इस तहसील को इंडस्ट्रियली बैकवर्ड डिक्लेयर करवा देंगें डाक्टर साहब ने सिर्फ यकीन ही नही दिलाया था कि इस तहसील को इंडस्ट्रियली बैकवर्ड कर दिया जायेगा बल्कि डिक्लेयर भी कर दिया था कि यह आज से ही हो गयी है लेकिन जब भारत सरकार को केस भेजा गया तो वहां से केस रिजैक्ट होकर आ गया।(व्यवधान) तब तो नही हुआ लेकिन अब मुझे पूरी उम्मीद है और पूरा वि वास है कि चौधरी भजल लाल जी ने जो इस तहसील को इंडस्ट्रियली बैकवर्ड डिक्लेयर करने के लिये केस भेजा है, वह सिरे चढ जाऐंगां।

चौधरी राम लाल वधवाः केस तो हमने भी भेजा था। मन्जूर नही हुआ, यह अलग बात हैं।

कैप्टन मांगे रामः झज्जर एक बहुत बडा भाहर हैं। पुराने पालिटि ियंज को तो पता हैं कि झज्जर को जिला बनाने की मांग थी। अगर वह जिला बन जाता है तो उसमे कोसली और बहादुरगढ तहसीलें होती। जिला जो क्या बनना था लेकिन उस के कुछेक गांव निकाल कर पटोदी से मिला दिए।(विघ्न) मुझे खु ाी है कि गुहला तहसील बनायी गयी है लेकिन मेरा कहना यह है कि झज्जर जिसकी भाुरू से जिला बनाने की मांग थी, उसमे से ये लोहारी, पाटौधा और सुलतानवाली खेडी गांव निकाले गये है, ये नही निकाले जाने चाहिए थें। इसके अलावा मेरी मांग यह भी है कि झज्जर के लिये कोई न कोई रेलवे लिंक दिया जाना चाहिये। इसके बाद जो सबसे इम्पोर्टटैन्ट मांग है, वह यह है कि जा झज्जर मे 24 बैडज का हस्पताल बना हुआ है, उसको 50 बैडज का बनाया जाये। इस बारे में चौधरी भजन लाल जी से ने हमें यकिन भी दिलाया था कि इसे 24 से बढाकर 50 बैडज का कर दिया जायेगां। इसी तरह से झज्जर मे आई0टी0आई0 और 132 के0वी0 का पावर सब स्टे ान अव य बनाया जाये। जब कोसली जो कि झज्जर तहसील से कम इम्पोर्टटैन्ट जगह है, वहां पर पावर सब स्टे ान अव य बनाया जाना चाहिये ताकि खेतों को पानी देने के लिए और डामैस्टिक कन्ज़प ान करने वाले लोगो को सुविधा हो सके। झज्जर दिल्ली दरवाजे, मुहल्ले मे पानीकी कमी

है क्योकि अव ऊंचाई पर है। हमारे मुख्य मंत्री और चौधरी खुर ाीद अहमद साहब वहां पर यह एलान करके आये थे कि पानी की समस्या कल करने के लिए 2 लाख रूपया देगें।पता नही वह पैसा इन्होने अभी तक भेजा है या नही?

वित्त मंत्री (चौधरी खुर ाीद अहमद): वह पैसा चला गया है।

कैप्टन मांगे राम: अगर चला गया है तो आप का बहुत –बहुत धन्यावाद। इसके लिये भी सरकार बधाई की पात्र है। इसके अलावा फौजियों के बारे मे भी बात करना चाहता हूं। फौजियो के बारे में गवर्नर साहब ने अपने एड्रे में भी पढा था। रोहतक के फौजियों की री–युनियन में गांव पत्र का जवाब देते हुए उन्होन कहा था कि मै आपकी बात सरकार से जरूर कहूंगा कि जिस तरह से रोहतक में डिफैन्स कालोनी हैं, उसी तरह से झज्जर में भी एक डिफैन्स कालोनी बनायी जानी चाहिये। मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह अपील करूंगा कि वे इस मामले पर फौरन विचार करें और वहां पर फौजी लोगों के लिये कोई न कोई डिफैन्स कालोनी बनायी जायें।

एक बात मै और कहना चाहता हूं कि 1–1–1973 से पहलें जो फौजी पैन ान पर आये है, उनकी पैन ान आज रिटायर होने वाले फौजियों की पैन ान के मुकाबले मै बहुत कम हैं। आज जो फौजी रिटायर होता हैं, उसकी पहले से दोगुनी पैन ान बनती

हैं। इस बारें मे प्राईम मिनिस्टर साहब से हमारे मुख्य मंत्री महोदय जी ने बात करने के लिये कहा था, मुझे आ ाा है कि वे जल्दी ही इस बारे मे उनसे बात करेंगें। इसके बाद मैं यह भी कहना चाहूगां कि जिस तरह से हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिस की फाइनैंि ायली मदद करने के लिये आपने कारपोरे ान्ज बनायी है उसी तरह से मै यह चाहूंगा कि एक्स–सर्विसिज की भलाई के लिये भी एक कारर्पोरे ान बनाई जानी चाहिये। इसके लिये सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाने चाहियें। डिप्टी स्पीकर साहब, रोहतक जिला फौजियों का जिला है। वहा पर बडे– बडे रिटायर्ड फौजी अफसर रहते हैं। तीन जनरल वहां पर है। एक तो मेजर जनरल दरियाव सिंह दूसरे है मेजर जनरल एस0एस0 कल्याण और तीसरे है लैफटीनैन्ट जनरल के0 के0 सिंह जिस वक्त लोक सभा के स्पीकर श्री बलराम झाखड़ वहां पर आये तो लोगों की एक ही डिमांड थी कि फौंजियों के लिये एक कालोनी बननी चाहियें। इसके अलावा उनकी रिजर्वे ान के बारे मे यह कह दिया जाता है कि सूटबल आदमी नही पाये गये। कई बार सरकारी अफसर कहते है कि हमे सूटेबल आदमी नही मिलतें। इस बारे में मैने लिखकर भी मुख्य मंत्री महोदय को दिया है। मुझे आ ाा है कि मुख्य मंत्री महोदय उस पर विचार करेंगें। इसके अलावा मै फारैस्ट का भी जिक करूगां। फौरेस्ट डिपार्टमैन्ट को भी मै बधाई देता हूं कि उसने बहुत ज्यादा पौधे और सफेदे वगैरह के दरख्त लगाये है जो पहले कट गये थें। जो कमी थी, उसको इसने अब पूरा कर दिया है। इसी तरह से स्ट्रीट लाईट के बारे में

मै यह कहना चाहूंगा कि गांवों में भी स्ट्रीट लाईट दी जानी चाहिये मुझे आ ाा है कि इस बारें में सरकार लोगो की पूरी मदद करेंगी। मुझे बड़ा अफसोस हुआ जब हमारे पुराने साथी मास्टर ि ाव प्र ााद जी ने कहा कि बिजली है ही नही, ये तो थोथे खम्बे खड़े कर रखे हैं। मैं उनसे कहूंगा कि हाथ लगाकर देखो, साथ ही न लटक जाओ जो मुझे कहना। यह खम्बे चौधरी भजन लाल जी के लगाए हुए है होि ायारी से होथ लगाना। जरा छू कर जो देखो थोथे ही या भरे हुए है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै मैडिकल कालेज हस्पताल रोहतक के बारे में कुछ सुझाव देना चाहता हूं। यह एक ऐसा इंस्टीच्यूट है जहां हरियाणा से और हरियाणा के बाहर से लोग इलाज कराने के लिए आते हैं। इसके अन्दर मैडीकल इक्यूपमैंट की कमी हैं जिसको दूर करना बहुत जरूरी हैं। सरकार को मेरा सुझाव है कि इस कालेज के लिए अगर वह पच्चीस लाख रूपये का हर साल प्रोवीजन कर दे तो यह बीमारी चार साल में दूर हो सकती हैं और चार साल के अन्उर सारे इक्यूपमैंट खरीदे जा सकते है। डिप्टी स्पीकर साहब, वहां पर एक मैकेनाइज्ड लांडरी की भी जल्दी से जल्दी बनाने की आव यता हैं। इसके अलावा वहां पर पेडरियाटिक सरजरी, बरन्ज एण्ड प्लास्टिक सरजरी, निरी सरजरी एंड हर्ट सरजरी के लिए अलग अलग थिएटर्ज होने चाहिएं। पोस्ट ओपरेटिव पे ोन्ट्स के लिए एक स्पै ाल वार्ड होन चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, ग्लाकोज वाली बात कल भी क्वैयचन

आवर में आई थी और आ वासन दिया गया था कि वहां ग्लोकोज प्लांट लगा दिया जाएगां। मेरी प्रार्थना है कि जल्दी से जल्दी ग्लोकोज प्लांट लगाया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै ला एण्ड आर्डर के बारे में कहना चाहता हूं। हमारी पुलिस का जो स्टैन्डर्ड है और डिस्पिलन हैं उस तरह का स्टैन्डर्ड और डिस्पिलिन किसी और जगह की पुलिस का नही है। कल यहां पर कहां जा रहा था कि पुलिस की कोई जरूरत नही है, यह कितनी गलत बात हैं। कई लोग जा यहां तक कहते हैं कि फौज की कोई जरूरत नही हैं, इस तरह की बाते कैसे मानी जा सकती ळें। डिप्टी स्पीकर साहब, हमे अपली पुलिस के काम पर गर्व हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा, पंजाब दिल्ली और महाराश्ट्र की पुलिस का मुकाबला नही कर सकता। जब यहां पर लोक दल का राज था जो एक दफा चौधरी भोर सिंह और परमानन्द तुली श्री जगजीवन राम को रोहतक लाए थें। वहां पर धंवन्तरी गर्ल्ज हाई स्कूल का कोई फंक ान था। जब श्री जगजीवन राम रोहतक भाहर से स्टेज की और आ रहे थे ता रास्ते में कालेज के लड़को ने पथराव करके उनकी कार के भाी ो तोड़ दिये गन्दे नारे लगाये, काले झण्डे दिखाये। वे स्टेज की जगह के बाहर भाोर मचा रहे थें, पुलिस ने कोई हस्तक्षेप नही किया। (व्यवधान) चौधरी भजन लाल वहां मौजूद थे। इन्होने कहा कि इस गुण्डागर्दी के खिलाफ एक ान लिया जाए और अगर नही लिया जाएगा जो मै रिजाइन कर दूंगा (व्यवधान) मेरा कहना यह

है कि बाहर से किसी भी पार्टी का नेता आए हमको उसको सुनना चाहिए, उसका आदर करना चाहिए। जो आदमी भारत का रक्षा मंत्री हो जो जनता का इतना बड़ा लीडर हो, उसका सम्मान करना चाहिए लेकिन उस वक्त ऐसा नही किया गया। अक तो इस प्रदे ा मे ला एण्ड आर्डर की हालत पहले से बहुत अच्छी है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। जिन पुलिस स्टे ानों की बिल्डिंग्ज़ की हालत खराब है और जो बिल्डिंग्ज़ फ्लड में टूट गई थी उनकी फौरन मरम्मत करानी चाहिए। हालत यह हैं कि हमारे यहां के दफा 304 के मुलजिम बेरी जाते है क्योकि हमारे यहां के पुलिस स्टे ान की बिल्डिंग टूटी हुई हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मै इतना ही कहकर समाप्त करता हूं। धन्यावाद।

चौधरी सतबीर सिंह मलिक (नौलथा): उपाध्यक्ष महोदय, मै इस बजट की तुलना, एक ऐसी बदसूरत औरत से करने जा रहा हूं जिसको फाइनैंस सैक्रेटरी ने बहुत अच्छी तरह से सजा करके, बिन्दी लगा कर, पाउडर लगाकर और अच्छी साड़ी पहना कर मियां जी की मारफत हाउस के अन्दर पे ा किया हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट को पढ़ने के बाद दो जीन चीजें हमे हमें मिलती है। इस बजट की मारफत मियांजी ने अपने पुराने साल की कारगुजारी को द ार्शाया हैं और बताया है कि पिछल साल में उनकी क्या–क्या कारगुजारी रही हैं।(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, यह ऐसा कन्फ्युज्ड बजट है, ऐसा बजट हरियाणा और

ज्वायंट पंजाब के अन्दर कभी भी पें ा नही हुआ होगा। स्पीकर साहब, इस बजट स्पीच के अन्दर ये खुद मानते है कि नै ानल प्रोडक्ट 4.5 प्रति ात निचे आई हैं। दूसरी बात उन्होन मानी है कि पर–कैपिटा इन्कम में गिरावट आई हैं। यही नही इस सरकार ने यह भी माना है कि 36 प्रति ात आबादी गरीबी की रेखा से निचे हैं। स्पीकर साहब, 36 प्रति ात लोग कौन हैं? ये वे लोग हैं जिनको दो वक्त की रोटी नही मिलती, जिनको कपड़ा नही मिलता। इस सरकार ने यह भी माना है कि रेट आफ इन्फले ान बढ़ा हैं। फिर यह सरकार और खास तौर पर बूरा साहब कहते है कि यह बड़ा प्रोग्रैसिव बजट है। मुझे बड़ा अफसोस होता है कि जब इन्फले ान बढ़ा हो, पर–कैपिटा इन्कम घटी हो, 36 परसैन्ट लोग पावर्टी लाईन से नीचे हों, ऐसी हालत में भी उस बजट को प्रोग्रेसिव बजट कहा जाए। इसका मतलब है कि इनको पता ही नही हैं कि यह सिलसिला क्या बनने जा रहा है ओर बजट होता क्या है और यह सरकार क्या करने जा रही है। इस बजट स्पीच की मारफर इस सरकार को वायदों की सरकार बनाया जा रहा हैं। सरकार कह रही है कि हम यह करेगें हम फलां चीज करेंगं (ाोर एव व्यवधान)। स्पीकर साहब, इन्होन कहा है कि मेवात में डिसपैनसरिज़ खोलेंगे। डिस्पैन्सरिज़ खोलन से किसी स्टेट की डिवैन्पमैंट नही हो सकती हैं। डिवैन्पमैन्ट तो जो तीन–चार चीजें ऊपर कहीं है, उनको दूर करने से होती हैं। स्पीकर साहब, पिछली सरकार की कुछ नितियां जिनमें गरीबों का भला हो सकता था, वे इस सरकार ने छोड़ दी हैं। मैचिंग ग्रांट की स्कीम को हरियाणा

के अन्दर हमारी सरकार ने भाुरू किया था। उस स्कीम से यह फायदा था कि देहात के जो लोग डिवैल्पमैंट चाहते थे वे मैचिगं ग्रांट लेकर अपने इलाके भी डिवैल्पमैंट कर लेते थे। जब से चौधरी भजन लाल की सरकार आई है उसने वह स्कीम छोड़ दी हैं। हमारी सरकार के वक्त में जो लोगों ने मैचिग ग्रांट के लिए पैसा दिया था वह भी हज्म हो गया है। स्पीकर साहब, क्या इसी को प्रोग्रेसिव बजट कहते हैं, क्या इसी से गरीबों की गरीबी दूर हो करेगें? हमारे वक्त मे फूड फार वर्क की स्कीमे चालू थी। उससे यह फायदा था कि गरीब लोगों को खाने के लिए अनाज भी मिल जाता था और देहात की डिवैल्पमैंट भी हो जाती थी। जब से चौधरी भजन लाल की सरकार कुर्सी पर आई हैं इसने एक किलो गेंहू भी फूड फार वर्क के लिए नही किया।

स्पीकर साहब, इससे आगे अब मै डेयरी डिवैल्पमैंट स्कीम के बारे में बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने दो करोड़ रूपया इस स्कीम के लिए रखा था कि इस रा ि ा से छोटे–छोटे यूनिट्स स्थापित किए जाएंगे लेकिल भजन लाल की की सरकार आने पर इस स्कीम पर बिल्कूल पानी फेर दिया गया। इस स्कीम को बन्द कर दिया गया। इसका असर यह हुआ कि जिन लड़को ने इस के लिए ट्रेनिंग ली थी, वे बेचारे मारे–मारे फिर रहे हैं और उनको नोकरियां भी नही दी गई। जब बैंको से लोन की बात आती है तो यह कहते हैं कि उनके पास पैसा नही हैं। असल बात तो यह है कि चे जो बैन्कस है, ये देहाती लोगों को पैसा देना

चाहते ही नही। हमने स्पीकर साहब,पहले एक प्रोपोजल रखी थी कि यह जो केाओप्रेटिव बैंक और लैंड मार्टगेज बैंक है इनकों देहात के लोगों को कर्जा देना चाहिए। इस बारे में एक कमेटी मुख्य मंत्री की अध्यक्षा में हमनें बनाई थी और उसमें यह निर्णय लिया गया था कि देहाती बैंको को और फायनैन्स किया जाए और इन दोनों बैंक बना दिया जाए। जो अन–एम्पलायड लोग है, उनको इसकें नौकरियां दी जाए। मुझे बडे दुख के साथ कहना पड़ता है कि उस में चौधरी भजन लाल भी थे लेकिन इन्होने इस तरफ किसी प्रकार को ध्यान नही दिया। यह कहा जा सकता कि इन कामेा के लिए, उनके पास समय नही हैं वे तो इन ****** की तरफ ही, जो यहां पर बैठे हैै ध्यान दे रहें हैं, देहात के लोगों की कठिनाई को देखने के लिए उनके पास समय नही है।(ाोर एवं व्यवधान)

लोक निर्माण राज्य मंत्री (श्रीमति भाकुन्तला भगवाड़िया): स्पीकर साहब, मैम्बर साहब, इधर बैठने वाले सभी आनरेबल मैक्बर्ज़ मैम्बर्ज़ को ********** कह रहे है, यह उनका भााभा नही देता। यह भाब्द एक्सपंज होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह लफ्ज एक्सपंज किया जाए।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, इस सरकार ने बजट स्पीच में इस बात का इ ाारा किया है कि वे क्राप इं ाोरेन्स करेंगे लेकिन इसके बजट में कोई पैसा निर्धारित नही

किया गया हैं। कब करेंगे कहां से करेगें, इस बारे में कुछ नही बताया गया हैं। यह भी नही बताया कि क्या इसकी रूपरेखा होगी और कब वह तेयार होगी। हमारी सरकार जो इस बारे में पूरी तरह से जागरूक थी कि किसानों की आप की इं ाोरेन्स करेगें लेकिन अब मीयां जी ने अपनी बजट स्पीच के अन्दर कही कोई इ ारा नही दिया कि हम कहां से क्राप इं ाोरेन्स करेंगे।

जिस वक्त हमारी सरकार थी, तब एक कमेटी बनायी गयी थी। चौधरी भजन लाल, ब्रिगेडियर रण सिंह और मै, उस कमेटी के मैंबर थें। उस वक्त यह फैसला किया गया था कि हम किसानों से एक रूपया पर एकड। के हिसाब से क्राप इं ाोरेन्स का जमा करवाऐगें ओर अब इस सरकार ने यह किया है कि 20 रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसानो से क्राप इन्सोरेन्स का जमा करवाया जाएगां। इन्होने जो 49 करोड़ रूपये का घाटा दिखाया है उसको इसी तरह से किसानों से जजिया के रूप में लेकर पूरा करेगें (ाोर ओर व्यवधान) स्पीकर साहब, ये कहते है कि हमारी सरकार किसानों की भलाई के लिये हैं किसानों की हितकारी है। मै तो यह कहता हूं कि यह सरकार किसान विरोधी सरकार है, किसानों को मारने पर तुली हुई है।

स्पीकर साहब, अब मै कुछेक बातें बिजली के बारे में भी कहना चाहता हूं। आज हरियाणा के अन्दर बिजली की समस्या बडी भारी समस्या का रूप धारण किये हुए हैं। किसानों को केवल दो घण्टे ही ट्यूबवैलो के लिये बिजली मिलती हैं और गरीब

किसानों का इसके बदले में, लाईन का खर्चा, मीटर का खर्चा, मीटर रिडिंग का खर्चा बिल के रूप में यूहीं फालतू भरना पड़ता हैं जो कि एक किस्म का उसके ऊपर बोझा है। स्पीकर साहब, जो सरकार गरीब किसानों को बिजली मुहैय्या नही कर सकती, उसको किसानों से बिलों की रिकवरी करने का भी कोई हक नही हैं।

स्पीकर साहब, इससे आगे मैं इस सरकार के कारनामों की चर्चा करना चाहता हूं । पिछले दिनो इस सरकार ने किसान रैलीके नाम से एक पाखण्ड रचाया था। स्पीकर साहब, आपको याद होगा कि एक किसान रैली पहलै भी हुई थीं। उस रैली में लोग अपने घरो से खर्चा करके भाामिल होने के लिए आये थे। इस सरकार ने क्या किया? पटवारीयों और बी0डी0औज0 की इस काम के लिये डियूटी लगाई गई कि आप आदमी इक्ट्ठे करके भेजो। स्पीकर साहब, ऐसा ही हुआ, लोगों को घरों से जबरदस्ती निकाल कर दिल्ली भेजा गया और लोगों के ट्रकों का जबरदस्ती इस्तेमाल किया गया। यह एक किस्म की किसानों के नाम से क्रप ान थी जो इस सरकार ने भी है और गरीब किसानो को हर प्रकार से एक्सपलायट किया हैं (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, यह सरकार तो किसानों का खून कर रही हैं यह किसान विरोधी सरकार हैं (ाोर एव व्यवधान) जो जो कारनामे इस सरकार ने किये हैं, उन्को ब्यान नही किया जा सकता।

स्पीकर साहब, क्रप ान जो इस सरकार ने जगह जगह पर पहुंचा दी है। जो ईमानदार अफसर थें, उनको भी इस सरकार ने बेईमान बना दिया हैं। अफसर सच्चे दिल से, ईमानदारी से इस प्रान्त की सेवा करना चाहतें हैं लेकिन इस सरकार ने उन्हे क्रप ान के रास्ते पर ला कर खडा कर दिया हैं। इस सरकार ने उन्हे मजबूर किया कि वे क्रप्ट बनें। एक पानीपत का उच्च आधिकारी हैं, मैं उसका नाम नही लेना चाहता। उसको इसक बात के लिऐ मजबूर कर दिया गया कि वह 10 हजार रूपया चीफ मिनिस्टर के सचिवालय के, नम्बर दो के आदमी को दें। मैने उस आदमी को कहो कि आप तो बड़े ईमानदार आदमी थे, आप ऐसा काम क्यों कर रहे हैं? तो वे कहने लगे कि मै टैलीफोन पर नही बता सकता, मैं भााम को आपके घर आकर बताऊंगा। उसने ट्रांसफर के लिये ऐप्लीके ान दी कि मेरी ट्रांसफर कर दी जाए, मै इस काम के लिए धन इक्कठा नही कर सकता लेकिल उसकी ट्रांसफर भी नही की गयी। वह कहने लगा कि जब सरकार मुझे खुद ही क्ररने पर तुली हुई है तो फिर मै भी अपने हाथ क्यों न धो लूं? इस प्रकार स्पीकर साहब, वह ईमानदार अफसर भी इस सरकार के राज मे क्रप्ट हो गया।(ोम भोम की आवाजें आई)

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): आप नाम जो बता दो कि वह कौन अफसर है? (ाोर एव व्यवधान)

चोधरी सतबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, वह पानीपत का सब–डिविजन का सब से बडा अधिकारी है। इससे ज्यादा मै

और नही कहना चाहता।(ाोर एव व्यवधान) इस सरकार ने एक ईमानदार अफसर को खुद दबाव डाल कर क्रप्ट किया है। इस सरकार के राज में किसी ईमानदार अफसर को ईमानदार नही रहने दिया जाता।

इसके बाद स्पीकर साहब, मै बताना चाहता हूं कि मीआं जी ने अपने बजट में 50 करोड़ रूपये का घाटा दिखाया हैं। मेरी समझ में नही आता कि ये इस घाटे को कैसे पूरा करना चाहते हैं। 12 करोड़ रूपये के लगभग तो ये सरकारी नोकरियों मे लगे हुए कर्मचारियों को निकालने से करेगें। एक तरफ तो ये अन–इम्पलायमैन्ट की बात करते हैं और दूसरी तरफ रिट्रैन्चमैट करने पर तुले हुए हैं। इस सरकार के लिए यह बड़ी भार्म की बात हैं। जो देहाती लोग पढ़े–लिखे लोग हैं, अपनी खुान पसीने की कमाई कर रहें है, उनके लिये इस सरकार के पास कोई समाधान नही हैं। दूसरी तरफ इन्होने जातिपाति के आधार पर बि ानोईयो की जाकि राजस्थान से हैं, यू0पी0 से है, 50 परसेन्ट सरकारी नौकरीयों मे भर्ती की गयी है। देहातो मे रहने वाल जो अन–इम्पलायड लोग है, उनकी प्रोबलम साल्व करने में ये बिल्कूल असमर्थ रहें हैं।(ाोर एव व्यवधान) मै मियां जी को कहना चाहता हूं कि ये जो आपकी कारपोरै ान घाटे मे चल रही है, आखिर कब तक इन को अपने पावों पर खड़ा करने की कोि ा ा करते रहोगे? अगर वही कारपोरै ान आज प्राईवेट सैक्टर्ज में होती तो करोड़ो रूपये को मुनाफा कमाती। अब जो चह सरकार घाटे मे

चल रही हैं, यह घाटा सरकार को न होता। इस घाटे को दूर करने के लिए मै आपको एक तरीकां बताता हूं क इन सभी कारपोरै ान के हैड क्वार्टर्ज चण्डीगढ़ की बजाये हरियाणा में बनाये जाएं। वहां जोन से कैपिटल अलाउंस खर्चा बचेगा।इसके अलावा हरियाणा के लडको को नोकरियां भी मिलेगी। इस समय कोर्पोरे ान मे 90 प्रति ात लोग पंजाब, हिमाचल और दूसरे प्रदे ाो के लगते है क्योकि इनमें जो अफसर है वे कही पर अपने भाई को, कही पर अपने भतीजे को या और रि तेदारो को लगा देते हैं। आपको हैरानी होगी, मै मिसाल दे सकता हूं कि एक एक खानदान के दस दस आदमी लगे हुए हैं जो इन अफसरो के रि तेदार हैं। इस तरह से हरियाणा के पैसे के साथ खिलवाड किया जा रहा है। पैसा तो हरियाणा का है और नौकरियां दूसरे प्रान्तो के लागो को दी जा रही हैं। अगर इन कोर्पोरे ान के हैडक्वार्टर्ज हरियाणा मे जाएंगे तो आपके सेल्ज टैक्स की भी बढोतरी होगी, और वहो पर लोगों के मकान भी किराए पर चढेगें जिससे उनको भी कुछ आमदनी होगी। ऐसा करने से जो आप यहो पर कैपिटल अलाउंस देते हो वे भी बन्द हो जाऐगें। अगर आप घाटा पूरा करना चाहते है, तो जो दूसरे प्रान्तो के लोग लगें हूए है उनको निकाल कर करें। मुझे दुख के साथ कहना पडता है कि हमने हिसार के अन्दर एक बिजली बोर्ड की कालोनी बनाई थी और हां ये ि ाफट करने के आर्डर भी कर दिये थें लेकिन अब उस कालोनी को बेचा जा रहा है। ये कहते है कि हम पंचकूला के अन्दर नई कालोनी बनाएगें। फिर यह कहते कि पीछे जो बिजली

की कमी हुई वह बिजली कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से हुई। मै मुख्य मंत्री को उनसे बात करनी चाहिए थी तथा उनकी दिक्कत को दूर करना चहिए था। अगर मुख्य मंत्री साहब उनकी बात सुनतें तो यह बिजली को नुकसान न होता। जब हम सरकार में थें तो उस वक्त भी बिजली कम थी, हमने पानीपत का थर्मल प्लांट चलाया। उस वक्त किसानों को 24 घण्टे बिजली मिलती थी, लेकिन आज नही मिल रही है। इसका कारण यह है कि किसान रैली के नाम पर जो ढकोसला हुआ, असके नाम पर करोड़ो रूपया इन्डस्ट्रियलिस्टस से लिया गया है। पानीपत के अन्उर एक राइस भौलर है, सारे देहात की बिजली काट कर उसको दे दी गई हैं। हमने एक्सीयन और डी0 सी0 को इस बारे मे ि ाकायत की तो उन्होने कहा कि आगे से ठिक कर देगें। (विघ्न) मांगे राम जी नये नये वजीर बने है ये भी ऐसे काम करने लगे हैं। (ाोर) यही नही उससे पहले हरि सिंह नलवा एम0 पी0 और कुछ दूसरे अधिकारी राइस भौलर के मालिक के यहां जाकर खाना भी खाकर आए हैं। एम0 पी0 और सरकार के वजीर उस राइस भौलर के घर जाएं और देहातों की बिजली काट कर उसको दें, यह कहां का इन्साफ है। करोडो़ रूपये लेकर इन्होने हरियाणा के किसानों को बेच दिया।

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, अब आप वाइंड–अप करें।

चौधरी सतबी सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मै वाइंड–अप ही करने जा रहा हूं। स्पीकर साहब, बदरपुर पावर हाउस मे

हरियाणा का 33 प्रति ात हिस्सा है लेकिन इनको वहां से 9 प्रति ात से ज्यादा बिजली नही मिल रही है। हमारे वक्त में वहां से पूरी 33 प्रति ात बिजली मिला करती थीं इन्होने दुर्गा को खु ा करने के लिये दिल्ली को बिजली दे दी। ऐसा करके इस सरकार ने हरियाणा के साथ गददारी की है। किसानों की हमदर्दी की बात मियां साहब भी करतें हैं और मुख्य मंत्री जी तो करते ही हैं। ये जब भी देहात में जाते है तो कहते हैं कि मै जाट हूं और जब मेवात में जाते हैं तो कहते है कि मैं मुस्लमान हूं। (ाोर) एक तरफ तो ये किसानों कि बात करते हैं और दूसरी तरफ लोहारू के अन्दर किसानो के ऊपर गोली चली। वहो के किसान यही चाहते थे कि हमें बिजली और पानी मिले। पानी का तो जिस दिन से भजन लाल की सरकार बनी है इन्होने भट्ठा बिठा दिया हैं। जो नहरे इन्होने पक्की करवाई है, आज उनमे गीदड़ बिया रहे हैं। यह सरकार किसान विरोधी सरकार हैं। भाई खुर ाीद ने एक काम जरूर अच्छा किया हैं कि इन्होन मेवात बोर्ड बनाया। बडी खु ाी की बात है। मैने भी वह इलाका देखा है ओर वहां की खु ाहाली के लिये ऐसा जरूर होना चाहिए था। लेकिन स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ़, झज्जर, दादरी और लोहारू के इलाकों की आज भी बदतर हालत है। आज अगर ये डिवैलपमैन्ट करने की बात करते हैं तो इनको ऐसी सब जगहों पर ऐसे बोर्ड बनाने चाहिए थे और सभी जगहों को खु ाहाल करना चाहिए था। स्पीकर साहब, मै कुछेक बाते और कहना चाहता हूं। हमारे मुख्य मंत्री जी बड़े कल्चर्ड आदमी हैं ओ कल्चरल प्रोग्रामों मे काफी

दिलचस्पी लेते है। लेकिन पता नही इन्होने बजट में कल्चरल प्रोग्रोमों के लिए पैसा क्यों नही रखा? या तो ये सम्लीमैंटरी डिमांड के जरिये बाद मे पैसा लेंगे या इनके पास कोई दूसरा ढंग होगा। जैसे खुर ाीद भाई बता रहें थे कि हमारे मुख्य मंत्री के हाथ मे ऐसी रेखा हैं कि चारों तरफ से पैसा बरसता है। इसलिए हो सकता है कि कल्चरल प्रोग्रामों के लिये पैसा देने का इनके पास कोई दूसरा रास्ता हो। मैं हाउस में एक बात बताना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी जब से चीफ मिनिस्टर बने हैं, तब से ये किसी जाति वि ोश के अधिकारियों के साथ अन्याय कर रहे है। उनकी कन्फीडैं ि ायल रिपोर्टस को ये जान बूझ कर खराब करवा रहे है। यही नही यह भी बर्दा त हो जाता लेकिन हमारे एम0एल0ए0 पोजलू साहब, जिसको सस्पैंड किया हुआ है। उनको मुख्य मंत्री ने अपने दफतर के अन्दर कहा कि अगर ज्यादा बात करेगा तो मै बि नाई हूं और तुम्हे बि नाईओ से गोली से मरवा दूंगा।(ाोर)

चौधरी बीनेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, इन्होने किसी वि ोश जाति का कौन से ठैका लिया हुआ है। ये उस जाति के कौन से ठेकेदार है? ये बे–बुनियाद बात कर रहे हैं। मै उस समय मोजूद था, ये बिल्कूल गल्त बात कह रहे है।(ाोर)

चौधरी सतबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, अगर ये बि नाई होकर ऐसा काम कर सकते हैं तो हमारी जाटनीयां बांझ

नही हो गई थी उन्होने भी बहुत से जाट बेटे पैदा किये हुए है। अगर आपने किसी एम0एल0ए0 के ऊपर कोई ज्यादती करने की कोि ा ा की तो बदला लिया जाएगा। अगर इस तरह से किसी एम0एल0ए0 को थ्रेट दिया जाएगा और उसके खिलाफ गलत केसिज़ दर्ज करवाये जाऐगें तो इनके हक में अच्छा नही होगा। डैमोक्रेसी के अन्दर इनको ऐसा नही करना चाहिए। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज़ वाईड–अप।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, भजन लाल सरकार जब से बनी है तब से सारे हरियाणा में कांड पर कांड हो रहे हैं। यह कांडों की सरकार है और इसका जन्म भी कांडो से ही हुआ हैं। इस सरकार के भाासनकाल में जितने कांड हुए हैं उतने कभी नही हुए, हिन्दुस्तान की हिस्ट्री में यह एक मिसाल हैं। कहीं कालावाली का भाराब कांड और कही कुरूक्षैत्र कांड स्पीकर साहब, क्या क्या गिनाऊ, जितने कांड इस सरकार के टाईम मे हुए है, उतने पहले कभी नही हुए, आप बे ाक हिस्ट्री उठाकर देख ले।(व्यवधान) स्पीकर साहब, होम मिनिस्टर साहब ने एक सवाल के उतर में कहा था कि इस साल 103 केसिज़ रेप हुए हुए हैं। (व्यवधान) इन्होने खुद फिगर दी थी। मेरे कहने का मजलब यह है कि प्रदे ा में ला एंड आर्डर की हालत बहुत खराब है। (घंटी)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए, अब श्री ई वर सिंह बोलेंगें।

चौधरी सतबीर सिंह मलिक : आप मुझे एक मिनट ओर दे दें। मै एक मिन्ट के अन्दर खत्म कर दूंगा।(व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नही आप बैठ जाईए। अब चौधरी ई वर सिंह बोलेगें।(व्यवधान)

चौधरी ई वर सिंह(गुलहा–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, 16 मार्च को हमारे वित्त मन्त्री चौधरी खुर ाीद अहमद ने जो बजट सदन में पे ा किया, मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। स्पीकर साहब, यह बजट हरियाणा के इतिहास में पहला बजट है, जिस में समाज के नकारा और पिछड़े हुए वर्ग को ऊपर उठाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेसा रखा है। यह सदियों से पिछड़ा हुआ और लताडा हुआ वर्ग है, आज तक इसकी और किसी सरकार ने ध्यान नही दिया था। इतना अच्छा बजट होने के बावजूद भी लोक दल के भाई अखबारों में ब्यान देते है कि हरिजन मरवा दिये, इस सरकार ने हरिजनों का भला नही सोया, यह कर दिया, वह कर दिया। आप सब भाई जानते हैं कि बजट मे हरिजनों के लिए कितना प्रोवीजन किया है। जो कुछ इस सरकार ने किया हैं उसको सारी दुनियां जानती हैं और सराहना कर रही हैं। लेकिन ओपोजि ान में बैठ हुए लोक दल के भाई बजट में अच्छी बातों को नजरअन्दाज करने की कोि ा ा करतें हैं। मैं इन्हे बता देना चाहता हूं कि जनता की नजरे बडी तीखी है, उसको धोखा देन इतना आसान नही, जितना ये समझते हैं। (व्यवधान)

चौधरी सन्त कंवर: आप चौधरी चांद राम और जगजीवन दोनो को ही धोखा दे गये है।(व्यवधान)

Mr. Speacker: No interruptions Please.

चौधरी ई वर सिंह: स्पीकर साहब, जब मलिक साहब बोल रहे थे तो इन्होने अपनी स्पीच में कहा कि बजट हरिजन विरोधी बजट है। ये ऐसा नही कह सकते क्योकि जब चे मन्त्रिमण्डल में थे और फाईनैंस मिनिस्टर थें तो हरिजनों के लिए बजट में फण्डज एलोकेट करने तो अलग रहे, इनके दरबार में आये हुए हरिजनो इनके कमरे में घुस भी नही सकते थें। ये हरिजनों से इतनी नफरत करते थें।(व्यवधान)

श्री कंवल सिंह: आपको हर रोज इनकी कोठी पर देखा जाता था। (व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलाल: ये तो वही चक्कर लगाया करते थे। (व्यवधान)

चौधरी ई वर सिंह: दलाल साहब, आप क्या बात करते हैं, आप तो सर्विस से डिसमिस होकर आये थे। (व्यवधान एव भाोर)

Mr. Speaker: No interruptions please.

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

चौधरी उदय सिंह दलाल द्वारा

चौधरी उदय सिंह दलालः आन ए प्वायंट आफ एक्सप्लेनै ान। (व्यवधान) स्पीकर साहब, श्री ई वर सिंह जी मेरे भाई है, मेरे अजीज हैं मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि इन्हे मेरे खिलाफ एक गलतफहमी हो गई है। इन्हे ही नही, कई भाई गलत फहमी के ि ाकार हो रहे हैं।(व्यवधान) मैं हिसार में सर्विस करता था और बा–इज्जत सर्विस छोड़ कर आया था। अगर किसी को डाउट हो तो मैं चैलेंज करता अगर बा–इज्जत ना छोड़ कर आया हुंगा तो मै अस्तीफा दे दूंगा। अगर ये साबित कर देगे कि मैं डिसमिस होकर आया हूं तो मै अस्तीफा दे दूंगा अगर नही साबित कर सके तो ये अस्तीफा दे दे।(व्यवधान) इनको बात सोच कर कहनी चाहिए। जब ये हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन थे तो * * * * * * *

Finance Minister (Chaudhri Khurshid Ahmed): These words should be expunged as they are not relevant.

श्री अध्यक्षः मकान वाली बात रिकार्ड न की जाए।(व्यवधान)

चौधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब, मै इनके चैलैंज को एक्सैप्ट करता हूं, जो जो बाते इन्होने कही है, मै एक एक का एक्सप्लेने ान दे सकता हूं। (व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, ये साबित कर दें अगर मुझे काई सजा हुई हो।(व्यवधान एवं भाोर)

वर्श 1981–82 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः ई वर सिंह जी, आप बजट पर बोलें।(व्यवधान) दलाल साहब, आप इन्ट्र न करें और कोई पर्सनल बात न करें।(व्यवधान)

चौधरी ई वर सिंहः मै बजट पर ही बोलूगा। स्पीकर साहब, सरकार ने हरिजन कल्याण निगम के लिए पिछले साल की निस्बत इस साल 5 करोड़ रूपया और बढा दिया। यह हिन्दुस्तान की पहली स्टेट सरकार हैं, जिसने हरिजनो का इतना ध्यान रखा है और इसकी मिसाल सारे हिन्दुस्तान मे कही नही मिलेतीं। यह हरिजनों की हितकर और वफादार सरकार है जिसन पिछडी़ जातियों के लिए निगम बना दिया। सरकार चाहती है कि छोटे छोटे नगरो में जो छोटे दुकानदार और मजदूर काम करते हैं, उनका किसी न किसी तरह से भला हो और हर आदमी को अपने अपने फिल्ड मे तरक्की करके, अपना कर्तव्य निभाने का मौका मिले। सरकार ने इनके लिए बिजली को प्रबन्ध कर दिया हैं। सरप्लस जमीन का बटवारा करने के लिए यह सरकार दृढ़ संकल्प हैं। यह पिछली सरकार है जिसने 31 मार्च तक सारी सरप्लस जमीन, जिसको पिछली सरकार आज तक बांट नही सकी, उसको

बाटने को फैसला ही नही किया बल्कि ऐलान किया हैं कि 31 मार्च तक फिजीकली कब्जे भी दे दिये जायेंगें सरकार ने हरिजनो के लिए बिजली का प्रर्याप्त प्रबन्ध किया है और सरकार की निती है कि पिछडे वर्ग को बिजली की कमी के कारण कोई नुक्सान न हो। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से एक बात माननीय सदस्यों के नोटिस में लाना चाहता हूं कि सरकार ने हरिजनो को मकान देने के लिए 20 परसैन्ट कोटा अलाट कर दिया हैं। जिस हरिजन भाई को मकान की जरूरत है वह बुकिंग करवा सकता है और यह बुकिंग छः महिने तक खुली रहेगी। इस दौरान किसी वक्त भी हरिजन मकान के लिए या जमीन लेने के लिए बुकिंग करवा सकता हैं। सरकार ने हरिजनों के लिए 8,000 मकान बनाने के लिए आ वासन दिया हैं। आत अपोजी ान मे बैठे हुए लोक दल के भाई नारा लगाते है कि गरीब हरिजनो के लिए बजट में कुछ नही रखा है। मै इन्हे बता देना चाहता हूं कि पहले व अपने दिल को टटोल कर सोचे कि जिस वक्त उनकी सरकार थी और वे मिनिस्टरी मे थे उस वक्त इनको हरिजनो की भलाई करने का वक्त मिला था तो वे हरिजनों के कितने वफादार थे और हरिजनो के लिए इन्होने कितने मकान बनाये थें? क्या उस वक्त मकान नही बन सकते थे? जिस वक्त इन्होने बजट बनाया था क्या उस वक्त हरिजनों के मकार बनाने के लिए प्रोविजन नही रख सकते थें। स्पीकर साहब, इस सरकार ने यही नही किया, जो व्यक्ति आर्थिक तौर पर पिछड़े हुए है, उनके लिए सरकार निगम बना रही हैं। ये चीजे बताती है कि सरकार पिछडे वर्ग के लिए और गरीबों के

लिए कितनी वफादार हैं। स्पीकर साहब, हुड्डा द्वारा जहां तक प्लाट अलाट करने को संबंध है, इसमें छोटी सी भूल हो गई है। मै मुख्य मंत्री जी से अपील करूगां कि 20 परसैंट का कोटा तो संवैधानिक रूप से हरिजनों के लिए है ही लेकिन अगर इसे 30 परसैंट कर दिया जाए तो दुसरे गरीब लोग भी इस सहुलियत से मैक्सीमम फायदा उठा सकेगें। आज तक जिस आदमी को समाज ने लताड़ दिया था। जिसकी भलाई की किसी सरकार ने कोई बात नही सोची थी, उसको ऊपर उठाने के लिए इस सरकार ने समुचित कदम उठाये हैं।

13.00 बजें

स्पीकर साहब, इसके बाद मै सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि अन्धे, लंगड़े और लूले लोगों के लिए, जिनका कोई सहारा नही, जो अपंग है, उनके लिए बजट कें कुछ न कुछ प्रोविजन रखा जाना चाहिए था। मैं वित्त मंत्री जी से प्रार्थना करता हूं कि जो आदमी 50 वर्श की उमर से ऊपर के है, जिनका कोई सहारा नही, औलाद नही, उनके लिए इन्हे 50 या 100 रूपये की पैन् ान मुकर्रर कर देनी चाहिए। अगर ऐसा हो जाए तो मै समझता हूं कि यह इस बजट का बहुत ही प्र ांसनीय पहलू होगा।

अढाई सौ आदमीयों की आबादी वाले गांव मे सड़क का पहुचना, बिजली का होना और स्कूल का बनना काबिले तारिफ काम हैं। मेरा हल्का जो सदियों से पिछड़ा हुआ था और जहां

केवल सात स्कूल थे वहां अब 13 साल के बाद 9 स्कूल अपग्रेड हुए है। 13 साल मे वहां कोई स्कूल अपग्रेड नही हुआ था। यह चौधरी भजन लाल जी की सरकार है जिसने इस तरह के पिछडे हुए इलाके की तरफ भी ध्यान दिया हैं। बोर्डर से लगते हुए इस इलाके में सब–डिविजन बनाना, 132 के0वी0 का बिजली घर बनाना ओर 'हैफेड' द्वारा भौलर लगाया जाना इस प्रकार का पिछड़े हुए इलाके ओर गरीब लोगों के साथ हमदर्दी को एक नमूना हैं। यही नही वह्र 30 बैड का एक हस्पताल भी बनाया जा रहा हैं। मेरे ख्याल में इस सरकार के दिल से कोई भी पिछड़ा हुआ इलाका छुपा हुआ नही हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, केवल जात का नार लगा कर कोई सरकार चल नही सकती। हम तो समानता चाहते है। चौधरी देवी लाल जी जब मुख्य मंत्री थें तो क्लर्कसे लेकर हैड क्लैक तक के एस0एस0बोर्ड से जो भी कर्मचारी लगे वे एक ही जात से एक ही वर्ग से लिए गए। (विघ्न) उस समय हरिजनो का कोटा पूरा नही हुआ। मै मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वे अब को कोटा तो पूरा करेगें ही लेकिन पिछला कोटा भी पूरा करने की कृपा करें। स्पीकर साहब, हरिजन एक ऐसी जमात है जिसको सदियों से पिछड़ा रखा गया है हालाकि इस जमात के लोगों ने बड़ी–बड़ी कुरबानियां दी है। गुरू गोबिन्द सिंह जी से लेकर अब तक का इतिहास अगर हम देखे तो पांच प्यारे जो भाहीद हुए उनमें भी हरिजन थें। डा0 अम्बेदकर जिन्होने भारत का सविधान बनाया, वे भी हरिजन थें। (विघ्न) मैं मलिक हरिजनों के लिए कितना प्रोविजन किया था? स्पीकर साहब, पोहलू

साहब के बारे में एक बार मेरे हल्के के अन्दर वे गए और इन्होने हरिजनों को गालियो दी। (ाोर) इस बिनाह पर उनके विरूद्व दफा 376 का मुकदमा दायर हुआ था जो कि रिकार्ड की बात है (ाोर)

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, ये दल बदलू यहां दफा 376 के मुकदमें का जिक्र कर रहे हैं। क्या यह बात ठीक हैं?

Mr. Speaker: I did not hear what he has said. If there is anything objectionable I will expunge it.

चौधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब यह तो रिकार्ड की बात है। डा0 साहब को हम इसलिए कुछ नही कहते क्योकि हम सोचते है कि हम तो नए आए है और य काफी पुराने सदस्य हैं। लेकिन डा0 साहब जब भी खड़े होते हैं तो दल बदल की बात करते हैं। क्या डा0 साहब मुझे बताएगे कि उन्होने दल नही बदला है? क्या ये अब उसी पार्टी में है जिसमें पहले थें। इन्हे सोच कर बात करनी चाहिए।

डा0 मंगल सैनः हम जहां थे वही आज हैं। हमने न चौधरी चांद राम जी को छोडा़ है और न किसी और से दगा किया हैं।(ाोर)

मास्टर जोगी रामः अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है। ये पहले जनता पार्टी में थे और अब भारतीय जनता

पार्टी में हैं। वे भाई पहले जनता पार्टी में थे लेकिन अब लोकदल में हैं। इसलिए अगर हम जनता पार्टी से काग्रेस में आ गए हैं तो काई बडी़ बात नही हुई।(विघ्न)

चौधरी ई वर सिंहः डा0 साहब ने तो आज तक कभी किसी हरिजन के घर में चाय भी नही पी होगी।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, यह कहना कह्य तक रैलेवैन्ट है कि डा0 साहब ने कभी किसी हरिजन के घर में चाय नही पी होगी? हम तो चाय रोज हरिजनों की ही पीते है। मेरी गाडी़ का ड्राईवर भी हरिजन हैं। (विघ्न)

चौधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब, डा0 साहब जब वजीन थे तो मोम का कोटा देने का काम इनके हाथ में था। क्या डा0 साहब बताऐगे कि इन्होने अपने वक्त मे कितने हरिजनों को परमिट दिए? ये आकडे निकाल कर देखे ले और हरिजनो का नाम भी बता दें। (विघ्न)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, इन्हे समझा दीजिए कि रूरल इंडस्ट्री स्कीम चौधरी देवी लाल ने ही स्वीकार की थी।

लोक निर्माण मंत्री(कंवर राम पाल सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर अध्यक्ष महोदय, मैम्बर साहब बोल रहे है लेकिन डा0 मंगल सैन जी बगैर आप की परमि ान के जब जी करता है बोलने के खड़े हो जाते हैं। उन्हे चाहिए की वे आनरेबल मैम्बर को बोलने दें। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः नो इंट्रप ान पलीज। ई वर सिंह जी आप सिर्फ बजट पर बोलें।

चौधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब मै बजट पर ही बोल रहा था। मै बता रहा था कि इन्होने अपने समय में हरिजनों के लिए क्या कुछ किया था।

श्री अध्यक्षः आप अब वाईन्ड–अप कीजिए। आप को बोलते हुए 17 मिनअ हो गये है।

चौधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब, चौकिदारों की तरफ आज तक किसी सरकार का ध्यान रही गया था लेकिन यह चौधरी भजन लाल की सरकार है जिसने बिना किसी रिप्रैजेन्टै ान के, बिना किसी डैपुटे ान के उनाक वेतन 50 रूपये बढा कर 100 रूपये किया हैं। इसी तरह से इस सरकार ने बाल्मीकी भाईयो के भी 50 रूपये बढाए है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ई वर सिंह जी, अब आप समाप्त किजिए।

चौधरी ई वर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै अपने मंत्री जी और अपनी सरकार से यह भी प्रार्थना करूंगा कि हरिजनों की क्लास वन ओर क्लास टू में भी रिजर्वे ान होनी चाहिए। (विघ्न) स्पीकर साहब, आरक्षण विरोधी कुछ तत्व हैं। इन आदमियों को चाहिए था कि पिछडे लोगो से जब पहले समय में बेगार ली जाती थी तो उसका विरोध करते। गांव मे पटवारी, सिपाही यानि चपडासी से लेकर अफसर तक हरिजनों का स्वीपरो के सिवाए

किसी भी कटैगरी में कोटा पूरा नही हैं। स्वीपर का कोटा पूरा करने के लिए दुसरा कोई भी व्यक्ति तैयार नही हैं। अगर पूरा 20 परसैन्ट कोटा है तो केवल स्वीपरों मे ही पूरा है।(ाोर) इसलिए मैं यह चाहूंगा कि ऐसे तत्व जो पिछडें हुए वर्गो, चाहें वे हरिजन है या अन्य जातियां है, उनका विरोध करतें हैं उसका भी प्रबन्ध किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आजकल रिजर्वे ान के विरोध में एक लहर चल रही है। सरकार ने बैकवर्ड निगम बनाई है और उसके लिए दो करोड़ रूपये का प्रबन्ध किया है। लेकिन इतने से उस का काम चलने वाला नही हैं। जितनी प्रगति की आव यता है उतनी नही हो सकेगी। (ाोर)

इन भाब्दो के साथ मै इस बजट की पुरजोर ताईद करता हूं।

श्री अध्यक्षः श्री हरफूल सिंह। वे हाजिर नही हैं। श्री देवी दास। वे भी बैठे नही हैं। इसलिए अब मै राव बंसी सिंह को बोलने के लिए काल अपौन करता हैं।

राव बंसी सिंह(अटेंली): अध्यक्ष महोदय, दो दिनो से चौधरी खुर ाीद अहमद द्वारा पे ा किए गए वर्श 1981–82 के बजट पर बहस हो रही है। (ाोर)

नेमिंग आफ मैम्बर्ज

स्वामी अग्निवे ाः स्पीकर साहब, अब अपोजि ान की टर्न है इसलिए मुझे बोलने का समय दिया जाए।

श्री अध्यक्षः अब मै राव बंसी सिंह जी को काल अपोन कर चुका हुं और उन्होन बोलना भी भारू कर दिया हैं। उनके बाद आप को समय दूंगा।

स्वामी अग्निवे ाः स्पीकर साहब, अब हमारी बारी हैं, इसलिए मुझे बोलने दिया जाए। ये अपनी टर्न पर बोल सकते हैं।

श्री अध्यक्षः स्वामी जी मैने अपोजी ान के दो मैम्बर्ज को बोलन के लिए काल अपोन किया था लेकिन वे हाजिर नही हैं। अब इधर से राव बंसी सिंह जी बोल रहे हैं। इनको खत्प कर लेने दो, उसके बाद आपको समय दूंगा।

स्वामी अग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, अगर अब मुझे समय नही दिया जाता है तो मै वाक आउट करता हूॅ। यह पक्षपात किया जा रहा है।(ोर)

Mr. Speaker: I take strong obejection to these words. (Interruptions and noise) I name Swami Agnivesh.

स्वामी अग्निवे ाः मै तो खुद वाक–आउट कर रहा हूं।(व्यवधान एव ोर)

श्री अध्यक्षः जनता पार्टी के चार सदस्य हैं जिनमे से तीन सदस्य बोल चुके है यानी 75 परसैन्ट बोल चुके हैं। फिर भी अगर ऐसे भाब्द इस्तेमाल करेंगे तो मैं स्ट्रिक्ट एक ान लूंगा। You may please withdraw from the House.

स्वामी अग्निवे ा: मै जा ही रहा हूं।

Mr. Speaker: All right] you kindly leave the house.

स्वामी अग्निवे ा: मै तो जा ही रहा हूं। (ाोर एव विघ्न)

(The Hon. Member did not withdraw from the House)

Mr. Speaker: Marshal, Please take him out of the House.

स्वामी अग्निवे ा: मा र्ाल की कोई जरूरत नही है। मै तो खुद ही जा रहा हूं।

Mr. Speaker: If anybody accuses me of partiality, I will not tolerate it (Interruptions and noise).

(At this stage the Sermeant at Arms went to the Hon. Member, Swami Agnivesh).

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय ये तो खुद ही हाउस से बाहर जा रहे हैं।

Mr. Speaker: He should kindly leave the House.

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, आप इतने नाराज न हो।(ाोर)

Mr. Speaker: I will not tolerate any such comments where a member accuses me of partiality. Kindly leave the House. (Noise and Interruptions).

स्वामी अग्निवे ा: मै जा रहा हूं।

(At this stage Swani Agnivesh Left the House)

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं।

Mr. Speaker: Please take your seat.

देखिए मैम्बर साहबान, जनता पार्टी के सदस्यों को मैनें मैक्सीमम टाईम दिया है। ये चार सदस्य हैं जिनमे से तीन बोल चुके हैं। बजट पर डिस्क ान को केवल दो या अढाई दिन ही हुए हैं। तीन सदस्य बोल चुके हैं यानी 75 परसैन्ट बोल चुके हैं। उनके लीडर श्री बलदेव तायल मेरे पास आये थे। मैने उनसे कहा था कि आपके दो सदस्य पहले दिन बोल चूके हैं, दूसरे दिन मैं पहले अग्निवे ा जी को बुलवाऊगां, फिर भांकर लाल जी को बुलवाऊगां। इन्होन मेरे से रिक्वैस्ट की थी कि नह, पहले कापरेड भांकर लाल जी को बुलवायें। गवर्नर ऐड्रेस की बात थी। उस पर भी इनको इनके टाईम से ज्यादा टाईम दिया। इसके बावजूद भी अगर ऐसी बातें कही जाऐं तो मेरे को बड़ा दुख होता है। स्वामी अग्निवे ा अपने आपको महात्मा और साधु कहते है, उसके बावजूद भी उन्होने ये भाब्द इस्तेमाल किये कि चैयर पाि ायलिटी इस्तेमाल कर रही है। बड़े दुख की बात है। मै समझता हूं ऐसी बात पुरे हाउस को कन्डैम करनी चाहिए।

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय,---------

Mr. Speaker: No Please. I will not tolerat any such thing.

(At this stage some members, insluding shri Baldev Tayal, stood up) (Noise)

Shri Baldev Tayal: We will not tolerate any such thing. (Interruptions and Noise).

Mr. Speaker: Please take your seat. (Interruptions and Noise)

Shri Baldev Tayal: No, we will not tolerate any such thing.

Mr. Speaker : I name Shri Baldev Tayal. He May please leave the House.

(इस समय श्री बलदेव तायल हाउस से बाहर चले गये)

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मेरा कहना यह है * * * * * (ाोर)

Mr. Speaker: I Will not accept any reflection on the chair.

Shrimati Sushma Swaraj: On a point of order, sir.

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, जहां तक स्वामी जी ने पक्षपात वाली बात कही * * * * * * (भाोर एव व्यवधान)

Mr. Speaker: I was accused of partiality inspite of the fact that I have already given the time to speak to 75% of the Janata Party members.

Shrimati Sushma Swaraj: I have to make one submission, Sir.....

श्री अध्यक्षः भारतीय जनता पार्टी के मेरे ख्याल मे तीन या चार मैम्बर बोल चुके है। भाायद दो या तीन लोक दल के बोले हैं। जनता पार्टी के भी 75 प्रति ात मैम्बर्ज बोल चुके है।

चोधरी हुक्म सिंहः हमारी पार्टी को सिर्फ एक बोला है।

श्री अध्यक्षः नही मेरे पास रिकार्ड है। श्री रण सिंह मान बोल चुके हैं और बाबू मूलचन्द जैन बोल चुके है। तीन या चार आपकी तरफ से बोल चुके है और चार–पांच उनकी तरफ से बोल चुके हैं। दो या तीन जनता पार्टी के बोल चुके हैं।

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, हमारी तरफ से केवल भांकर लाल जी ही बोले हैं। (ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नही, आम अपने मैथेमैटिक्स को सुधारिए। कृपया आप बैठिए।

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, आप जरा गुस्सा कम करके रिकार्ड तो देखें।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मै यह बात कह रहा था कि ये लोग गवर्नर ऐड्रैस पर बोले है।

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, आप जरा गुस्सा कम करके रिकार्ड तो देखें, कल बजट पर कामरेड भांकर

लाल जी बोल है। मै और श्री बलदेव तायल गवर्नन ऐड्रैस पर बोले है। बजट पवल भांकर लाल ही बोले है।(विघ्न) अध्यक्ष महोदय, पहले आप मेरी बात सुन ले। आप बिना वजह नाराज क्यो हो रहे हैं? अगर आप मेरी एक मिन्ट बात सून लेगें जो बिल्कूल सही हो जाऐगा।

Mr. Speaker: If I am accused of partiality, I will not tolerate any such thing. I will resign from this chair. I am not interested in it. I will maintain discipline and will not tolerate of being accused of partiality when it is aginst facts. I can resign today from this Chair. I say it from the bottom of my heart.

श्रीमति सुशमा स्वराज : इसमे रिजाइन करने की क्या बात हैं?

श्री अध्यक्षः मै धर्म से कह सकता हूं कि वक्त वे वक्त मै ट्रेजरी बैचिंग को दबाता हूं और ओपीजी ान को ज्यादा महत्व देता हूं।

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, आपके पास मिस–इन्फोंमे ान हैं। मै आपसे यह कह रही हूं कि जो आप बार–बार कह रहे है कि जनता पार्टी के तीन सदस्य बोले हैं, जनता पार्टी का केवल एक सदस्य बजट पर बोला हैं। यह मिस–इन्फोंमे ान है जो आप यह कह रहे है कि हम तीन लाग बोले है।

श्री अध्यक्ष : मैने वायदा किया था कि आपके चारों मैम्बरो को दोनो मौको पर बुलवा दूंगा। But you cannot be the first to speak on every occasion.

Shrimati Sushma Sawraj: Of Course, I may not be the first, but he too can not be the first to speak. (Interruptions and Noise).

श्रीमति सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, हमने आपके चैम्बर में दरखास्त की थी। आपने कहा था कि हमारी पार्टी के मैम्बर्ज को टाईम मिलेंगा (ाोर)

श्री अध्यक्ष : क्या आप चाहती है कि आपकी पार्टी के हंडर्ड परसैन्ट मैम्बर बोले ओर इधर से ये 25 परसैन्ट बोले।

श्रीमति सुशमा स्वराज : हम 100 परसेन्ट तो नही बोले है। अगर स्वामी अग्निवे ा जी बोल लेते हो पच्चास परसेन्ट हो जाते।

Mr. Speaker: No, if you had counted both the occasions और अगर स्वामी जी को बुलवा लेते तो 100 प्रति ात हो जाता। Since your group is small, I wanted to give you maximum time.

श्रीमति सुशमा स्वराजः मैं आपसे दरखास्त करूंगी, आप नाराज न हों .....

Mr. Speaker: If anybody uses the word "partiality" for me, I will not tolerate it. (Interruptions)

श्रीमति सुशमा स्वराजः आप पहले कम करके मेरी बात सूनें। अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट यह है कि अगर कोई सदस्य वाक आउट करने की बात करता है और वह पहले ही यह कहता है कि मैं वाक आउट कर रहा हूं तो क्या आप उसे नेम कर सकते हैं ?

Mr. Speaker: I have heard yoiur point. Please sit down.

Smt. Sushma Swaraj: I want yoiur ruling, Sir.

Mr. Speaker: Yes, the Speaker can name him. This is my ruling. (Interruptions and noise)

Smt. Sushma Swaraj: Under what Rule?

Mr. Speaker: Please don't contest my ruling. I am warning you. (Interruptions and noise) Please take your seat.

(Smt. Shushma Swaraj did not resume her seat). (Interruptions)

Mr. Speaker: I name Smt. Shushma Swaraj. She may plwase leave the House.

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनें ..... (ाोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker: Marshal, please take her out of the House. (Interruptions and noise)

(At this stage the Serjeant-at-Arms went to the hon. Member, Smt. Sushma Swaraj and She withdrew from the House.)

बैठक का स्थगन

Dr. Mangal Sein: May I submit, Sir ..... (Interruptions and Noise).

(At this stage some other Members from the opposition rose to speak and there was noise).

Mr. Speaker: The House stands adjourned till 2.00 p.m. on Monday.

13.20 बजे

(The Sabha then adjourned till 2.00 p.m. on Monday, the 23rd March, 1981)

ANNEXURE

APPOINTMENT OF CLERKS THROUGH S.S.S. BOARD

***2048. Sh. Bhale Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) the numbe of clerks appointed so far through the Subrodinate Services Selection Board during the period from 1-11-1980 to-date; and

(b) teh number of persons belonging to Scheduled Castes and Backward Classes out of those referred to in part (a) above together with the percentage thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 692

(ख)

अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित व्यक्ति	80	11.56 प्रति ात
पिछड़ी जातियों से सम्बन्धित व्यक्ति	71	10.26 प्रति ात